THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 141 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.8 2080 मंगलवार, 8 अगस्त 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट ने 3 महिला जजों की कमेटी बनाई

> मणिपुर हिंसा को लेकर राहत-पुनर्वास देखेगी > 42 एसआईटी जांच करेंगी > डीआईजी रैंक के अफसर के हाथ में निगरानी

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 7 अगस्त को फिर सुनवाई हुई। इसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के 3 जजों की कमेटी मणिपुर में जाकर राहत और पुनर्वास देखेगी। कोर्ट ने ये भी कहा कि ऐसी कोशिशें की जानी चाहिए, ताकि राज्य के लोगों में विश्वास और कानून के शासन में भरोसा लौट सके। वहीं, राज्य के हालात की जानकारी देने मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह कोर्ट पहुंचे। उन्होंने प्रशासन के उठाए कदमों के बारे में बताया।

जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस रहीं गीता मित्तल इस कमेटी की हेड होंगी। कमेटी की दो अन्य सदस्य जस्टिस (रिटायर्ड) शालिनी पी जोशी और जस्टिस (रिटायर्ड) आशा मेनन होंगी। सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल (एजी) आर वेंकटरमणी ने कहा कि मणिपुर की मौजूदा स्थिति नाजुक है। बाहर से जांच होना लोगों में विश्वास पैदा नहीं करेगा। सरकार स्थिति

को संभालने के लिए परिपक्व तरीके से डील कर रही है। मणिपुर में एक आर्टिफिशियल सिचुएशन बनाई गई है, जिससे बताया जा रहा है कि सरकार कुछ नहीं कर रही। यह बहुत उलझाऊ स्थिति है।

मणिपुर हिंसा मामले में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है। केंद्र का कहना है कि 6,523 एफआईआर में से 11 महिलाओं और बच्चों की हिंसा से जुड़ी हैं। इनकी जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए। एजेंसी भी 11 मामलों की जांच की मांग कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच मणिपुर हिंसा से जुड़ी 10 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों की 42 स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) जांच करेंगी। इन केसों को अभी तक सीबीआई को ट्रांसफर नहीं किया गया है। इन एसआईटी के काम को डीआईजी रैंक का अफसर निगरानी करेगा। ये अफसर मणिपुर के बाहर के होंगे। डीआईजी रैंक का एक अफसर 6 एसआईटी की निगरानी करेगा। इन एसआईटी की जिले के आधार पर नियुक्ति होगी।

कोर्ट रूम में 7 अगस्त को हुई बहस के अंश...

वकील वृंदा ग्रोवर : दो महिलाओं को पीटा गया। उन्हें मरा मान लिया गया था। इसके बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया। यहां रिपोर्ट में बताया गया कि सामान्य चोटें थीं। आईपीसी की धारा 166ए के तहत कोई एफआईआर नहीं की गई। इसके तहत पब्लिक सर्वेंट्स (लोकसेवकों) के एक्शन न लेने पर अकाउंटेबिलिटी तय होती है।

वकील इंदिरा जय सिंह : मणिपुर में झड़प जारी है। मेरा केस जांच और अपराध की रोकथाम को लेकर है। मैं एक जॉइंट स्टेटमेंट पढ़ूंगी। जो मेरे, वृंदा ग्रोवर, मिस शोभा और मि. पाशा की तरफ से है।

वकील इंदिरा जय सिंह : तीन अप्रोच हो सकती हैं। कोर्ट की तरफ से एक हाईपॉवर्ड कमीशन भेजा जाए। इसमें तीन रिटायर्ड तीन महिला जज हों। ये कोर्ट की आंखें और कान रहेंगी। असल में राज्य में हिंसा 3 मई को शुरू हुई, 4 को नहीं। 2012 के निर्भया केस में हमने देखा था कि पुलिस अपनी ड्यूटी नहीं कर रही थी। >14

राज्यसभा में दिल्ली सर्विस बिल पास

शाह बोले- 11 अगस्त को मणिपुर पर चर्चा करें

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा में सोमवार को केंद्र सरकार की तरफ से पेश किया गया दिल्ली सर्विस बिल राज्यसभा में पास हो गया। ऑटोमैटिक वोटिंग मशीन खराब होने के कारण पर्ची से वोटिंग कराई गई। पक्ष में 131 और विपक्ष में 102 वोट डले। बिल अब राष्ट्रपति से मंजूरी के लिए जाएगा, उसके बाद कानून बन जाएगा।

दिनभर के बहस के बाद गृह मंत्री जवाब देने आए तो उन्होंने विपक्ष को चैलेंज दिया कि इस बिल को गिराकर दिखाओ। उन्होंने कहा- 8 से 10 अगस्त तक लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी है, इसलिए विपक्ष मणिपुर पर 11 अगस्त को चर्चा करे। मैं मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार हूं। हमारे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। आप (विपक्ष) ही हैं, जिनके पास छिपाने के लिए कुछ है। आप चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। अगर खड़गे जी 11 अगस्त को चर्चा के लिए हां कहते हैं, तो मैं भी इसके लिए तैयार हूं।

इससे पहले दिल्ली सर्विस बिल पर शाह ने कहा, यह बिल पूर्व की तरह प्रधानमंत्रियों की सदस्यता बचाने नहीं लाए। इमरजेंसी लगाने नहीं लाए। शाह के यह कहते ही कांग्रेस के सदस्य भड़क गए। इस पर शाह बोले, कांग्रेस को लोकतंत्र पर बोलने का अधिकार नहीं है। आपने देश को इमरजेंसी दी थी। आप का जन्म कांग्रेस को गाली देकर हुआ। खड़गे साहब आप जिस गठबंधन को बचाने के लिए इस बिल का विरोध कर रहे हैं, सदन के बाद केजरीवाल साहब आप से मुंह मोड़ लेंगे।

कांग्रेस को पता है कि अकेले कुछ होने वाला नहीं है। इसलिए गठबंधन बना लिया है। ऐसा गठबंधन जो सैद्धांतिक रूप से एक नहीं है। केरल में कांग्रेस और लेफ्ट एक दूसरे के खिलाफ है, लेकिन गठबंधन में ईलू-ईलू कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस का जन्म ही लेफ्ट के विरोध में हुआ, लेकिन वे भी साथ हैं। मैं इन्हें बता दूं कि 4-5 दल और जोड़ लें, फिर भी 24 मई 2024 को नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री की शपथ लेंगे।

शाह ने कहा, इस बिल का उद्देश्य दिल्ली में सुचारू रूप से भ्रष्टाचार मुक्त शासन हो। बिल के एक भी प्रावधान से, पहले जो व्यवस्था थी, उस व्यवस्था में एक इंच मात्र भी परिवर्तन नहीं हो रहा है।

137 दिन बाद संसद पहुंचे राहुल गांधी

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी सोमवार को संसद सदस्यता बहाल होने पर 137 दिन बाद संसद भवन पहुंचे। उनके संसद पहुंचते ही लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक न्यूज वेबसाइट का मुद्दा उठाया। दुबे ने सदन में कहा, देश में पड़ोसी देश के पैसे से पीएम मोदी के खिलाफ माहौल बनाया गया। न्यूज वेबसाइट में पड़ोसी देश से पैसा आया। यह देश विरोधी है।

उधर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाए कि, कांग्रेस, चीन और विवादित न्यूज वेबसाइट न्यूज क्लिक एक ही गर्भनाल से जुड़े हैं। राहुल गांधी की 'नकली मोहब्बत की दुकान' में पड़ोसी सामान साफ देखा जा सकता है। चीन के प्रति उनका प्रेम नजर आ रहा है। वे भारत विरोधी अभियान चला रहे। दोपहर बाद सदन की कार्यवाही शुरू होने पर लोकसभा में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल 2023 पास हो गया। इस दौरान विपक्षी सांसद मणिपुर मुद्दे को लेकर नारेबाजी करते रहे। इस बिल के कानून बनने से डेटा इकट्ठा करने वाली कंपनियों को यह बताना होगा कि वे कौन सा डेटा ले रही हैं और डेटा का क्या इस्तेमाल किया जाना है। कंपनियों को कॉन्टैक्ट डीटेल्स भी यूजर्स को मुहैया कराने होंगे।

पीएम का 7 राज्यों के कार्यकर्ताओं को टास्क, गांव पर करें फोकस

चंडीगढ़, 7 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद स्थित सूरजकुंड में भाजपा के दो दिवसीय क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कई टास्क दिए। पीएम ने सभी को शहरों के बजाय गांवों पर फोकस करने को कहा। उन्होंने सम्मेलन में शामिल पार्टी जिलाध्यक्षों के साथ ही कार्यकर्ताओं को 5-5 गांवों के समूह बनाकर केंद्रीय योजनाओं की जानकारी देने का टास्क दिया। पीएम ने इसके लिए दीपावली तक फिक्स टाइम भी दिया। इस प्रशिक्षण शिविर में उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान के प्रतिनिधि शामिल हुए। पीएम ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया आप दीपावली तक तय कीजिए कि 5-5 गांवों का समूह बनाकर आयुष्मान भारत कार्ड जिनको मिला है उनके सम्मेलन कीजिए। लाभार्थी खुद बताएं उन्हें कैसे इसकी मदद मिली है। आगे देखिए जो लोग छूट गए हैं उनको लाभ दिलाएं। आपके क्षेत्र में हेल्थ और वेलनेस सेंटर को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करें। जिले में पहली मेडिसिन केंद्र बनाने में भी काम करें। ई-संजीवन योजना की मदद से 14 करोड़ से ज्यादा बार डॉक्टरों से संपर्क कर चुके हैं। अभियान चलाकर अपने क्षेत्र के हर गांव में ई-संजीवनी योजना की जानकारी पहुंचानी चाहिए। पीएम ने सम्मेलन में खेती-किसानों से जुड़ी कई योजनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि हाल ही में फसल योजना बीमा के जरिए एक लाख 20 हजार करोड़ रुपये का मुआवजा किसानों को दिया गया है। अभी कुछ ही दिन पहले ही मैंने वन स्टॉप सेंटर के जरिए एक लाख 25 हजार किसान समृद्धि केंद्र देश को समर्पित किए हैं।

उन्होंने कहा कि कभी जाइए वहां केंद्र में बैठिए। इन केंद्रों में खाद, बीज, खेती से जुड़े औजार, सरकारी योजनाओं की जानकारी एक जगह ही मिल रही है। केंद्र सरकार के ये सारे प्रयास किसानों का जीवन आसान बना रहे हैं। उनकी आय बढ़ाने में बहुत मददगार साबित हो रहे हैं। पीएम ने कहा कि जन धन योजना के तहत 50 करोड़ लोगों के बैंक खाते खोले गए। इस योजना की ज्यादातर लाभार्थी हमारी माता बहने ही हैं।

गुलशन कुमार हत्या केस

दोषी अब्दुल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। टी-सीरीज के मालिक गुलशन कुमार की हत्या के मामले में दोषी अब्दुल रऊफ दाउद मर्चेंट की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

अब्दुल रऊफ दाऊद मर्चेंट को गुलशन कुमार की हत्या मामले मे निचली अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी। जबकि निचली अदालत ने अब्दुल राशिद दाऊद मर्चेंट को बरी कर दिया था। हालांकि, 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अब्दुल रऊफ की सजा को बरकरार रखा और साथ ही अब्दुल राशिद को बरी करने के निचली अदालत के फैसले को भी पलट दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि अब्दुल राशिद शूट आउट में हिस्सा लेने वाले हत्यारों में से एक था। हाईकोर्ट के फैसले को दोनों ने सुप्रीम कोर्ट मे चुनौती दी है। पिछली सुनवाई मे सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल राशिद दाऊद मर्चेंट की याचिका पर नोटिस जारी किया था। आज सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल रऊफ दाऊद मर्चेंट की याचिका पर नोटिस जारी कर महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा है। निचली अदालत ने अब्दुल रऊफ को गुलशन कुमार हत्या के केस में दोषी ठहराया था और अप्रैल 2002 में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

फिर 2009 में वह पैरोल लेकर बाहर आया और बांग्लादेश भाग गया। बाद में रऊफ़ को बांग्लादेश से भारत लाया गया था। 12 अगस्त 1997 को टी सीरीज के मालिक गुलशन कुमार की मुंबई में जीत नगर में एक मंदिर के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गुलाम नबी बोले : आर्टिकल 370 जम्मू-कश्मीर के लिए फायदेमंद था

इसे हटाने का समर्थन करने वाले वहां की असलियत नहीं जानते

जम्मू, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व कांग्रेस नेता और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जो लोग जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने का सपोर्ट कर रहे हैं, उन्हें वहां की असलियत और इतिहास के बारे में नहीं पता।

आजाद ने जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रैली में कहा, आर्टिकल 370 जम्मू-कश्मीर के लिए फायदेमंद था। इसे असंवैधानिक और जबरन तरीके से हटाया गया था। मुझे सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा है कि उनका फैसला सही होगा। दरअसल, आर्टिकल 370 हटाने के फैसले को चुनौती देने वाली 23 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। पिछली सुनवाई 2 और 3 अगस्त को हुई थी। मामले में अगली सुनवाई 8 अगस्त को होगी। गुलाम नबी ने कहा, आर्टिकल 370 किसी खास धर्म

या इलाके के लिए नहीं, बल्कि सभी लोगों के लिए फायदेमंद था। आजाद ने अनंतनाग में शहीद हुए तीन सैनिकों के लिए भी शोक जताया। उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीनों से आतंकी हमले ज्यादा होने लगे हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच कर रही सुनवाई :

आर्टिकल 370 हटाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एसके कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की पांच सदस्यीय बेंच सुनवाई कर रही है। आर्टिकल 370 पर सुप्रीम कोर्ट में 3 साल बाद सुनवाई हो रही है।

शाह ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने की घोषणा की :

आर्टिकल 370 की बुनियाद 26 अक्टूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर के राजा हरि सिंह के विलय संधि पर दस्तखत करने से पड़ी। जब समझौते के तहत केंद्र को सिर्फ विदेश, रक्षा और संचार मामलों में दखल का अधिकार मिला था। 17 अक्टूबर 1949 को अनुच्छेद 370 को पहली बार भारतीय संविधान में जोड़ा गया। इसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाने की घोषणा की थी।

एलओसी के पास सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया

पुंछ में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे 24 घंटे में तीन आतंकी ढेर

श्रीनगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आज सुबह जॉइंट ऑपरेशन में एलओसी के पास दो आतंकवादियों को मार गिराया। ये आतंकी एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। जम्मू के पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया, ऑपरेशन अभी जारी है। पिछले 24 घंटे में सेना ने जम्मू-कश्मीर में तीन आतंकवादियों को ढेर किया है। 5 अगस्त को राजौरी में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया था। इससे पहले कुलगाम में 4 अगस्त को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में तीन जवान शहीद हो गए थे। 6 अगस्त को हुए एनकाउंटर का जायजा लेने के लिए एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस मुकेश सिंह राजौरी पहुंचे हैं। उन्होंने मीडिया को बताया कि पीर पंजाल इलाके यानी राजौरी और पुंछ जिलों में लगभग तीन आतंकी समूह सक्रिय हैं।

इनमें से हर एक समूह में दो से तीन लोग होने की आशंका हैं। हालांकि, एडीजी ने कहा कि आतंकियों का सही आकंड़ा बता पाना मुश्किल है। उन्होंन यह भी कहा कि सुरक्षाबल इस इलाके से आतंकियों को मिटाने के लिए हर कोशिश कर रहे हैं। एनकाउंटर को लेकर उन्होंने बताया कि बुढ़ल के गुंदाह-खवास गांव में कुछ आतंकी देखे गए थे। जानकारी मिलते ही एक पुलिस पार्टी तुरंत गांव पहुंची और सेना को इसके बारे में सूचना दी गई। जब इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया तो आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया।

केंद्र की दलीलों पर भरोसा ना करने का कोई कारण नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कूनो में चीतों की मौत का मामले में सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने चीता प्रोजेक्ट केंद्र पर छोड़ दिया है।

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की दलीलों को मंजूर कर लिया है। साथ ही कहा कि केंद्र की दलीलों पर भरोसा ना करने का कोई कारण नहीं। केंद्र विशेषज्ञों की राय पर भी विचार करे। सुप्रीम कोर्ट ने चीतों को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई बंद की। कोर्ट ने कहा कि हमें केंद्र पर अविश्वास क्यों करना चाहिए? वे कहते हैं कि वे कदम उठा रहे हैं। वे विदेशी विशेषज्ञों से परामर्श कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये केंद्र का विशेषाधिकार है कि वो विशेषज्ञों की राय को शामिल करे या नहीं। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस प्रशांत मिश्रा की पीठ ने आदेश में कहा कि 11 एक्सपर्ट कमेटी काम कर रही है। इनमें चार विशेषज्ञ भी है।

देश की सीमाओं को किया जा रहा मजूबत : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भूटान और असम को जोड़ने वाले रेल लिंक पर चर्चा चल रही है। वहीं, उन्होंने म्यामांर के साथ जुड़ी सीमा को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं को मजूबत किया जा रहा है।

असम के लिए यह अच्छा कदम :

उन्होंने कहा कि हम भूटान और असम के बीच रेल मार्ग बनाने पर बातचीत कर रहे हैं। भूटान पर्यटकों के लिए और अधिक प्वाइंट खोलने के लिए बहुत उत्सुक है और यह असम के लिए बहुत अच्छा है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक भूटान-चीन वार्ता का सवाल है, वे बातचीत कर रहे हैं और 24 दौर पूरे हो चुके हैं।

अभी वे लोग और बातचीत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम उनकी वार्ता पर नजर रखे हुए हैं कि इसका हमारे ऊपर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

तटीय शिपिंग समझौता जरूरी :

विदेश मंत्री ने आगे कहा कि म्यांमार के साथ सीमा की स्थिति चुनौतीपूर्ण है। सिटवे बंदरगाह चालू है और हमें उम्मीद है कि इस साल तटीय शिपिंग समझौता संपन्न हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था की स्थिति के कारण म्यांमार त्रिपक्षीय राजमार्ग एक बड़ी चुनौती है। हम चुनौतियों से निपटने के लिए म्यांमार के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

जल्द होगी बैठक :

इस दौरान उन्होंने चीन के साथ बिगड़े रिश्तों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत-चीन सीमा वार्ता नहीं रुकी है। इस पर जल्द बैठक होगी। हमने पिछले तीन वर्षों में सीमा पर बने तनाव के मामले में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा कि साल 2014 के बाद, जब सीमा पर बुनियादी ढांचे पर बड़ा जोर दिया गया तो चीन की ओर से प्रतिस्पर्धा और गश्त बढ़ गई।

आंध्र प्रदेश में सीआईएसएफ कॉन्स्टेबल के हनी ट्रैप में फंसने का संदेह

मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया

विशाखापट्टनम, 7 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में सीआईएसएफ के एक कॉन्स्टेबल के पाकिस्तानी हनी-ट्रैप में फंसने का संदेह है। आरोपी का नाम कपिल कुमार है। वो विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में सुरक्षा विंग में तैनात है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसकी सोशल मीडिया पर तमीशा नाम की महिला से दोस्ती हो गई थी।

सीआईएसएफ के अधिकारियों को उसकी गतिविधियों पर संदेह होने पर उससे पूछताछ की गई। जिसके बाद उसका मोबाइल फोन जब्त कर उसे फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया। सीआईएसएफ ने आगे की जांच के लिए स्टील प्लांट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने उसके खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लिव-इन पार्टनर ने प्रेमिका को बेटियों समेत गोदावरी में फेंका

आधे घंटे पाइप से लटकी रही 13 साल की लड़की, फोन करके पुलिस को बुलाया

गुंटूर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्रप्रदेश के गुंटूर में एक शख्स ने अपनी लिव-इन पार्टनर से झगड़ा होने के बाद उसे और उसकी दो बेटियों को गोदावरी नदी में धक्का दे दिया।

इस घटना में महिला और उसकी एक साल की बेटी नदी में लापता हो गई, जबकि 13 साल की लड़की ने प्लास्टिक का पाइप पकड़कर अपनी जान बचाई। लड़की पाइप के सहारे आधे घंटे तक लटकी रही। उसने लटके-लटके ही डायल 100 को कॉल किया। इसके बाद पुलिस ने उसे बचाया और उसकी मां-छोटी बहन की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी सुरेश को अरेस्ट कर लिया है।

क्या था यह पूरा मामला...

पुप्पाला सुहासिनी नाम की महिला गुंटूर के ताडेपल्ली में रहती थी। पति से मतभेद के कारण वह उससे अलग हो गई थी। 36 साल की महिला अपनी बेटी कीर्तना (13) के साथ रह रही थी और मजदूरी करती थी। दो साल पहले वह सुरेश से मिली। दोनों साथ रहने लगे। सुहासिनी और सुरेश की भी एक बेटी जर्सी (1) है। कुछ दिन पहले सुहासिनी और सुरेश के बीच अनबन हुई थी और सुरेश ने सुहासिनी और बेटियों कीर्तना, जर्सी को खत्म करने का फैसला किया।

तीनों को मारने से पहले दिनभर घुमाया :

सुरेश ने तीनों को मारने की प्लानिंग की। शनिवार शाम वह उन्हें कई जगहों पर घुमाने ले गया। रविवार सुबह तक उनके साथ रहा। सुबह करीब 4 बजे सुरेश ने रावुलापालेम में गौतमी पुराने पुल पर कार रोकी। उसने तीनों को सेल्फी लेने के लिए मनाया और दीवार के सहारे खड़ा कर दिया।

इसके बाद उसने अचानक तीनों को नदी में धकेल दिया। सुहासिनी और जर्सी नदी में गिर गईं, लेकिन कीर्तना ने वहां लगा पाइप पकड़ लिया। पुलिस ने दो टीमों बनाकर सुरेश और सुहासिनी की तलाश शुरू की। मां-बेटी का पता नहीं चल सका है, जबकि सुरेश को अरेस्ट कर लिया गया है।

आजाद की डीपीएपी व आप के कई प्रमुख नेता कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के यशपाल कुंडल, गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के हाजी अब्दुल रशीद डार सहित जम्मू-कश्मीर के कई पूर्व मंत्री और विधायक सोमवार को पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर कांग्रेस में शामिल हो गए। पार्टी नेताओं ने यह जानकारी दी।जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख विकार रसूल वानी ने कहा कि हर दिन जम्मू-कश्मीर के हर जिले से लोग पार्टी में शामिल हो रहे हैं।

आम आदमी पार्टी और डीपीएपी के कई प्रमुख नेता और अन्य लोग कांग्रेस में शामिल हुए.इन नेताओं को खड़गे के आवास पर कांग्रेस में शामिल किया गया, जहां पार्टी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, जम्मू-कश्मीर प्रभारी रजनी पाटिल, जम्मू-कश्मीर इकाई प्रमुख वानी भी मौजूद थे। पार्टी नेताओं के मुताबिक सोमवार को 21 नेता कांग्रेस में शामिल हुए.नेता ने कहा कि पूर्व मंत्री और पैंथर पार्टी के दो बार विधायक रहे कुंडल, जो जम्मू-कश्मीर में आप पार्टी के एससी/एसटी और ओबीसी विभाग के प्रमुख थे, कांग्रेस में शामिल हो गए। कुंडल रविदास समुदाय से हैं और जम्मू-कश्मीर के सांबा इलाके के रहने वाले हैं। डीपीएपी के पूर्व महासचिव और दो बार कांग्रेस विधायक रहे डार भी कांग्रेस में शामिल हुए।आज़ाद की डीपीएपी की कार्य समिति के सदस्य नरेश के गुप्ता भी कांग्रेस में शामिल हुए। वह डीपीएपी जम्मू प्रांत के उपाध्यक्ष भी थे। गुप्ता दो बार के कांग्रेस एमएलसी और डोडा के पूर्व जिला अध्यक्ष हैं, जो आजाद का गृह जिला है।डीपीएपी के जम्मू प्रांत के महासचिव शाम लाल भगत और आज़ाद के डोडा जिले से कांग्रेस में शामिल हुए। वह पूर्व कांग्रेस एमएलसी (पीआरआई) हैं और एससी समुदाय से आते हैं।

अपनी पार्टी (अल्ताफ बुखारी) से इसकी पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नम्रता शर्मा भी कांग्रेस में शामिल हुईं। बडगाम जिले के चादुरा की डीडीसी सदस्य और आजाद की डीपीएपी की महिला विंग की पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष साइमा जान भी कांग्रेस में शामिल हुईं।उनके अलावा कांग्रेस में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख नेताओं में शाहजहां डार, डीडीसी सदस्य, डीपीएपी के पूर्व प्रमुख नेता, प्रोफेसर फारूक अहमद (आगा) पूर्व निदेशक, एसकेयूएएसटी, पूर्व राज्य अध्यक्ष, शिकायत और जिला अध्यक्ष, आप, तरणजीत सिंह टोनी, डीडीसी सदस्य शामिल हुए। सचेतगढ़ (पूर्व भाजपा मंत्री के खिलाफ जीते), राज्य के आप अल्पसंख्यक सेल के पूर्व अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस यूथ विंग, पूर्व अध्यक्ष, जम्मू छात्र संघ, गजनफर अली भी देश की सबसे पुरानी पार्टी में शामिल हो गए।

इनके अलावा, संतोष मजोत्रा, राज्य सचिव, डीपीएपी, पूर्व सचिव, जेकेपीसीसी (तीन बार), रजनी शर्मा, प्रांतीय सचिव, डीपीएपी, निर्मल सिंह मेहता, जोनल सचिव, डीपीएपी, मदन लाल चलोत्रा, राज्य समन्वयक, एपीएनआई पार्टी, हामित सिंह बत्ती जाट नेता (आप), रमेश पंडोत्रा, सेवानिवृत्त एसपी, एससी नेता आप, वैद राज शर्मा, आप के वरिष्ठ नेता, मनदीप चौधरी, जम्मू-कश्मीर युवा उपाध्यक्ष, आप, नजीर अहमद औकाब, अध्यक्ष, महेश्वर विश्वकर्मा और जंग बहादुर शर्मा, संयुक्त सचिव डीपीएपी कांग्रेस में शामिल हुए।गौरतलब है कि पांच दशकों से अधिक समय तक कांग्रेस से जुड़े रहने के बाद कांग्रेस छोड़ने के बाद गुलाम नबी आजाद ने पिछले साल सितंबर में डीपीएपी का गठन किया था।

तेज रफ्तार मर्सिडीज ने कई वाहनों को मारी टक्कर, 3 लोगों की मौत

गोवा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। गोवा में पोंडा तालुका में बनस्तारी पुल पर पणजी की ओर जाते समय एक तेज रफ्तार मर्सिडीज जीएलएस एसयूवी ने तीन कारों और दो दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद मर्सिडीज का ड्राइवर और अन्य लोग मौके से भाग गए। हालांकि, पुलिस के मुताबिक, मर्सिडीज में सवार लोगों को बाद में हिरासत में ले लिया गया। घायल लोगों को गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, मृतकों में एक पैदल यात्री भी शामिल है। टक्कर से दोपहिया वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मर्दोल पुलिस स्टेशन से जुड़े इंस्पेक्टर मोहन गौडे ने बताया, मर्सिडीज, जो पणजी की ओर जा रही थी, आने वाले वाहनों और दोपहिया वाहनों से टकराने के बाद गलत साइड में चली गई होगी।

राहुल गांधी की 'नकली मोहब्बत की दुकान' में चीनी सामान साफ देखा जा सकता है : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कांग्रेस, चीन और न्यूज़क्लिक एक गर्भनाल का हिस्सा हैं। राहुल गांधी की 'नकली मोहब्बत की दुकान' में चीनी सामान साफ देखा जा सकता है, चीन के प्रति उनका प्रेम देखा जा सकता है। वे भारत विरोधी एजेंडा चला रहे थे। अनुराग ने कहा 2021 में हमने न्यूज़क्लिक को बेनक़ाब किया कि कैसे विदेशी दुष्प्रचार भारत के ख़िलाफ़ है। इस भारत विरोधी अभियान में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल उनके समर्थन में आए... चीनी कंपनियां नेविल रॉय सिंघम के माध्यम से न्यूज़क्लिक को फंडिंग कर रही थीं लेकिन उनके सेल्समैन भारत के कुछ लोग थे, जो उनके खिलाफ कार्रवाई होने पर उनके समर्थन में आ गए।

लोक सभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आमने-सामने होंगे मोदी और राहुल

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सजा पर रोक लगाए जाने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सांसदी सोमवार को फिर से बहाल हो गई। इसके बाद यह माना जा रहा है कि राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा में शामिल हो सकते हैं। ज्यादा संभावना इस बात की है कि राहुल गांधी मंगलवार को ही विपक्ष की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत कर सकते हैं। हालांकि इस संबंध में अंतिम फैसला राहुल गांधी को ही करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब 10 अगस्त को दे सकते हैं। ऐसे में लोक सभा के पटल पर अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी आमने-सामने होंगे और एक दूसरे पर राजनीतिक हमला करते नजर आएंगे।दरअसल, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा 26 जुलाई को दिए गए नोटिस पर ही मोदी सरकार के खिलाफ यह अविश्वास प्रस्ताव आ रहा है, जिस पर सदन में चर्चा की शुरुआत 8 अगस्त, मंगलवार को होनी है।नियमों के अनुसार, चूंकि नोटिस कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की तरफ से दिया गया है इसलिए विपक्ष की तरफ से चर्चा की शुरुआत उन्हें ही करना है। लेकिन गौरव गोगोई अगर चाहें तो वह सदन में अपनी जगह बोलने के लिए राहुल गांधी का नाम प्रस्तावित कर सकते हैं।

आपको बता दें कि, लोक सभा सचिवालय ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का हवाला देते हुए सोमवार को एक अधिसूचना जारी कर केरल की वायनाड लोक सभा सीट से राहुल गांधी की संसद सदस्यता फिर से बहाल कर दी। गुजरात के सूरत की एक अदालत द्वारा राहुल गांधी को दो साल की सजा दिए जाने के बाद लोक सभा सचिवालय ने 24 मार्च 2023 को एक नोटिफिकेशन जारी कर 23 मार्च 2023 से उनकी लोक सभा की सदस्यता को रद्द कर दिया गया था। राहुल गांधी 2019 के लोक सभा चुनाव में केरल के वायनाड से सांसद चुने गए थे।संसद सदस्यता फिर से बहाल हो जाने के बाद अब राहुल गांधी बतौर सांसद सदन की कार्यवाही में शामिल हो सकते हैं।

सीपीआई (एम) बंगाल में 'इंडिया' गठबंधन फॉर्मूले से रहेगी दूर

कोलकाता, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सीपीआई (एम) के शीर्ष नेतृत्व ने स्वीकार किया है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया का समग्र फॉर्मूला किसी भी कीमत पर पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जा सकता है। पार्टी की केंद्रीय समिति ने भी माना है कि अलग कारण से केरल में भी भारत फॉर्मूले का प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं है।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी ने रविवार देर शाम संपन्न हुई पार्टी की तीन दिवसीय केंद्रीय समिति की बैठक के अंत में इन दोनों राज्यों में इंडिया का फॉर्मूला लागू करने की व्यावहारिक कठिनाइयों को स्वीकार किया। सूत्रों ने बताया कि येचुरी ने यह भी स्वीकार किया कि इन दोनों राज्यों में, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में, व्यावहारिक स्थिति पार्टी के लिए इंडिया फॉर्मूले के मूल सार को स्वीकार करने के लिए अनुकूल है।

पार्टी के महासचिव ने बंगाल ब्रिगेड के इस तर्क को भी स्वीकार कर लिया है कि पश्चिम बंगाल में पार्टी की अभियान लाइन सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के खिलाफ एक बड़े विपक्षी गठबंधन के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में अविश्वसनीय ताकत के रूप में पेश करना होगा। पश्चिम बंगाल से पार्टी की केंद्रीय समिति के एक सदस्य ने कहा, "केंद्रीय समिति ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में राज्य में समानांतर भाजपा और टीएमसी विरोधी मोर्चों को बनाए रखने के लिए बंगाल ब्रिगेड का भी समर्थन किया है।" इसी तरह, सूत्रों ने कहा, केरल में पार्टी समानांतर भाजपा विरोधी और कांग्रेस विरोधी मोर्चों को बनाए रखने का अपना फॉर्मूला अपनाएगी। पश्चिम बंगाल से केंद्रीय समिति के सदस्य ने कहा, "पार्टी की लाइन सरल है। न तो भाजपा पश्चिम बंगाल में निरंकुश तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ एक भरोसेमंद ताकत है न ही तृणमूल कांग्रेस, भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति का मुकाबला करने में एक भागीदार के रूप में विश्वसनीय है। इसलिए हमारी पार्टी दोनों ताकतों को समान प्रतिद्वंद्वी मानती रहेगी और इसी तर्ज पर 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए खुद को तैयार करेगी।"

सुप्रीम कोर्ट ने की तमिलनाडु मंत्री के कथित ऑडियो टेप लीक की जांच की मांग खारिज

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु के पूर्व वित्त मंत्री पी.टी.आर. त्यागराजन से जुड़े कथित ऑडियो टेप लीक मामले की जांच के लिए एक जांच आयोग के गठन की मांग करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने टिप्पणी की, यह बिल्कुल फर्जी याचिका व अफवाह है। पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि कथित ऑडियो में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के परिवार का जिक्र है, जिसके साक्ष्य का कोई मूल्य नहीं है और शीर्ष अदालत को राजनीतिक मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की याचिका खारिज करते हुए कहा, आपके पास कार्रवाई योग्य सामग्री क्या है? कुछ ऑडियो क्लिप के आधार पर आप चाहते हैं कि हम एक जांच आयोग बनाएं। इसे (अदालत) को राजनीतिक मंच के रूप में इस्तेमाल न करें।तमिलनाडु में राज्य के हाई प्रोफाइल वित्त मंत्री पी.टी.आर. त्यागराजन से उनका मंत्रालय छीन लिया गया और उन्हें एक लो-प्रोफ़ाइल आईटी पोर्टफोलियो दिया गया। यह कदम उस ऑडियो लीक से जुड़ा था जिसमें वक्ता - कथित तौर पर पीटीआर को यह कहते हुए सुना गया था कि स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन और उनके दामाद सबरीसन स्टालिन सरकार के सत्ता संभालने के बाद भारी पैसा कमा रहे थे।त्यागराजन ने इससे इनकार किया और कहा कि यह उनकी आवाज की नकल करने वाला एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता-निर्मित ऑडियो टेप है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी स्थिति बताई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा था कि राज्य के तत्कालीन वित्त मंत्री त्यागराजन से जुड़े कथित ऑडियो टेप लीक के पीछे घटिया राजनीति है।

डीएमके ने कहा था कि पार्टी ऑडियो टेप लीक मामले में भाजपा नेता के. अन्नामलाई के खिलाफ मामला दर्ज नहीं करेगी, उन्होंने कहा कि भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज करना त्यागराजन पर निर्भर है, क्योंकि यह उनके खिलाफ एक व्यक्तिगत आरोप है।

'पीएम को खुद बाहर से यहां लाना पड़ता है'

मेक इन इंडिया को लेकर केंद्र सरकार पर सीएम मान का निशाना

चंडीगढ़, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कार्यक्रम के दौरान भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पर बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी को तो खुद बाहर से यहां लाना पड़ता है। उन्हें खुद रिवर्स इमिग्रेशन की जरूरत है।

दरअसल, सीएम मान से पूछा गया कि क्या आप पीएम मोदी के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत का समर्थन करेंगे? इस पर उन्होंने कहा कि पीएम को तो खुद बाहर से यहां लाना पड़ता है। वह तो खुद बाहर ज्यादा रहते हैं, उन्हें रिवर्स इमिग्रेशन की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत को लेकर कहा कि देश पहले से ही आत्मनिर्भर था। वक्त के हिसाब से चीजें बदलने की जरूरत होती है। अब किसान सिर्फ खेती पर निर्भर नहीं रह सकता। हर क्षेत्र में पीढ़ी बदल गई है। सियासत, बॉलीवुड, उद्योग, खेल में पीढ़ी बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले दफ्तरों का टाइम साढ़े सात से दोपहर दो बजे तक कर दिया। थोड़े दिन बाबुओं को दिक्कत हुई। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताने को मिल रहा है। हमने इससे बिजली बचाई। यह 31 जुलाई तक की व्यवस्था थी। लोगों को ये सहूलियत हुई कि वे दफ्तरों में जाकर अपना जरूरी काम कराएं और फिर अपने काम पर चले जाएं।

भगवंत मान ने बेरोजगारी या नशे की दिक्कत के अलावा अमृतपाल जैसे मामले सामने आने जैसे आरोपों पर कहा कि हम तो डेढ़ साल से सत्ता में हैं। सारे गैंगस्टर डेढ़ साल में बन गए? जब भाजपा अकाली दल के साथ थी तो जेलों में गैंगस्टर को कौन पालता था। कांग्रेस से भी पूछिए। उन्होंने आगे कहा कि अब सियासी पनाह मिलना बंद हो गई है। अमृतपाल मामले में हम नाकाम कैसे हो गए? उसकी गतिविधियां कानून के मुताबिक नहीं थीं। उसके साथियों को हमने शांतिपूर्ण तरीके से पकड़कर जेल में डाल दिया था। इतना ही नहीं, मान ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नाकामी पूछना है तो हरियाणा वालों से पूछिए कि नूंह में क्या हो रहा है? मणिपुर में क्या हो रहा है? अगर कानून व्यवस्था यहां ठीक नहीं होती तो टाटा स्टील जैसी कंपनियां यहां नहीं आतीं। पंजाब में जमीन उर्वरक है, कुछ भी बोओगे, वह उग आएगा, लेकिन यहां नफरत का बीज नहीं फूटेगा। यहां 10 साल एके-47 भी चली है, लेकिन आज यहां शांति है।

उन्होंने कहा कि आनंदपुर साहिब हमारे तख्तों में से एक है। हमारे सिखों के पांच में से एक तख्त के नाम पर लोकसभा की सीट है। यहां से सांसद हैं मनीष तिवारी। इसमें किसी को आपत्ति नहीं है। फरीदकोट में 15 लाख में से 10 हजार मुस्लिम होंगे, वहां से मोहम्मद सादिक सांसद हैं। यह बताता है कि हम पंजाब में नाम नहीं देखते। उन्होंने कहा कि संसद में मैंने कहा था कि लंबे सफर को मीलों में मत बांटिए। भारत बहता दरिया है, इसे नदियों-झीलों में मत बांटिए। देश की आजादी के बाद दुश्मन की पहली गोली जब चलती है तो सामने पंजाब का सीना होता है।

कमलनाथ ने कहा, राहुल ने दिया एक ही मंत्र-डरो मत

भोपाल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय से मिली राहत के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता बहाल कर दी गई है। इससे मध्यप्रदेश में कांग्रेसी उत्साहित हैं और उनका कहना है कि राहुल गांधी ने हम सभी को एक ही मंत्र दिया है - डरो मत। राहुल गांधी की सदस्यता बहाल किए जाने के बाद मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा, ₹राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल करने के फैसले का मैं स्वागत करता हूँ। अब संसद में हमें फिर वह सिंह गर्जना सुनने को मिलेगी जो जनता को अभय और लोकतंत्र विरोधियों को भय देती है। राहुल गांधी का एक ही मंत्र हम सबको याद रखना है -- डरो मत।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राहुल गांधी की सदस्यता की बहाली पर कहा कि संसद में सड़क की आवाज फिर गूंजेगी। समस्त देशवासियों को बधाई।बघेल ने यह भी लिखा, ऐसी दिखती है, नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत,अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत, असत्य के खिलाफ सत्य की जीत, तानाशाही के खिलाफ लोकतंत्र की जीत, षड्यंत्रों के खिलाफ इंडियन की जीत।

रोचक खबरें

बिना किसी ट्रेनिंग के बना डाली इलेक्ट्रिक बाइक, सोशल मीडिया पर हो रहे चर्चे

कुछ नया करने और इनोवेटिव सोचने के लिए न तो उम्र बाधा बन सकती है, न ही आपकी कागजी शिक्षा. कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने भले डिग्रियां न हासिल की हों, लेकिन अपनी काबिलियत के दम कर कुछ ऐसा जरूर कर दिखाया है, जिसकी सारी दुनिया तारीफ करती है. ऐसे ही एक शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिनकी इनोवेटिव सोच ने कईयों को इंस्पायर किया है.

इंस्टाग्राम पर विरल भियानी के अकाउंट से शेयर हुए इस वीडियो में नजर आ रहे नटुभाई, यूं तो सातवीं पास हैं, लेकिन काम किसी इंजीनियर से कम नहीं है. इस अजीबोगरीब इलेक्ट्रिक रिंग वाली बाइक को खुद उन्होंने ही बनाया है. सूरत के मजूरा इलाक में रहने वाले नटुभाई ने बिना किसी ट्रेनिंग या कोर्स के कार रिपेयरिंग का काम शुरू किया. इस काम को करते हुए उन्होंने ने एक अनोखी रिंग बाइक तैयार की. इसके साथ उन्होंने बाइक के ढांचे को जोड़ा और बड़ी सी रिंग वाली इलेक्ट्रिक से चलने वाली बाइक तैयार की.

यूनिक रिंग बाइक डिजाइन को यूनिक तरीके से डिजाइन किया गया है. 65 साल के नटुभाई 42 साल से कार रिपेयरिंग का काम कर रहे हैं. इस बाइक का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है. वीडियो पर करीब एक लाख लाइक्स आए हैं और लोग कमेंट करते हुए नटुभाई की तारीफ करते नहीं थक रहे. एक यूजर ने लिखा, 'कमाल की क्रिएटिविटी है.' वहीं दूसरे ने लिखा, 'कमाल का इनोवेशन है, गुड जॉब काका.' वहीं कुछ लोगों ने कहा कि, 'कीचड़ या पानी में इसे चलाना मुश्किल होगा, क्योंकि रिंग ऊपर की तरफ से जा रही है.'

भारत की वो रहस्यमय घाटी, जिसका संबंध दूसरे लोक से कहा जाता है

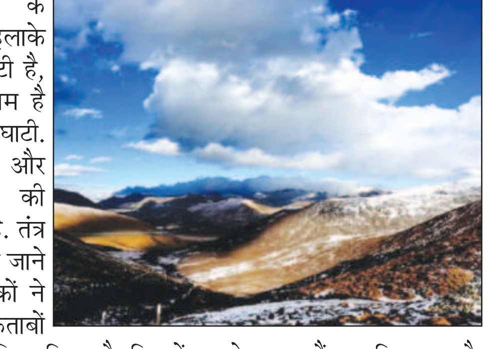

भारत के सीमावर्ती इलाके में एक घाटी है, जिसका नाम है शांगरी-ला घाटी. ये तिब्बत और अरुणाचल की सीमा पर है. तंत्र मंत्र के कई जाने माने साधकों ने अपनी किताबों में इसका जिक्र किया है. जिसमें सबसे प्रमुख हैं पद्म विभूषण और साहित्य अकादमी से नवाजे गए और गर्वनमेंट संस्कृत कॉलेज वाराणसी के प्राचार्य रहे डॉ. गोपीनाथ कविराज. उन्होंने अपनी किताब में इस जगह का जिक्र किया है. तिब्बती साधक भी इसके बारे में कहते रहे हैं. इस घाटी को उस बरमूडा ट्राएंगल की तरह ही दुनिया की सबसे रहस्यपूर्ण जगह माना जाता है. कहा जाता है कि यहां भू-हीनता का प्रभाव रहता है. ये भी कहा जाता है कि इस घाटी का सीधा संबंध दूसरे लोक से है.

जाने माने तंत्र साहित्य लेखक और विद्वान अरुण कुमार शर्मा ने भी अपनी किताब "तिब्बत की वह रहस्यमय घाटी" में इस जगह का विस्तार से जिक्र किया है. बकौल उनके दुनिया में कुछ ऐसी जगहें हैं जो भू-हीनता और वायु-शून्यता वाली हैं, ये जगहें वायुमंडल के चौथे आयाम से प्रभावित होती हैं. माना जाता है इन जगहों पर जाकर वस्तु या व्यक्ति का अस्तित्व दुनिया से गायब हो जाता है. ऐसी ही जगहों के रूप में इस शांगरी ला घाटी का भी नाम आता है.

बरमूडा ट्रांएगल जैसी जगह

शांगरी-ला घाटी को बरमूडा ट्राएंगल की तरह बताया जाता है. बरमूडा ट्राएंगल ऐसी जगह है, जहां से गुजरने वाले पानी के जहाज और हवाई जहाज़ गायब हो जाते हैं. वह स्थान भी भू हीनता के क्षेत्र में आता है. कहा जाता है कि चीन की सेना ने कई बार इस जगह को तलाशने की भी कोशिश की लेकिन उसको कुछ नहीं मिला. तिब्बती विद्वान युत्सुंग के अनुसार इस घाटी का संबंध अंतरिक्ष के किसी लोक से है. तिब्बती किताबों में भी इसका जिक्र मिलता है.

बुजुर्ग महिला कुमुदनी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

68 वर्ष की उम्र में की एलएलबी, बनीं अधिवक्ता

यूपी के हरदोई में रहने वाली एक 70 वर्षीय महिला ने कुछ ऐसा कर दिखाया कि वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया. हरदोई की कुमुदनी ने 68 वर्ष की उम्र में एलएलबी की पढाई करने के बाद ऑल इंडिया बार एसोसिएशन का पहले ही अटेम्प्ट में परीक्षा पास कर विश्व की सबसे उम्र दराज महिला अधिवक्ता बन गईं हैं. हरदोई के आवास विकास कालोनी की रहने वाली 70 वर्षीय कुमुदनी देवी बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत थीं और प्रधानाध्यापिका के पद से रिटायर हुईं हैं. रिटायर होने के बाद उन्होंने एलएलबी करने के लिए लॉ कॉलेज में एडमिशन ले लिया, जिसकी परीक्षा में वह अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण भी हुईं. एलएलबी कंप्लीट करने के बाद उन्होंने ऑल इंडिया बार एसोशिएसन की पहले ही अटेम्प्ट में परीक्षा भी पास कर ली और सबसे ज्यादा उम्र में एलएलबी करने और अधिवक्ता बनने वाली महिला बन गईं. कुमुदनी देवी ने 68 वर्ष की उम्र में एलएलबी व पहले अटेम्प्ट में ऑल इंडिया बार एशोसिएशन की परीक्षा पास करने के बाद वर्ल्ड्स ग्रेटेस्ट रिकॉर्ड सर्टिफिकेट से नवाजा गया था. कुमुदनी देवी बताती हैं कि जैसे ही वह नौकरी से रिटायर हुईं थी. उसके बाद से ही उन्होंने लॉ कॉलेज में एडमिशन लेकर एलएलबी की पढ़ाई शुरू कर दी थी. एलएलबी कंप्लीट होने के बाद भी वह ना रुकी और जिस तरह से उनकी उम्र बढ़ रही है, उसी तरह वह आगे की डिग्रियाँ भी बढ़ा रही हैं. अब वह एलएलएम की पढ़ाई कर रहीं हैं. इसे कंप्लीट करने के बाद वह पीएचडी करने की भी बात कह रही हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 8 अगस्त, 2023 3

सुविचार: मौन, क्रोध की सर्वोत्तम चिकित्सा है।

त्रुटि रहित मतदाता सूची अवश्य तैयार करें : आयुक्त

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी व जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि आरओ, ईआरओ और बीएलओ को त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार करने के लिए कदम उठाने चाहिए। आयुक्त ने सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, आरओ और ईआरओ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक में संयुक्त सीईओ सरफराज अहमद शामिल हुए। इस मौके पर हैदराबाद के जिला चुनाव अधिकारी ने कहा कि बीएलओ, ईआरओ और आरओ को शहर भर में एक पारदर्शी मतदाता सूची बनाने के लिए कदम उठाना चाहिए ताकि हैदराबाद जिले में मतदान 100 प्रतिशत बढ़ सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में परिवर्तन एवं परिवर्धन पर निर्वाचन क्षेत्रवार बीएलओ रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के सहयोग से कार्रवाई करें। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि प्रपत्र-6, प्रपत्र-7 एवं प्रपत्र-8 के माध्यम से मतदाता सूची में नये मतदाता पंजीकरण, मृत्यु एवं स्थानांतरण के उपाय करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा, इसके लिए प्रत्येक कॉलोनी और गेटेड समुदाय में वोट पंजीकरण के लिए एक विशेष दिन आरक्षित किया जाएगा और बीएलओ उन कॉलोनियों में सीधे ऑनलाइन पंजीकरण करेंगे और आवेदकों को संबंधित रसीद और संदर्भ प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए मोबाइल और आधार नंबर लिंक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्रवार मकान नम्बर का प्रारूप प्रकाशित किया जायेगा। मतदाता अपनी शंकाओं का समाधान वोटर हेल्प लाइन, सीईओ वेबसाइट, चुनाव आयोग के टोल फ्री नंबर 1950 के माध्यम से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अंतिम मतदाता सूची प्रत्येक मतदान केंद्र, बीएलओ और वार्ड कार्यालय में उपलब्ध कराई जाएगी। मतदान के दिन मतदाता का नाम मतदाता सूची में होना चाहिए और उसके पास भारत सरकार द्वारा निर्धारित 12 पहचान पत्रों में से एक होना चाहिए। मतदाता अपना मतदाता पहचान पत्र सीधे ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं। अधिकारियों को भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और प्रार्थना स्थलों पर विशेष रूप से जागरूकता कार्यक्रम चलाने के साथ-साथ अभियान चलाने की सलाह दी गई ताकि मतदाता सूची में कोई गलती न हो। ज्वाइंट सीईओ सरफराज ने कहा कि मतदान केंद्रवार मतदाता सूची तैयार कर मतदाताओं को दी जाए। बताया जाता है कि मतदाता सूची में आमतौर पर होने वाली सात त्रुटियों को विशेष अभियान चलाकर दुरुस्त करने का उपाय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस मतदान केन्द्र पर मतदाता निवास करता है, उसके अन्दर मतदाता के वोट में सुधार, लिंग, पता में परिवर्तन, परिवर्तन एवं परिवर्धन के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। ईआरओ को रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों के माध्यम से एक निश्चित तिथि और समय पर शहर भर की कॉलोनियों और गेटेड समुदायों में मतदाता पंजीकरण के लिए उपाय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए बैनर, मोबाइल वैन और स्वच्छ ऑटो के माध्यम से बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। बैठक में छावनी आरओ, चुनाव अधिकारी शंकरैया, संयुक्त आयुक्त मंगतयारू, आरओ, ईआरओ, चुनाव कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

आत्महत्या के प्रयास के बाद युवक की हालत गंभीर

वारंगल, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को कथित आत्महत्या के प्रयास के बाद महबूबाबाद जिले के गुडुर गांव के एक युवक की हालत गंभीर है। यह घटना उसके प्रेमी द्वारा उसके घर के बाहर विरोध प्रदर्शन के बाद हुई। पीड़ित की पहचान करसाबोइना कार्तिक के रूप में हुई है, जो एक महिला के साथ लंबे समय से रिश्ते में था। दलित पृष्ठभूमि के कारण कार्तिक द्वारा उससे शादी करने से इनकार करने के कारण कथित तौर पर रिश्ते में तनाव आ गया था। महिला ने रविवार को कार्तिक के घर के सामने धरना दिया, जिसे गांव के बुजुर्गों द्वारा मध्यस्थता करने और सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के बाद उन्होंने धरना समाप्त कर दिया। हालांकि, कार्तिक ने कथित तौर पर रविवार रात वारंगल जिले के नरसंपेट शहर में बड़ी संख्या में गोलियां खा लीं। वह बेहोश पाया गया और उसे तुरंत वारंगल के एक अस्पताल ले जाया गया। नरसमपेट एसीपी तिरुमल ने कहा कि कार्तिक को वारंगल में स्थानांतरित करने से पहले स्थानीय सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया था।

टीएसआरटीसी एमडी ने नई इलेक्ट्रिक एसी बस का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यात्रियों के लिए इको-फ्रेंडली इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध होने जा रही हैं। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने ग्रेटर हैदराबाद में 1300 इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने का फैसला किया है। ये बसें पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण की रोकथाम के साथ-साथ लोगों को बेहतर और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी। संगठन जल्द ही 25 इलेक्ट्रिक एसी बसों को प्रयोग में लाने की तैयारी कर रहा है। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने सोमवार को हैदराबाद के बस भवन परिसर में नई प्रोटो (सैंपल) इलेक्ट्रिक एसी बस का निरीक्षण किया। अधिकारियों से बस में यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और इस मौके पर कई सुझाव दिये गयेष अधिकारियों को यथाशीघ्र बसें उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। बस निर्माण कंपनी जल्द ही हैदराबाद में पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराएगी। 550 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर दिया है। विजयवाड़ा मार्ग पर पहले से ही 10 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं। पहले चरण में हैदराबाद में 50 इलेक्ट्रिक एसी बसें आने वाली हैं। उनमें से 20 शमशाबाद हवाई अड्डे के मार्ग पर चलती हैं। अन्य 30 आईटी कॉरिडोर में चलेंगी। इसका प्रबंधन टीएसआरटीसी जल्द ही 25 बसें शुरू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी आने वाले दिनों में हैदराबाद में सभी इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना बना रही है। इस वित्तीय वर्ष में शहर में 500 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें से 50 एसी बसें हैं, बाकी साधारण और मेट्रो एक्सप्रेस बसें हैं। इस अवसर पर मुख्य परिचालन अधिकारी (सीवीओ) डॉ. वी. रविंदर, कार्यकारी निदेशक मुनिशेखर, वेंकटेश्वरलू, कृष्णकांत, सीएमई रघुनाथ राव, सीओआईटी राजशेखर, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के उपाध्यक्ष (बिक्री और विपणन) वेणुगोपाल राव, प्रबंधक आनंद बसोली, सहायक प्रबंधक यतीश कुमार और अन्य भाग लिया। गौरतलब है कि इलेक्ट्रिक एसी बस में कई विशेषाएं है। 12 मीटर लंबी ये इलेक्ट्रिक एसी बसें हाईटेक फीचर्स के साथ उपलब्ध हैं। यात्रियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने के लिए इन बसों में सभी सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। 35 सीटर इन बसों में मोबाइल चार्जिंग सुविधा और सीट बेल्ट की सुविधा है। प्रत्येक बस में तीन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। उनके पास एक महीने का रिकॉर्डिंग बैकअप है। बस को रिवर्स करने में सक्षम बनाने के लिए एक रिवर्स पार्किंग सहायता कैमरा भी है। गंतव्य की जानकारी के लिए बस में चार एलईडी बोर्ड लगाए गए हैं। आग की दुर्घटनाओं का शीघ्र पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए बसों में फायर डिटेक्शन सप्रेशन सिस्टम (एफडीएसएस) लगाया गया है। ये बसें एक बार चार्ज करने पर 225 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकती हैं। फुल चार्जिंग में 2 से 3 घंटे का समय लगता है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए हर सीट पर व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम के साथ पैनिक बटन दिया गया है।

श्रीमद्भागवत कथा के आयोजकों का सम्मान

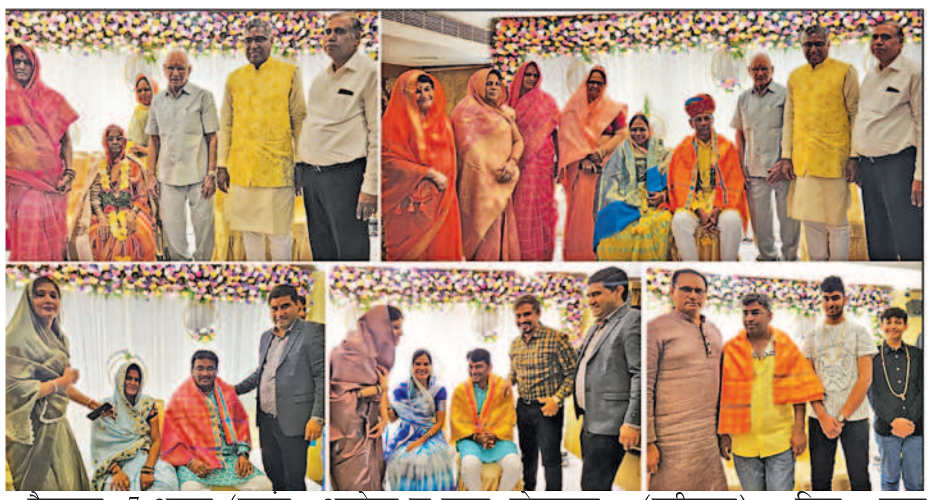

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुरुषोत्तम मास में गोशामहल पुलिस ग्राउण्ड में भाग्यनगर में पहली बार गौरी गोपाल आश्रम, वृंदावन के प.पू. श्री अनिरुद्धाचार्यजी महाराज के मुखार्विंद से आयोजित किये गये श्रीमद्भागवत कथा के आयोजक पुरुषोत्तम राजकुमारी मिश्र को श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन पर प्रह्लाद, सोहनलाल, सुरेशचंद दायमा (पलोड़) परिवार द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान की इस कड़ी में सुरेशकुमार सिंघल, ओमप्रकाश दायमा (निजामाबाद), हरिनारायण व्यास, मुरलीधर दायमा, श्रवणकुमार दाधीच, ओमप्रकाश इटोदिया, वेदप्रकाश इटोदिया, विजयकुमार दायमा, गोविंद व्यास (करीमनगर), विष्णु व्यास यादगिर, गोपाल डोबा, सुरेश गांधी, रुपेश काकड़ा, गोविंद तिवाड़ी, सुरेशचंद्र कंठ तिवाड़ी, अमित दायमा, श्यामसुंदर करेशिया, मनमोहन बरमोटा, रामदेव बरमोटा, बजरंगलाल शर्मा, चेतन इटोदिया, रामेश्वर इटोदिया, दशरथ इटोदिया व अन्य ने माला पहनाकर सम्मान किया।

आईएएस अधिकारी ने पत्नी और ससुराल वालों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी संदीप कुमार झा ने बंजारा हिल्स पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी और ससुराल वाले उन्हें परेशान कर रहे हैं और उन पर झूठे मामले थोपने की धमकी दे रहे हैं। वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी पत्नी पल्लवी झा, ससुर और साला छोटी-छोटी बातों पर उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान कर रहे है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि वे उनके खिलाफ घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के फर्जी मामले थोपने की धमकी दे रहे है और उन पर अपनी संपत्ति अपनी पत्नी के नाम पर स्थानांतरित करने के लिए दबाव डाल रहे है। शिकायत के आधार पर बंजारा हिल्स पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी है। संदीप कुमार झा वर्तमान में तेलंगाना आईटी विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर तैनात हैं। उन्होंने कहा कि 2021 में छत्तीसगढ़ के कोरबा में पल्लवी झा से शादी की। हालांकि यह जोड़ा शुरू में खुश लग रहा था, लेकिन अंततः उनके बीच मतभेद आ गए। नतीजतन, पल्लवी ने संदीप पर घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया। इस संबंध में छत्तीसगढ़ के कोरबा पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए पल्लवी ने इस साल जून में एक स्थानीय अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिसने दलीलें सुनने के बाद पुलिस को आईएएस अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। यह मामला अभी चल ही रहा था कि अब हैदराबाद पुलिस ने संदीप की पत्नी और ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

सीवी आनंद समेत दो अन्य की डीजीपी पद पर पदोन्नति

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने सोमवार को हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद सहित तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया। पदोन्नत अधिकारियों को उसी पदस्थापना पर बरकरार रखा गया है। मुख्य सचिव तेलंगाना द्वारा पारित एक आदेश में तीन आईपीएस अधिकारियों सीवी आनंद (1991, राजीव रतन (1991) और डॉ. जितेंद्र (1992) बैच को सुपर टाइम स्केल (ii), वेतन मैट्रिक्स में लेवल 16 से ऊपर पदोन्नत किया गया है। आनंद अतिरिक्त महानिदेशक, टीएस एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो के पद के लिए पूर्ण अतिरिक्त प्रभार संभालते रहेंगे। राजीव रतन को प्रबंध निदेशक, तेलंगाना राज्य पुलिस आवास निगम, हैदराबाद के पद पर डीजीपी के पद पर बरकरार रखा गया है और जितेंद्र को डीजीपी के पद पर तेलंगाना सचिवालय में गृह विभाग के प्रधान सचिव के पद पर बरकरार रखा गया है और वे महानिदेशक, कारागार एवं सुधार सेवा, विशेष सुरक्षा बल के पदों के लिए अतिरिक्त प्रभार भी संभालते रहेंगे।

एससी ने विधायक वनामा की विधानसभा अयोग्यता पर रोक लगा दी

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव, जिन्हें तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अपने हालिया आदेशों के माध्यम से राज्य विधानसभा से अयोग्य घोषित कर दिया है, को सुप्रीम कोर्ट में बहुत जरूरी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। इसने मामले में प्रतिवादियों को नोटिस भी जारी किया और उन्हें 15 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। बाद में सुप्रीमकोर्ट ने मामले की सुनवाई चार हफ्ते के लिए स्थगित कर दी. राज्य उच्च न्यायालय ने 25 जुलाई को कोत्तागुडेम विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में वनामा का चुनाव रद्द करते हुए अपना फैसला सुनाया था। चुनाव आयोग के समक्ष झूठा हलफनामा दाखिल करने के लिए उन पर 5 लाख का जुर्माना भी लगाया गया। इसने वनामा को निर्वाचन क्षेत्र से अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी जलागम वेंकट राव को चुनाव खर्च का भुगतान करने के लिए भी कहा, जिन्हें वनामा की अयोग्यता के बाद निर्वाचन क्षेत्र से विजेता घोषित किया गया था। एचसी ने कहा कि वनामा 12 दिसंबर, 2018 से विधायक बने रहेंगे। वनामा, जो कोठागुडेम विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में जीते थे, बाद में सत्तारूढ़ बीआरएस में शामिल हो गए।

आईआईटी हैदराबाद और काठमांडू विश्वविद्यालय ने शुरू किया संयुक्त डॉक्टरेट कार्यक्रम

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में, आईआईटी हैदराबाद (आईआईटीएच) और काठमांडू विश्वविद्यालय (केयू) अनुसंधान के सभी क्षेत्रों में पीएचडी स्तर पर संयुक्त डॉक्टरेट कार्यक्रम (जेडीपी) की पेशकश करने पर सहमत हुए। केयू में आईआईटीएच प्रतिनिधिमंडल की हालिया यात्रा के दौरान दोनों संस्थानों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए कई और निर्णय लिए गए। इस जेडीपी कार्यक्रम के तहत, भारत और नेपाल के प्रतिभाशाली और प्रेरित छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और डिजाइन और चिकित्सा नवाचारों के अग्रणी क्षेत्रों पर काम करने का अवसर मिलेगा। केयू में जेडीपी में प्रवेश पाने वाले छात्रों को आईआईटीएच में रहने के दौरान आईआईटीएच छात्रवृत्ति द्वारा समर्थित आईआईटीएच में एक वर्ष तक बिताने का अवसर मिलेगा। इस एसोसिएशन का उद्देश्य सामान्य हित और पूरक क्षमताओं के क्षेत्रों में सफल शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग विकसित करना है। यह उत्कृष्ट अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दोनों संस्थानों में तालमेल का उपयोग करना चाहता है। इसके अलावा, आईआईटीएच स्नातक छात्रों के बीच बहुत जरूरी अनुसंधान अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से अगस्त 2023 चक्र से अंतिम वर्ष (चौथे वर्ष) में केयू के 10 बीटेक छात्रों की मेजबानी करेगा।

आईआईटीएच लघु शोध इंटर्नशिप के लिए केयू के स्नातक छात्रों की मेजबानी करने पर भी सहमत हुआ। आपसी शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए, दोनों संस्थान दोनों देशों के लिए आम बड़ी चुनौतियों पर सहयोगात्मक रूप से काम करने के लिए अपने संकाय का आदान-प्रदान करने पर भी सहमत हुए। दोनों संस्थान विशेष रूप से चिकित्सा प्रौद्योगिकी, योग और विरासत विज्ञान के क्षेत्र में अपने चल रहे सहयोग को और बढ़ावा देने पर सहमत हुए। आईआईटीएच और केयू द्वारा जेडीपी पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, केयू के कुलपति प्रोफेसर भोला थापा ने कहा, संकाय आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय इंटर्नशिप को बढ़ावा देने के लिए केयू और आईआईटीएच दोनों संस्थानों के लिए संयुक्त रूप से काम करने के बहुत सारे अवसर हैं।

नशे में धुत युवक ने महिला को निर्वस्त्र किया

मदद के लिए आगे आई दूसरी महिला भिड़ी आरोपी से

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक परेशान करने वाली घटना में, रविवार रात जवाहरनगर में नशे में धुत एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक महिला को निर्वस्त्र कर दिया और बीच-बचाव करने और उसे रोकने की कोशिश करने वाली दूसरी महिला पर हमला किया। आरोपी की पहचान पेद्दामरैया (30) के रूप में हुई है। वह जवाहरनगर का रहने वाला एक दिहाड़ी मजदूर है। पुलिस के अनुसार, शराब की लत के लिए मशहूर पेद्दामरैया अपनी मां के साथ रविवार रात करीब 9 बजे बालाजीनगर बस स्टॉप से घर जा रहा था। उसी समय, 28 वर्षीय महिला, पास की दुकान से अपने घर लौट रही थी। पेद्दामरैया उस युवती के पास आया और उसे गलत तरीके से छुआ। महिला पेद्दामरैया से भिड़ गई और उसे धक्का दे दिया। गुस्से में आकर उसने सबके सामने उसके कपड़े उतार दिए और गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। एक अन्य महिला ने आरोपी को महिला के साथ गलत हरकत करते हुए देखा तो मदद के लिए आगे आई।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 113वां नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर संपन्न

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा यूथ एसोसिएशन हैदरगुड़ा के सहयोग से 113 वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप अत्तापुर पिलर नंबर 145 स्थित सरकारी हाई स्कूल (नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के सामने) में आयोजित किया।

आज यहां सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल शिविर में बेगमपेट स्थित मेडिकवर अस्पताल द्वारा सामान्य परीक्षण , स्त्री रोग, अस्थि रोग, हृदय रोग, ईसीजी -2डी इको-बीएमडी, आरबीएस-रक्तचाप जांच की गई। अवसर पर अस्पताल के डॉ.राजेश शुक्ला, डॉ. श्रुति, डॉ.दीपक शाह, डॉ.वेंकटरमना व नर्सिंग स्टाफ ने सेवा दी।

ईएनटी की जांच ईएनटी सर्जन डॉ.अविनाश द्वारा की गई। अवसर परएलसीएस डडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली द्वारा नेत्रों की जांच की गई और 200 लोगों को चश्मे का वितरण किया गया और 9 योग्य को मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। डॉ.वेंकटेश्वरलू, डॉ.अली, प्रबंधक श्रीनिवास, शेख अब्दुल ने सहयोग दिया।अवसर पर दांतों की जांच इवोक डेंटल केयर के डॉ. मनीता सेठ द्वारा की गई जबकि फिजियोथेरेपी की सेवा डॉक्टर मीता बजाजद्वारा की गई। अवसर पर शिविर के संयोजक व अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, अग्रवाल सेवा दल के रतन गुप्ता, कैलाश केडिया, सुरेन्द्र गोयल, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, स्थानीय पार्टनर यूथ एसोसिएशन हैदरगुडा के वर्धराज रेड्डी, एस. वेंकटेश, एस महेंद्र, मनीष अग्रवाल, स्वयंसेवी नम्रता केडिया, बबीता गर्ग, सुनैना नरसरिया, नीरज अग्रवाल, अग्र महिला मंच दीपा गर्ग, अंजू गोयल, वंदना, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अरुण डाकोतिया, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्य ने अपना सहयोग प्रदान किया।

न्यू बोईगुड़ा, सिकंदराबाद स्थित श्री दांडू मारेम्मा मंदिर में भाग्यनगर बोनालू उत्सव समिति अध्यक्ष डॉ. भगवंत राव, समिति के सदस्य राहुल, करोडीमल नरसिंगपुरिया, नरेंद्र गोयल, जसमत पटेल, अधिवक्ता शशिधर, देवारा द्वारा पट्टू वस्त्र समर्पण किया गया। कार्यक्रम में समिति के सदस्यों लंका वेंकटेश, लंका रूपेश श्रीनिवास, ताराचंद, विजय शर्मा, भावेश पटेल, रमना यादव, प्रवीण यादव, (टोयोटा सिनु) राकेश का सम्मान किया गया।

CLASSIFIEDS

LOSS OF PASSPORT

I, Sophia Kumar D/o. Sangeet Kumar, R/o. F.No.105, Kubera Tower, Trimulgherry, Sec'bad, T.S. While I Am Cleaning My House I Lost My Passport No. T9317195. If Found Plz. Cont: 9014615525.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

विधानसभा में मणिपुर हिंसा पर अखिलेश का तंज

कहा-जानते हैं आपकी मजबूरी है, आप नहीं बोलेंगे; सपा एमएलसी टमाटर की माला पहनकर पहुंचे

लखनऊ,7 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र के पहला दिन जोरदार हंगामा हुआ। सपा और रालोद के विधायक नारेबाजी करते हुए सदन की वेल में आ गए थे। महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे वो हंगामा कर रहे थे। साथ ही, विपक्ष मणिपुर की घटना पर निंदा प्रस्ताव लाना चाहता था।

स्पीकर सतीश महाना ने पहले 30 मिनट के लिए सत्र कार्रवाई को रोका। मगर फिर, उन्होंने मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्रवाई को स्थगित कर दिया।

सदन में चर्चा के दौरान अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर तंज किया। यूपी विधानसभा में अखिलेश ने मणिपुर का मुद्दा उठाते हुए सीएम योगी से कहा, 'जानते हैं आपकी मजबूरी'। अखिलेश ने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बोलना चाहिए। इस पर विधानसभा स्पीकर सतीश महाना ने उन्हें नियमावली देखने को कहा। अखिलेश ने कहा कि दुनिया में कोई ऐसी जगह नहीं बची, जहां पर मणिपुर की घटना की निंदा न हुई हो।

उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे देश में राष्ट्रपति के ऑफिस ने निंदा की है। यूरोप के तमाम देशों ने निंदा की। इंग्लैंड ने निंदा की। क्या हम अपेक्षा नहीं कर सकते कि नेता सदन इस पर कुछ बोलें। इस पर स्पीकर ने कहा कि वो जहां बोलना होगा बोलेंगे। अखिलेश ने कहा कि हम जानते हैं कि भाजपा के मुख्यमंत्री के रूप में आपकी बहुत मजबुरियां हैं। लेकिन हम एक सच्चे योगी के रूप में आपसे बोलने की अपेक्षा करते हैं।

सत्र शुरू होने से पहले सपा और रालोद के विधायक गले में टमाटर-लहसुन की माला पहनकर साइकिल पर विधानसभा पहुंचे थे। सरकार के खिलाफ स्लोगन लिखी तख्तियां उनके हाथ में थीं। विधानसभा की सीढ़ियों पर बैठकर सपा विधायक डीजल-पेट्रोल महंगा होने, ओबीसी-एससी-एसटी आरक्षण, महिला अपराध के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।

सत्र में सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना समेत सत्ता और विपक्ष से जुड़े विधायक सुबह 11 बजे पहुंचे थे। स्पीकर सतीश महाना के पटल पर आते ही सदन के अंदर हंगामा शुरू हो गया।

'असल हिंदू' पर अखिलेश और ओवैसी

ओवैसी ने कहा-भैया को हिंदुत्व बचाना है, गलती उनकी नहीं; सपा प्रमुख का पलटवार-सच सबको पता है

लखनऊ,7 अगस्त (एजेंसियां)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 'असली हिंदू' बयान पर ओवैसी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए। ओवैसी ने कहा,पिछले विधानसभा चुनाव में अखिलेश की पार्टी सपा को एकतरफा मुस्लिम वोट मिला। भाजपा पूरे देश में मुसलमान को निशाना बना रही है। अखिलेश कह रहे हैं कि असली हिंदुत्व को बचाना है। आप संविधान को नहीं बचाएंगे। आप धर्मनिरपेक्षता को नहीं बचाएंगे। वहीं, सोमवार को विधानसभा पहुंचे अखिलेश ने ओवैसी के इस बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, सबको पता है प्रदेश में और देश में की सपा किसके लिए क्या काम कर रही है? अचानक ओवैसी के इस बयान से उत्तर प्रदेश समेत देश के मुसलमान वोटर्स को लेकर सियासत गर्म हो गई है। ओवैसी के इस बयान से यूपी की सियासत पर क्या असर पड़ेगा। मुसलमान वोट बैंक का आंकड़ा क्या कहता है? तीन पॉइंट में ओवैसी के बयान के मायने पढ़िए? 5 अगस्त को लखनऊ में जनेश्वर मिश्र की जयंती पर अखिलेश यादव श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे थे। ज्ञानवापी पर सवाल पूछने पर अखिलेश बोले, हमारी तहजीब गंगा जमुनी है। बीजेपी के लोग बंटवारा कर रहे हैं। सच्चे हिंदू लोगों को आगे आना होगा। समाज को बचाने के लिए असली हिंदू लोगों को आगे आना पड़ेगा। ओवैसी ने ट्वीट करके अखिलेश यादव पर सवाल उठाए हैं। जिस अंदाज में ओवैसी ने अखिलेश को तंज कसते हुए लिखा। उसमें साफ संदेश दिया कि बीजेपी की सरकार मुसलमानों को हिंसा और नाइंसाफी का निशाना बना रही है। ओवैसी ने अखिलेश पर तंज करते हुए लिखा कि उन्हें सांड़ समाचार से फुरसत मिल नहीं रही। ओवैसी ने यह भी कहा कि गलती भैया कि नहीं, गलती तो उन बिचौलियों की है, जिन्होंने डरे हुए मुसलमानों को गुमराह किया है।

ओवैसी ने मुसलमानों को साफ संदेश दिया कि उनका वोट समाजवादी पार्टी को किया जाएगा तो वह गुमराह कहलाएंगे। फिलहाल, ओवैसी ने यह भी लिखा 'एक आजाद सियासी आवाज के सिवा हमारा कोई और विकल्प नहीं है।' मुसलमान एकतरफा रिकॉर्ड तोड़ सपा को वोट न करें। राजनीतिक जानकार यह भी कहते हैं कि ओवैसी ने जिस अंदाज में मुसलमानों को गुमराह न होने की सलाह दी है। उससे तो साफ है वह वोट में बिखराव कर सपा का खेल बिगाड़ना चाहते हैं।

ओवैसी ने साफ किया कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बसपा, कांग्रेस ही मुसलमानों के वोट बैंक के दावेदार नहीं हैं। उनकी पार्टी ओवैसी भी दावेदार है। राजनीतिक जानकार करते हैं कि अगर मुसलमानों के वोट बैंक में बिखराव हुआ तो इसका सीधा फायदा भाजपा को होता है। मेरठ, मुरादाबाद के नगर निगम महापौर चुनाव में आईएमआई के उम्मीदवार के चुनाव लड़ने की वजह से सपा का उम्मीदवार तीसरे नंबर पर पहुंच गया। मेरठ के निकाय चुनाव के इस परिणाम ने सबको चौंका कर रख दिया। यहां पर बीजेपी का मेयर प्रत्याशी जीता था। इसके पीछे की मुख्य वजह मुसलमानों के वोट बैंक में बिखराव माना गया।

क्योंकि, एक लाख से ज्यादा वोट ओवैसी की पार्टी को मिले थे। इसकी वजह से सपा कैंडिडेट लड़ाई से बाहर हो गया। जानकार यह भी मानते हैं कि 2014 से लेकर अब तक हुए विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में मुसलमान कैंडिडेट्स ज्यादा की संख्या में उतरने की वजह से कई जगहों पर बीजेपी की एकतरफा जीत दर्ज की थी। यानी मुसलमानों के वोट बैंक का बिखराव हुआ तो नुकसान सपा, बसपा और कांग्रेस को होगा। लेकिन इसका सबसे ज्यादा फायदा बीजेपी को मिलेगा।

यूपी के वरिष्ठ पत्रकार परवेज अहमद का मानना है कि 2017 के चुनाव के बाद से उत्तर प्रदेश की सियासत में मुसलमानों के मामलों पर अखिलेश की चुप्पी का लाभ ओवैसी ने उठाने की कवायद शुरू कर दी। परवेज अहमद का यह भी कहना है कि लगातार मुसलमान समाजवादी पार्टी की चुप्पी की वजह से एक विकल्प तलाश रहे हैं।

ऐसे में ओवैसी का बयान और निकाय चुनाव में मेरठ, मुरादाबाद, संभल जैसे जिलों में आईएमआई पार्टी को मिले वोट बैंक से उत्साहित भी हैं। वह यह भी कहते हैं कि अखिलेश यादव के असली हिंदुत्व को बचाने के बयान पर अचानक से ओवैसी का ट्वीट और बयान आना एक राजनीतिक खेल भी है। ओवैसी ने खुद स्वीकार किया कि उस यूपी विधानसभा के चुनाव में एकतरफा मुसलमानों का वोट समाजवादी पार्टी को मिला था।

मुसलमानों के एकजुट होने का फायदा सपा को मिला, सवाल 2024 में मुस्लिम किसके साथ?

आंकड़े बताते हैं कि मुसलमानों का सपा के साथ एकजुट होने का फायदा 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को मिला। सपा 47 सीटों से बढ़कर 111 सीटों पर पहुंच गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 83 फीसदी मुस्लिम सपा के साथ थे। बसपा और कांग्रेस के मुस्लिम उम्मीदवारों को भी मुसलमानों ने वोट नहीं किया था। असदुद्दीन औवैसी की पार्टी को भी मुस्लिमों ने नकार दिया था। इतनी बड़ी तादाद में मुस्लिम समुदाय ने किसी एक पार्टी को 1984 चुनाव के बाद वोट किया था।

पत्नी की मूर्ति बनवाने वाले पति की कहानी

बोला-उसका जाना जीवन का सबसे बड़ा दुख, उसका साया साथ चलता था, ताजमहल देखकर उसकी मूर्ति बनवा दी

फतेहपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। फतेहपुर के रहने वाले राम सेवक रैदास...रोज सुबह उठकर अपनी पत्नी को अपने हाथों से सजाते। उसकी साड़ी सही करते। सिर पर चुन्नी डालते, माथे पर लाल बिंदी लगाते, मांग में सिंदूर भरते। हाथों की चूड़ियां सही करते और आरती की थाली तैयार करके पत्नी की पूजा करते। उसके बाद पत्नी के पास बैठकर बातें करते। काफी-काफी देर तक टकटकी लगाकर उसको देखते रहते। उसके साथ बैठकर ही खाना खाते। दरअसल, राम सेवक की पत्नी माया की मौत साल 2020 में कोरोना से हो गई थी। पत्नी की मौत के बाद राम सेवक बिल्कुल अकेले हो गए थे। वह काफी बीमार रहने लगे थे। पत्नी की याद में उधर-इधर भटकते रहते। उसकी एक झलक पाने के लिए रोते रहते। इसके बाद अपने दुख को कम करने के लिए उन्होंने पत्नी की मूर्ति बनाने का फैसला लिया।

लगभग 6 महीने पहले उन्होंने पत्नी की मूर्ति अपने घर से 2 किलोमीटर दूर अपने खेत पर बनवा ली। अब राम सेवक अपनी पत्नी की मूर्ति के साथ ऐसे रहते हैं, मानो वह जिंदा हो। यहां तक कि अगर कोई उनकी पत्नी को मूर्ति बोल देता है, तो नाराज भी हो जाते हैं।

राम सेवक की पत्नी की मूर्ति देखने दैनिक भास्कर की टीम फतेहपुर से 45 किलोमीटर दूर बकेवर थाना क्षेत्र के पधारा गांव पहुंची। जहां हम गांव के लोगों से राम सेवक के बारे में बात करते हुए उनके खेत पहुंचे। रास्ते में हमें गांव के लोगों ने बताया कि पहले गांव के लोगों ने उनके इस कदम का खूब मजाक उड़ाया। लेकिन उनके प्यार और लगाव ने सबका मुंह बंद कर दिया। सब उनके फैसले का सम्मान करते हैं। सच में हम लोगों ने पहली बार किसी के अंदर अपनी पत्नी के लिए ऐसा प्यार और सम्मान देखा है।

राम सेवक कभी भी गांव से एक दिन के लिए बाहर नहीं जाते हैं। बहुत कम ही ऐसा होता है, जो वह कहीं चले जाएं। सुबह से लेकर शाम तक वह खेत पर ही रहते हैं। उनको किसी से ज्यादा मतलब नहीं रहता। उसी खेत में उन्होंने अपनी जिंदगी बसा ली है। वहां उन्होंने अपनी पत्नी के नाम से एक नल भी लगवा दिया है। जिससे आने-जाने वाले लोग पानी पीते हैं।

ग्रामीण से बात-बात करते-करते राम सेवक का खेत आ गया। जब हम खेत के अंदर गए, तो राम सेवक अपनी पत्नी के पास ही खड़े थे। हमने उनसे बात करना चाहा, तो उन्होंने 10 मिनट रुकने को बोला। उन्होंने कहा, पहले अपनी पत्नी का काम करेंगे। उसके बाद बात करेंगे। खैर, पत्नी की साड़ी-चुन्नी सही करने के बाद वह हमारे पास आए। उन्होंने हमसे कहा, बताइए क्या जानना है आपको?

अपनी पत्नी के बारे में सुनते ही उनकी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने हमसे कहा, "माया मेरी परछाई थी। हमारी शादी 18 मई, 1977 को हुई थी और उसकी मौत भी 18 मई, 2020 में ही हुई। उसका जाना, मेरे जीवन का सबसे बड़ा दुख है। उसके बिना एक दिन पहाड़ जैसा लगता था।"

"जब हमारी शादी हुई थी, तब फोटो-वीडियो बनाने का चलन नहीं था। बस एक फोटो ही थी उसकी और मेरी। जिसको देखकर मैं किसी तरह से जी रहा था। एक मिनट के लिए माया मेरे दिमाग से नहीं निकली थी।

जेपी नड्डा से मिलीं अनुप्रिया पटेल

लखनऊ, 7 अगस्त (एजेंसियां)। 2024 के लिए एनडीए की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। बीजेपी के साथ उसके तमाम सहयोगी दल भी चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। इस बीच, शुक्रवार देर शाम बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से अपना दल(एस) प्रमुख केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल और उनके पति आशीष पटेल ने मुलाकात की। इस दौरान आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई।

सूत्रों के अनुसार, अपना दल इस बार उत्तर प्रदेश में 2 लोकसभा सीट से ज्यादा की मांग बीजेपी से कर रही है। साथ ही 2014 में अपना दल द्वारा लड़ी गई प्रतापगढ़ सीट पर भी 2024 में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इस बारे में अपना दल प्रमुख ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात में बातचीत भी की।

मौजूदा वक्त में प्रतापगढ़ लोकसभा सीट बीजेपी के पास है। 2019 में बीजेपी से संगम लाल गुप्ता को उम्मीदवार बनाया गया था। वह अभी प्रतापगढ़ से सांसद हैं।

प्रतापगढ़ को मजबूत गढ़ मानती हैं अपना दल अपना दल प्रतापगढ़ को अपना मजबूत गढ़ मानती है। अपना दल (एस) के मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष राजकुमार पाल प्रतापगढ़ जिले से ही हैं। इसके अलावा, अपना दल (एस) के प्रतापगढ़ जिले की विश्वनाथगंज सीट से जीत लाल पटेल मौजूदा विधायक हैं। हाल ही में हुए नगर निकाय चुनाव में अपना दल ने प्रतापगढ़ जिले की मान्धाता नगर पंचायत पर जीत दर्ज की थी। सिर्फ यही नहीं, अपना दल (एस) के प्रतापगढ़ जिले में जिला पंचायत सदस्य भी हैं। यही कारण है कि अपना दल (एस) की प्रमुख अनुप्रिया पटेल चाहती हैं कि प्रतापगढ़ सीट पर 2024 में उनकी पार्टी को उतारा जाए।

2014 में बीजेपी के साथ गठबंधन में शामिल हुई अपना दल (एस) को उस वक्त प्रतापगढ़ और मिर्जापुर सीट दी गई थी। जिस पर चुनाव लड़ते हुए मिर्जापुर से अनुप्रिया पटेल और प्रतापगढ़ से हरिवंश सिंह विजयी हुए थे, लेकिन 2019 के चुनाव में बीजेपी ने अपना दल (एस)को मिर्जापुर के साथ प्रतापगढ़ की बजाय सोनभद्र सीट दी।

बीजेपी सांसद को लेकर अखिलेश का तंज: लिखा-विपक्ष के सांसद

विधायक की सदस्यता छीनते-छीनते बीजेपी खुद शिकार हो गई

लखनऊ, 7 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा की एमपी-एमएलए कोर्ट ने बीजेपी के इटावा सांसद रामशंकर कठेरिया को 3 दिन पहले 12 साल पुराने एक मामले में 2 साल की सजा सुनाई। तकनीकी रूप से तो उनकी सदस्यता खत्म हो गई है।लेकिन इसका नोटिफिकेशन जारी नहीं होने को लेकर यूपी में सियासी घमासान छिड़ गया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने इसे लेकर बीजेपी पर तंज कसा।

अखिलेश ने कहा- बीजेपी ने दूसरे दलों के सांसदों और विधायकों की सदस्यता छीनने का जो षड्यंत्र रचा। अब खुद ही उसमें फंस गई है। दरअसल, अखिलेश के इस हमले के पीछे की बड़ी वजह है सांसद रामशंकर कठेरिया की सदस्यता का फिलहाल बरकरार रहना। दरअसल, एमपी-एमएलए कोर्ट ने 5 अगस्त को कठेरिया को 2011 के बलवा-तोड़फोड़ मामले में 2 साल की सजा और 50 हजार का जुर्माना लगाया था।

क्योंकि रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ द पीपुल्स एक्ट 1951 की धारा 8 (3) के अनुसार, अगर किसी सांसद या विधायक को किसी अपराध में दोषी ठहराया जाता है। और उसे 2 साल या इससे ज्यादा की सजा सुनाई जाती है, तो उसकी संसद या विधानसभा की सदस्यता खुद ही समाप्त हो जाती है। अखिलेश इसी को आधार बनाकर बीजेपी को घेर रहे हैं।

यह पहला मौका नहीं है, जब बीजेपी के किसी सांसद या विधायक की सदस्यता जाने को लेकर विपक्ष उसे सवालों के घेरे में खड़ा कर रहा है। इससे पहले जब पिछले साल खतौली से बीजेपी के विधायक विक्रम सैनी को एमपी/एमएलए कोर्ट ने 2 साल की सजा सुनाई थी। तब भी सदस्यता रद्द करने का नोटिफिकेशन विधानसभा की ओर से काफी देर में जारी किया गया। जिसे लेकर आरएलडी ने तमाम सवाल खड़े किए थे।

हालांकि उन सवालों के बाद विक्रम सैनी की सदस्यता समाप्त हो गई थी। वही बीते साल आजम खान को 2 साल से ज्यादा की सजा मिलने पर उनकी सदस्यता को तुरंत ही समाप्त कर दिया गया था। अब एक बार फिर बीजेपी सांसद रामशंकर कठेरिया की सदस्यता खत्म होने का नोटिफिकेशन जारी नहीं होने के चलते विपक्ष सत्ता पक्ष पर हमलावर है।

2 दिन छुट्टी होने के चलते नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ

सूत्रों की माने तो लोकसभा सचिवालय को सजा के आदेश की कॉपी शुक्रवार को देर रात मिली। इसके बाद शनिवार और रविवार को अवकाश के चलते सदस्यता रद्द होने का नोटिफिकेशन जारी नहीं हो सका। अब बीजेपी सांसद निचली अदालत के फैसले के खिलाफ आज ऊपरी अदालत का रूख कर रहे हैं, लेकिन सवाल ये है कि क्या कठेरिया को अदालत जाने की मोहलत मिलेगी या फिर नोटिफिकेशन आज जारी होगा ? अखिलेश यादव राहुल गांधी की सजा पर रोक के बाद अभी तक उनकी सदस्यता बहाल न होने को लेकर भी कहीं न कहीं इशारों में सत्ता पक्ष पर तंज कर रहे हैं। हालांकि राहुल गांधी की सजा पर रोक लगने के बाद उनकी संसद सदस्यता बहाल कर दी गई है।

150 लोगों का धर्म परिवर्तन विहिप ने किया उजागर

नवादा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। नवादा से धर्म परिवर्तन का एक बड़ा मामला सामने आया है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने इसे उजागर किया है। मामला नवादा नगर के गोनावां गांव का है। यहां लगभग 150 महिला, पुरुष और बच्चों का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। इस दौरान बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने अचानक धावा बोल दिया। लोगों में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। बजरंग दल ने इनमें से केरल के रहने वाले सेजू नामक व्यक्ति को पकड़ा है।

हालांकि बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने सेजू को जमकर फटकार लगाते हुए चेतावनी देकर छोड़ दिया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पहली बार है, इसलिए छोड़ दे रहे हैं। दल के विभागीय संयोजक विनय भाई ठाकरे ने कहा कि बड़े पैमाने पर इन लोगों द्वारा एक रैकेट चलाया जा रहा है। इसका भंडाफोड़ किया गया है। हिंदू धर्म को ठेस पहुंचाने का काम इन लोगों द्वारा किया जा रहा है। तबीयत खराब होने और पैसा आदि कई तरह का प्रलोभन दिया जाता है। फिर धर्म परिवर्तन करवाया जाता है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने ईसाई धर्म में परिवर्तन करवाने वालों का विरोध किया तो दूर-दूर से आई महिलाओं ने हल्ला करना शुरू कर दिया। बजरंग दल ने कहा कि पूरी तरह महिला, बच्चे, पुरुषों के माइंड को वॉश किया जाता है। ईसाई मिशनरी से जुड़े लोग हैं। इन लोगों के पास से धार्मिक किताबें भी मिली हैं। लोगों को माइंड वॉश करके धर्म परिवर्तन कराया जाता है।

विश्व हिंदू परिषद ने कहा कि महिलाओं और बच्चों को बरगलाने का प्रयास किया जा रहा था। उनसे पूछा गया कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं तो वे झगड़ने लगे, लेकिन किसी तरह सभी हिंदू महिलाओं को समझाया गया और सभी लोगों को अपने अपने घर भेज दिया गया है।

आईआरसीटीसी मामले में लालू प्रसाद को लेकर सुनवाई

सचार्ज फ्रेम करने पर हुई बहस, 16 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

पटना,7 अगस्त (एजेंसियां)। रेलवे होटलों के टेंडर से जुड़े आईआरसीटीसी मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट दिल्ली में आज सुनवाई हुई। इसमें सह आरोपियों की तरफ से चार्ज फ्रेम करने पर बहस हुई। अब 16 अगस्त को सुनवाई होगी। इससे पहले की सुनवाई में लालू प्रसाद के वकील ने कहा था कि सीबीआई, रेलवे में पॉलिसी बनाने में लालू प्रसाद के दखल को साबित नहीं कर पा रही है।

लालू प्रसाद जब रेल मंत्री थे, तब हुआ था

2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद देश के रेल मंत्री थे। इस दौरान रेलवे बोर्ड ने विभाग के होटलों और ट्रेनों मे कैटरिंग सेवा आईआरसीटीसी को सौंप दिया था। झारखंड के रांची और ओडिशा के पुरी में स्थित होटलों के टेंडर में गड़बड़ी के मामले उजागर हुए थे। सीबीआई ने इस मामले में लालू प्रसाद सहित अन्य कई लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर रखा है।

हाजीपुर-जमुई दोनों मेरी सीट..कहां से लड़ेंगे पता चल जाएगा

पटना में चिराग बोले-जमुई से मेरा लगाव;हाजीपुर में पिता के अधूरे सपनों को पूरा करना है

पटना, 7 अगस्त (एजेंसियां)। लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि हाजीपुर और जमुई दोनों ही मेरी सीट है। आनेवाले आम चुनाव में वो कहां से लड़ेंगे ये वक्त के साथ पता चल जाएगा।

गठबंधन और पार्टी के अंदर यह बातें तय होंगी। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि पिछले लोकसभा चुनाव में जिन सीटों पर लोजपा ने चुनाव लड़ा था, उन सभी सीटों पर फिर से लोजपा ही चुनाव लड़ेगी। उन सीटों में हाजीपुर भी है और जमुई भी।

दिल्ली जाने से पहले पटना एयरपोर्ट पर जमुई सांसद ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि जमुई मेरी कर्म भूमि रही है, वहां का ध्यान रखना मेरी ही जवाबदेही है। हाजीपुर से मेरे पिता चुनाव लड़ते थे। अब उनके नहीं रहने पर उनके अधूरे सपने को पूरा करना मेरी जवाबदेही और जिम्मेदारी है।

चिराग पासवान ने कहा कि कौन प्रत्याशी किस सीट से लड़ेगा, यह पार्टी की संसदीय बोर्ड सही समय पर तय करेगी। बात जमुई की है तो वहां से मेरा नाता 8-9 सालों का है। हाजीपुर से तो मेरा बचपन से नाता रहा है। पापा के जाने के बाद उनके सपनों को पूरा करने की जिम्मेदारी मेरी है।

ये बात सही है कि मैंने जमुई की जनता से यह कहा है- मैं यहां युवा बन के आया था, बुजुर्ग बनकर जाऊंगा। इसका यह मतलब नहीं कि सांसद के रूप में ही यहां से बुजुर्ग बनकर जाऊंगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं था, जो मेरा संबंध जमुई से है। उसके आधार पर यह बयान दिया गया है। इन बातों को विवादित नहीं बनाना चाहता क्योंकि यह गठबंधन के अंदर की बात है। इसको अन्यथा ना लिया जाए।

जहां तक मेरी मां का सवाल है तो मैं भी चाहता हूं कि वह चुनाव लड़ें, मेरे पिता भी चाहते थे कि वह चुनाव लड़े लेकिन वह अपने जीवन को सार्वजनिक नहीं करना चाहती तो उनकी सोच का भी ख्याल रखना है। राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने पर पूछे गए सवाल पर कहा कि उनकी सदस्यता जाना या रहना कोई राजनीतिक विषय नहीं है। यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। कोर्ट के फैसले से उनकी सदस्यता गई थी। अब कोर्ट के फैसले से उनकी सदस्यता बची है, जो प्रावधान है उसी हिसाब से सब हो रहा है। ये न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है।

अरविंद केजरीवाल के सवाल पर जवाब देते हुए चिराग ने कहा कि कौन सी पवार छीनी जा रही है। कौन सा दिल्ली की जनता के हित का हनन हो रहा है। केजरीवाल जी बताएं जिसको लेकर इतनी चिंता है। ये पूरी तरह से केजरीवाल जी की ओर से किए गए भ्रष्टाचार को कवर अप करना है। इसलिए मुख्यमंत्री परेशान हैं। दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग को जिस तरह से गोरखधंधा बना दिया गया है, यह पूरा-पूरा इसको कवरअप करने का प्रयास है। केजरीवाल जी ट्रांसफर पोस्टिंग इसलिए कराना चाहते हैं ताकि शराब मामले में जो भ्रष्टाचार हुआ है, उसको छिपाया जा सके। उनके बनाए गए शीश महल पर पर्दा डाला जा सके।

शाहनवाज हुसैन का बिहार सरकार पर तंज

कहा- बिहार में लाठी-डंडे की सरकार, कार्यकर्ताओं पर पुलिस की बर्बरता बर्दाश्त के बाहर

भागलपुर,7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सह पूर्व उद्योग मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन देर रात भागलपुर पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी जिला इकाई के कार्यकताओं के साथ मुलाकात की और हाल भागलपुर में हुई लाठीचार्ज को लेकर सरकार पर जमकर बरसे। दरअसल बीते दिनों भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष काली मंदिर में उपद्रवियों द्वारा पथराव की घटना के कारण आमरण अनशन पर बैठे थे। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज की थी। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि बिहार में ममता बनर्जी जबसे यहां आई उनका असर यहां पड़ा है। सरकार जब तब लाठीचार्ज कर रही है। गोली मार दे रही है। भागलपुर के भाजपा नेता शांति से अनशन पर बैठे थे असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे कई कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज किया गया।

38 साल पहले इंजीनियर ने कोर्ट में डाली थी तलाक की अर्जी

बच्चों की शादी के बाद आया फैसला

ग्वालियर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक अजब-गजब मामला सामने आया है. यहां एक दंपति को तलाक के लिए 38 साल का इंतजार करना पड़ा. साल 1985 में पति ने कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी डाली थी. उसी अर्जी पर अब जाकर फैसला आया है. कोर्ट ने दोनों को तलाक की अनुमति दे दी है. वो भी 38 साल बाद जाकर.

इंतजार इतना लंबा हो चुका है कि तलाक की अर्जी लगाने वाले इंजीनियर के बच्चों की भी शादी हो चुकी है. आइए जानते हैं कि ये पूरा मामला क्या है और इस दंपति के तलाक में इतना समय कैसे लग गया. पत्नी से तलाक के लिए ये मामला भोपाल न्यायालय से शुरू हुआ. इसके बाद विदिशा कुटुंब न्यायालय, ग्वालियर के कुटुंब न्यायालय, फिर हाईकोर्ट और इसके बाद सुप्रीम कोर्ट तक चला. रिटायर्ड इंजीनियर भोपाल का रहने वाला है. जबकि, उसकी पत्नी ग्वालियर की रहने वाली है. इंजीनियर को अब 38 साल बाद पहली पत्नी से विधिवत तलाक की अनुमति मिली है.

पहली पत्नी से इस रिटायर्ड इंजीनियर की शादी 1981 में हुई थी. लेकिन पत्नी को बच्चे नहीं होने के कारण दोनों में 1985 में अलगाव हो गया था. 4 साल तक बच्चा नहीं होने पर जुलाई 1985 में पति ने भोपाल में तलाक के लिए आवेदन पेश किया, लेकिन उसका दावा खारिज हो गया. इसके बाद पति ने विदिशा न्यायालय में तलाक के लिए आवेदन दिया. इसके उलट दिसंबर 1989 में पत्नी ने संबंधों की पुनर्स्थापना के लिए कुटुंब न्यायालय ग्वालियर में आवेदन पेश किया. पति और पत्नी की एक-दूसरे के खिलाफ अपीलों के चलते ये मामला लंबे समय तक कोर्ट में घूमता रहा.

38 सालों तक चला तलाक का मामला

पति की तलाक की अर्जी पर न्यायालय ने एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए पति को तलाक लेने का अधिकारी माना और उस के पक्ष में फैसला दिया था. लेकिन पहली पत्नी ने तलाक के आदेश के खिलाफ अपील की थी, जो कोर्ट में स्वीकार हो गई. अप्रैल 2000 में पति का विदिशा में लंबित तलाक का केस कोर्ट ने खारिज कर दिया. इसके बाद पति ने हाईकोर्ट में अपील की. हाईकोर्ट ने पति की अपील 2006 में खारिज कर दी. इसके खिलाफ पति ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की. पति की एसएलपी भी सुप्रीम कोर्ट से 2008 में खारिज हो गई. पति ने फिर तलाक के लिए 2008 में आवेदन दिया. जुलाई 2015 में विदिशा कोर्ट ने पति का आवेदन खारिज कर दिया था. इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में अपील दायर की थी. अंततः 38 सालों के इंतजार के बाद हाईकोर्ट से दोनों को तलाक मिल गया.

बच्चों की भी हो गई शादी

पति-पत्नी दोनों में अलगाव के चलते दोनों अलग-अलग रह रहे थे. 1990 में पति ने दूसरी शादी कर ली थी. दूसरी पत्नी से इस रिटायर्ड इंजीनियर के दो बच्चे भी हैं जिनकी शादी भी हो चुकी है. 38 सालों की कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार पति और पहली पत्नी सहमति से तलाक के लिए राजी हो गए हैं. हाईकोर्ट ने पति को निर्देश दिए हैं कि वह पत्नी को एकमुश्त बारह लाख रुपए चुकाएंगे.

पत्नी कर रही थी तलाक रोकने की अपील

दरअसल, महिला के पिता पुलिस में अधिकारी थे. वह चाहते थे कि बेटी का परिवार न टूटे. इसलिए महिला बार-बार कोर्ट में तलाक रोकने की अपील कर रही थी. लेकिन महिला के भाइयों की समझाइश के बाद पति-पत्नी सहमति से तलाक लेने के लिए राजी हो गए. हाईकोर्ट ने रिटायर्ड इंजीनियर को आदेश दिया है कि वह पत्नी को तलाक की एवज में 12 लाख रुपये का गुजारा भत्ता देगा.

पति ने पी शराब तो पत्नी ने गला दबाकर कर दी हत्या

कल्याण, 7 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण में पत-पत्नी के रश्तिों को तार-तार करने वाला एक मामला सामने आया है. पत्नी ने अपने पत की गला घोंट कर हत्या कर दी. पत अक्सर पत्नी के साथ शराब के नशे में झगड़ा करता था. इससे परेशान होकर पत्नी ने पत के सो जाने के बाद उसका गला घोंट दयि और मौत के घाट उतार दयि. हत्या के बाद पत्नी ने पुलसि को नाटकीय अंदाज में उसकी मौत का कारण शराब पीना बताया. लेकनि पोस्टमॉटर्म रपोिर्ट में हत्या की वजह का खुलासा हो गया है. इसके बाद पुलसि ने पत्नी को गरिफ्तार कर लयि है.

गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रणिता मोरे के रूप में की गई जो टिटवाला के बनेली में अपने बेटे और दिवंगत पति प्रवीण मोरे (49) के साथ रहती थी. पुलिस ने बताया क प्रणिता प्रवीण की दूसरी पत्नी थी, जबकि उसकी पहली पत्नी डोंबिवली में रहती है, जिससे उसका 23 साल का एक बेटा भी है.पुलिस ने कहा कि एक निजी कंपनी में काम करने वाला प्रवीण शराब पीने का आदी था.

गुजरात में कांग्रेस-आप का गठबंधन

इसुदान गढ़वी बोले, 2024 में मिलकर लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

अहमदाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने ऐलान किया है कि पार्टी गुजरात में आईएनडीआईए एलाइंस के तहत आगे बढ़ेगी।

पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस में इसुदान गढ़वी ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि गुजरात की जनता के हक में पार्टी कांग्रेस के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगी। गढ़वी ने कहा कि गुजरात में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। गढ़वी ने कहा कि बीजेपी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। भ्रष्टाचार करने वाले नेताओं को बचाती है। गढ़वी ने एक के बाद एक हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी में इस्तीफा होना आंतरिक मामला है, लेकिन बीजेपी नेताओं के ऊपर जो आरोप लग रहे हैं। उनकी जांच होनी चाहिए।

आप आदमी पार्टी गुजरात में इंडिया गठबंधन के साथ आगे बढ़ेगी। यह गठबंधन केंद्र में ही नहीं गुजरात में लागू रहेगा। हम सीट शेयरिंग को लेकर विचार विमर्श कर रहे हैं। इस बार बीजेपी गुजरात में राज्य की 26 लोकसभा की सीटें नहीं जीत पाएगी।

गढ़वी ने बीजेपी पर बोला हमला गढ़वी ने कहा कि बीजेपी नेताओं के ऊपर जो आरोप लग रहे हैं। करोड़ों रुपये की जमीन के सौदों में शामिल होने के आक्षेप हैं। इनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। गढ़वी ने कहा मैं मांग करता हूं कि इन मामलों की जांच ईडी करे। गढ़वी ने साफ कहा कि गुजरात की जनता के मुद्दों को हम एक साथ उठाएंगे और भ्रष्टाचार से लेकर जो भी विषय जनता से जुड़े हैं। उनको लेकर हल्लाबोल करेंगे। गढ़वी ने कहा कि दिल्ली में पिछले काफी सालों से आम आदमी पार्टी की सरकार है। इससे पहले कांग्रेस की सरकार थी। बीजेपी दिल्ली में जीत नहीं पाती है। इसलिए अब बिल लेकर आई है ताकि आम आदमी पार्टी को रोका जा सके। गढ़वी ने कहा कि इस बार गुजरात में हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे। कितनी सीटों पर पार्टी लड़ेंगी। इस संबंध में प्रांरभिक स्तर पर विचार विमर्श हो रहा है। जल्द ही चीजें आगें बढ़ेगी। गढ़वी ने कहा लोकसभा चुनावों में पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन होगा।

आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष इसुदान गढ़वी के कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ने पर कांग्रेस ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के प्रवक्ता अमित नायक ने कहा कि लोग मंहगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं। देश के लोग अब बदलाव चाहते हैं। बीजेपी की विचार के समान इंडिया गठबंधन लड़ेगा।

पीएम मोदी ने बोला हमला तो भड़क गए उद्धव ठाकरे

जवाब देने से खुद को रोक नहीं पाए

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने विपक्ष के गठबंधन का नाम 'इंडिया' रखे जाने को लेकर उस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निशाना साधे जाने को लेकर रविवार को उनकी आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं और संभाजी ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं को यहां संबोधित करते हुए, ठाकरे ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में वे दल शामिल हैं जो लोकतंत्र और स्वतंत्रता का गला घोंटने वालों का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, "जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश में विदेशी नेताओं से मिलते हैं तो हमें गर्व महसूस होता है। क्या आप उनसे 'इंडिया' के प्रधानमंत्री के रूप में मिलते हैं या इंडियन मुजाहिदीन के प्रधान सेवक के रूप में मिलते हैं?"

क्या कहा था मोदी ने?

वह प्रधानमंत्री द्वारा विपक्ष के गठबंधन की आलोचना का हवाला दे रहे थे, जिसमें मोदी ने विपक्षी गठबंधन का नाम 'ईस्ट इंडिया कंपनी' और 'इंडियन मुजाहिदीन' से मिलता-जुलता होने के लिए उसपर निशाना साधा था और कहा था कि सिर्फ देश का नाम इस्तेमाल करने से लोग गुमराह नहीं होंगे। अन्य दलों के नेताओं को शामिल करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए, ठाकरे ने कहा कि भाजपा ₹अयाराम₹ (दल बदलुओं) की पार्टी बन गई है और वह अब ₹अयाराम मंदिर₹ का निर्माण करेगी।

फडणवीस पर भी साधा निशाना

उन्होंने उस मीडिया रिपोर्ट का भी जिक्र किया जिसमें कहा गया है कि मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सांसदों से कहा है कि वे मुस्लिम महिलाओं से राखी बंधवाएं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यदि आपमें हिम्मत है, तो मणिपुर में उन महिलाओं से राखी बंधवाएं, जिन्हें सार्वजनिक रूप से निर्वस्त्र कर घुमाया गया था और बिलकिस बानो (2002 के गुजरात सांप्रदायिक दंगे की गैंगरेप पीड़िता) से भी राखी बंधवाएं।

नूंह में बुलडोजर एक्शन पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक, स्वतः लिया संज्ञान

चंडीगढ़, 7 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह, मेवात में हुई हिंसा को लेकर जारी बुलडोजर एक्शन पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है. हरियाणा सरकार द्वारा नूंह में किए जा रहे बुलडोजर एक्शन पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और यह आदेश जारी किया. नूंह में अवैध निर्माणों पर प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है.

37 जगहों पर चल चुका है बुलडोजर

नूंह में अब तक 37 जगहों पर 57.5 एकड़ जमीन से अवैध निर्माण हटा दिए गए हैं. नूंह में अब तक 162 स्थाई और 591 अस्थाई निर्माण गिराए जा चुके हैं. इतना ही नहीं नूंह के पुन्हाना, पिंगनवा, नगीना, टौरू और फिरोजपुर झिरका में प्रशासन की अलग-अलग टीमों ने अर्धसैनिक बल और पुलिस के साथ पहुंचकर अतिक्रमण हटाया. आरोप है कि यहां कई अवैध निर्माण थे औक उन होटल को अवैध तरीके से बनाया गया था जहां से दंगाई पथराव कर रहे थे. हरियाणा पुलिस ऐसी सभी इमारतों की पहचान कर रही है जहां से पत्थर फेंके गए थे. पुलिस अधिकारी का कहना है कि ऐसी सभी इमारतों पर एक्शन होगा.

हिंसा के आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस हिंसा में शामिल आरोपियों की तलाश में जुटी है. लगातार अलग अलग जगहों पर छापेमारी की जा रही है. अब तक 56 FIR दर्ज की गई हैं. 147 लोगों को गिरफ्तार किया गया. इनमें से 8 लोगों को पड़ोसी राजस्थान के भरतपुर-अलवर से गिरफ्तार किया गया है. बता दें कि हरियाणा के नूंह में 31 जुलाई को हुई हिंसा के बाद सरकार एक्शन मोड में आ गई है. सरकारी एजेंसियों ने उपद्रवियों की तलाश शुरू कर दी है. उनकी अवैध संपत्तियों को भी ढहाया जा रहा है. इसके साथ ही उन जगहों का भी पता लगाया जा रहा है, जहां से पत्थरबाजी की घटनाएं हुई हैं. शनिवार को प्रशासन ने हिंसा के दौरान जिस होटल से पत्थरबाजी हुई थी, उसको बुलडोजर से ढहा दिया है. पूरे हरियाणा में करीब 104 एफआईआर दर्ज की गई हैं. करीब 216 गिरफ्तारियां हुई हैं और 83 लोगों को हिरासत में लिया है.

अतिक्रमण के खिलाफ जारी रहेगा अभियान - डीएम

जिला प्रशासन ने शनिवार को नलहर मेडिकल कॉलेज के आसपास की 2.6 एकड़ जमीन समेत 12 अलग-अलग स्थानों पर अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया. डीएम ने कहा, अवैध निर्माण और असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई चलती रही है. ऐसे लोगों को चिह्नित किया जा रहा है. एसडीएम अश्विनी कुमार ने कहा, ये अवैध निर्माण थे. तोड़े गए निर्माणों के मालिकों को पहले ही नोटिस दिए गए थे. ब्रज मंडल धार्मिक यात्रा के दौरान हुई हिंसा में कुछ अवैध निर्माण के मालिक भी शामिल थे. अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा.

सरकारी कर्मियों का विश्वास खो चुकी हैं गठबंधन सरकार : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव,हरियाणा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री और छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा की भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार पूरी तरह से कर्मचारी वर्ग का विश्वास खो चुकी है। कर्मचारियों से जो भी वादे किए गए थे, वे पूरे नहीं किए गए। लिहाजा लिपिक, सुपवा स्टाफ समेत कई कर्मचारी संगठन पहले ही हड़ताल और धरने पर चल रहे हैं, जबकि आशा वर्कर, रोडवेज कर्मी, पटवारियों ने भी हड़ताल का ऐलान कर दिया है। अब कर्मचारी सिर्फ चुनाव के इंतजार में हैं, ताकि इस सरकार को चलता किया जा सके।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि लिपिक वर्ग 05 जुलाई से हड़ताल पर है। इसकी वजह से तहसील व वाहन रजिस्ट्रेशन कार्यालय समेत अन्य सरकारी महकमों में पब्लिक डीलिंग के काम बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। लोग स्टाफ न होने की वजह से दफ्तरों के चक्कर काट कर वापस लौटने को मजबूर हैं। इतना ही नहीं कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को वेतन तक नहीं बन पा रहा है ऐसे में उनका वेतन अटक सकता है। इन सबके बावजूद गठबंधन सरकार इनकी मांगों पर विचार नहीं कर रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुपवा रोहतक का स्टाफ अपनी ड्यूटी के समय कक्षाओं में जाकर छात्रों को पढ़ा भी रहा है और बाद में धरना भी दे रहा है, ताकि उनकी सुनवाई हो सके। लेकिन अभी तक सरकार ने उनकी कोई सुनवाई नहीं की। पटवारी दूसरे सर्कल का अतिरिक्त चार्ज छोड़ चुके हैं, लेकिन मांगे न माने जाने पर 10 अगस्त से हड़ताल पर जाने की चेतावनी भी सरकार को दे चुके हैं।

उन्होंने कहा कि आशा वर्कर अपनी मांगों को लेकर 08 अगस्त से 03 दिन की हड़ताल पर जाने का ऐलान कर चुकी हैं।

जयंत पाटिल और मेरा डीएनए एक

अजित पवार गुट में जाने की अटकलों पर संजय राउत का बयान

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। चर्चा है कि पवार गुट वाली एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। कहा जा रहा है कि जयंत पाटिल जल्द ही अजित पवार गुट में शामिल होंगे। इस पर आज उद्धव ठाकरे समूह के सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। राउत ने कहा कि जयंत पाटिल और मेरा डीएनए एक जैसा है, वह कभी भी बीजेपी में नहीं जाएंगे। संजय राउत ने यह बात दिल्ली में मीडिया से कही। राउत ने कहा कि जयंत पाटिल उन लोगों में से नहीं हैं जो अपने नेता, पार्टी के संकट में होने पर भाग जाते हैं। हमारा और उनका डीएनए एक है। संजय राउत ने कहा कि हम लड़ाकू हैं। संजय राउत ने यह भी गंभीर आरोप लगाया है कि इस देश में संसद और विधानमंडल को बर्बाद करने का काम चल रहा है।

राउत ने कहा कि बीजेपी ने चुनाव में दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का ऐलान किया था लेकिन बीजेपी ही उनके अधिकार छीन रही है। अब सारा कामकाज नौकरशाहों को सौंपा जा रहा है। ऐसा लगता है कि बीजेपी को लोकतंत्र स्वीकार नहीं है। मालूम होता है कि प्रशासन की बागडोर अब राज्यपाल को सौंपने जा रहे हैं। वैसे भी महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा में ही राज्यपाल नजर आते हैं, बाकी कहीं नजर नहीं आते। संजय राउत ने कहा है कि हम सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले इस बिल का विरोध करेंगे।

मणिपुर में सरकार है या नहीं?

संजय राउत ने बीजेपी और अजित पवार को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि अजित पवार पर बीजेपी ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, उन्हें ही बीजेपी से अपने साथ मिलाकर सत्ता में बिठाया। राउत ने कहा कि मणिपुर में हिंसा को लेकर विपक्ष ने आक्रामक रुख अपना लिया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। आखिर वहां सरकार है या नहीं? ये सवाल हर कोई पूछ रहा है। मणिपुर के हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं।

केंद्र सरकार राहुल गांधी से डरी हुई हैः राउत

संजय राउत ने दावा किया कि केंद्र सरकार राहुल गांधी से डरी हुई है और इसी वजह से उच्चतम न्यायालय के आदेश के बावजूद कांग्रेस नेता की लोकसभा की सदस्यता अभी तक बहाल नहीं की थी। उच्चतम न्यायालय ने 'मोदी उपनाम' को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी के संबंध में 2019 में दायर आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाते हुए शुक्रवार को उनकी लोकसभा की सदस्यता बहाल करने का रास्ता साफ कर दिया था।

कश्मीर में बच्चों को क्या पढ़ना है खुद करेंगे तय, नहीं थोपा जाएगा पाठ्यक्रम

मनोज सिन्हा का बड़ा ऐलान

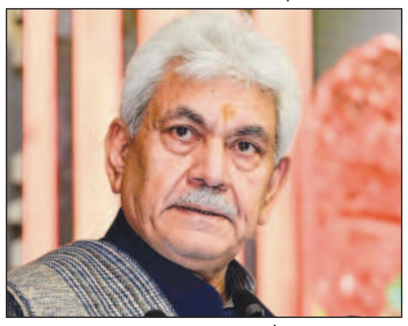

श्रीनगर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कुछ वर्षों पहले तक आतंकवादी कश्मीर का कलेंडर बनाते थे। स्कूल कब खुलेंगे, कब बंद होंगे। छोटे बच्चे भी रोज पत्थर लेकर निकलते थे लेकिन अब कश्मीर प्रशासन यहां का कलेंडर तय करतीथी। गरीब के घर खुशहाली आती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ उन्हें होती है तो इसके जिम्मेदार होते हैं। लोगों को लूटने वालों की दुकानें बंद हो गई हैं। कश्मीर बदल गया है। लोग बेफिक्र हो गए हैं। महिलाएं खुलकर जी रही हैं। यह बात जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने कही। वह एक मीडिया हाउस के समागम के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने टारगेट किलिंग पर कहा कि यह हताशा की निराशा है। एलजी ने कहा कि जहर फैलाने वालों ने पाठ्यक्रम भी ऐसा बनाया था कि बच्चों को कैसे बिगाड़ा जाए। अब हम ऐसा पाठ्यक्रम लाने जा रहे हैं कि बच्चा तय करेगा कि उसे क्या पढ़ना है। बच्चों पर पाठ्यक्रम थोपा नहीं जाएगा।आम आदमी के कथित रहबर (लोगों के हमदर्द) और रहजन (काफिला लूटने वाला) लोगों को लूटते थे। जितना आम आदमी परेशान होता था उतना ही लोगों की तिजोरी भरती थी। कश्मीर को लूटने वाले रहजनों की दुकानें बंद हो गई हैं। कभी आतंक का गढ़ रहे पुलवामा, बारामूला और हंदवाड़ा के लोग बेफिक्र होकर जी रहे हैं। यहां युवाओं और बच्चों को बहला-फुसला कर हथियार पकड़ाए गए थे, वे आज एआई यूज करके टेक्निकल काम कर रहे हैं।

बैंगलूरू को सिर्फ ट्रैफिक की वजह से हो रहा हर साल करीब 20 हजार करोड़ का नुकसान

बेंगलुरू, 7 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू अपने टेक उद्योग और भीड़ के लिए खास जानी जाती है। इसी को लेकर एक चौंकाने वाली एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि शहर को हर साल करीब 20 हजार करोड़ का नुकसान झेलना पड़ रहा है। इसका कारण यहां का ट्रैफिक है, जिसकी वजह से घंटों-घंटों लोग जाम में फंसे रहते हैं। ऐसे में समय तो बर्बाद होता ही है, वहीं ईंधन भी खपत होता है।

श्रीहरि और उनकी टीम ने किया अध्ययन

बता दें, यातायात विशेषज्ञ एमएन श्रीहरि और उनकी टीम द्वारा किए गए अध्ययन में सड़क योजना, फ्लाईओवर, यातायात प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की कमी से जुड़े मुद्दों पर गौर किया गया है। अध्ययन में कहा गया है कि शहर में 60 फ्लाईओवर होने के बावजूद, यहां पैदल वालों के लिए सड़क पर जगह न होना, सिग्नल पर लंबे समय तक वाहनों के रुकने, तेज रफ्तार से चलने वाले वाहनों की वजह से अन्य की गति पर प्रभाव पड़ना, ईंधन और समय के दुरुपयोग के कारण 19,725 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

इतने करोड़ वाहनों का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि आईटी क्षेत्र में बढ़ते रोजगार के कारण यहां घरों और शिक्षा जैसी सभी संबंधित सुविधाओं का विकास हुआ है। साथ ही जनसंख्या में 1.45 करोड़ वृद्धि हुई है। इतना ही नहीं, कर्नाटक की राजधानी में करीब 1.5 करोड़ वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

यह दिया गया प्रस्ताव

इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल बंगलूरू का विस्तार 88 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 985 वर्ग किलोमीटर हो गया। वहीं, अध्ययनकर्ताओं ने प्रस्ताव दिया गया है कि शहर का विस्तार 1,100 वर्ग किलोमीटर तक होना चाहिए।

जनसंख्या में हो रही वृद्धि

श्रीहरि और उनकी टीम का कहना है कि जनसंख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। आबादी बढ़ने के साथ ही यहां रोजगार भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में आबादी और रोजगार की संभावित गति मौजूदा ढांचागत विकास के साथ मेल नहीं खाती है। इसकी वजह से शहर को हर साल करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ रहा है।

सड़कों को लेकर भी दिया सुझाव

रिपोर्ट में कहा गया है, सड़क की कुल लंबाई करीब 11 हजार किलोमीटर है, जो परिवहन और यात्राओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। श्रीहरि ने नुकसान से बचाने के लिए सुझाव दिया है कि शहर को रेडियल सड़कों, रिंग रोड की जरूरत है, जिसमें विशिष्ट रिंग ओआरआर, पीआरआर और एसटीआरआर शामिल हों। इसके अलावा, हर पांच किमी के लिए एक सर्कुलर रूट भी हो जो बदले में रेडियल सड़कों से जुड़ा हो।

70 केसों में जिंदा कर दिए 30 मृत ऑटो चालक, अब तक 15 आरोपियों की गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बुराड़ी अथॉरिटी में ऑटो परमिट अवैध तरीके से किसी और के नाम ट्रांसफर कराने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने इस मामले की शुरुआत में जिन 70 केसों की जांच की है उनमें 30 मृत ऑटो चालकों को जिंदा करने की बात सामने आई है। एसीबी ने शुरुआती में जांच के लिए सिर्फ 200 फाइलें ली हैं। वर्ष 2021 में 5500 ऑटो के परमिट ट्रांसफर किए गए थे। इसके अलावा एसीबी ने आरोपी अथॉरिटी इंस्पेक्टर को करोड़ों की रिश्वत देने वाले दलाल जसप्रीत सिंह कठूरिया उर्फ रिसू को गिरफ्तार किया है। जांच में यह बात सामने आई है कि दलाल रिसू ही मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर सुरेश कुमार (59) को ऑटो परमिट अवैध तरीके से ट्रांसफर करने के लिए सीधी रिश्वत देता था। वह इंस्पेक्टर सुरेश कुमार को एक ऑटो परमिट के 25 से 28 हजार रुपये देता था। ये साफ हो गया है कि 30 ऑटो परमिट अवैध रूप से ट्रांसफर कराने के लिए दलाल ने 90 लाख से ज्यादा रुपये इंस्पेक्टर को दिए थे। ये तो शुरुआती 30 केसों की बात है। जांच पूरी होने पर रिश्वत की कुल रकम का पता लगेगा।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 8 अगस्त- 2023

शिकंजे में इमरान खान

कभी क्रिकेट की दुनिया के बेताज बादशाह रहे इमरान खान इन दिनों बडी मुश्किलों में फंस गए हैं। पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनना उनके लिए अशुभ साबित होता जा रहा है। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बहुचर्चित तोशाखाना मामले में तीन साल जेल की सजा सुनाई गई तो उन्हें तत्काल बाद गिरफ्तार भी कर लिया गया। यही नहीं उनका भविष्य भी अंधेरे में चला गया है क्योंकि अदालत ने उन्हें पांच साल के लिए चुनावी राजनीति के अयोग्य करार दे दिया है। कोर्ट का यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान की मौजूदा संसद का कार्यकाल अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है। संभावना है कि इसी महीने में कार्यकाल पूरा हो जाएगा और उसके बाद संसद को भंग कर दिया जाएगा। नवंबर तक देश में नए चुनाव करा लिए जाएंगे। सरकार ने ऐसा ताना-बाना बुना है कि इमरान खान ऊपरी अदालतों से ठोस राहत की चाहत में उलझे रहें और इसी बीच चुनाव करा लिए जाएं। जाहिर है ऐसे हालात में इमरान मियां इस चुनाव में शिरकत नहीं कर पाएंगे। उनकी पार्टी पीटीआई ने अदालत के इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देने की बात कही है। खुद इमरान खान गिरफ्तारी से पहले तैयार किए गए अपने एक विडियो में लोगों से खुली अपील कर चुके हैं कि वे घरों में चुप होकर न बैठे रहें। उनकी इस अपील को मई में हुई उनकी गिरफ्तारी के संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है जब पाकिस्तान के कई शहरों में हिंसा, आगजनी और लूटपाट की स्थिति पैदा हो गई थी। इस बार गनीमत रही कि तत्काल उस तरह के हालात नहीं बने। लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के बाद उनकी लोकप्रियता में अच्छा- खासा इजाफा देखा गया है। उनके हटाए जाने के बाद जितने भी चुनाव हुए उसमें उनकी लोकप्रियता स्पष्टरूप से दिखी है। ऐसे में सवाल है कि इमरान खान के खिलाफ आया यह फैसला पाकिस्तान में घटनाओं को कैसा मोड़ देगा। इस मामले में ऊपरी अदालतों का रुख साफ होना अभी बाकी है। मई में हुई गिरफ्तारी के बाद उन्हें हाईकोर्ट से राहत मिल गई थी। उनकी पार्टी पीटीआई इस बार भी अदालत के फैसले को पूर्वाग्रह से युक्त बता रही है। लेकिन पाकिस्तान की राजनीति में हमेशा ही सेना और कोर्ट का रुख चुनावी राजनीति को निर्णायक तौर पर प्रभावित करता रहा है। इमरान खान भी पाकिस्तानी फौज से बिल्कुल आमने-सामने आ गए थे। इसी का नतीजा था कि उन्हें अपने पद से हाथ धोना पडा था। हालांकि उनके खिलाफ संसद में अविश्वास प्रस्ताव भी लाया गया था जिसमें उनकी सरकार बहुमत साबित नहीं कर पाई। इस पर उनका आरोप है कि परदे के पीछे से पाकिस्तानी फौज का दबाव अपना काम कर रही थी। मजेदार बात तो यह है कि तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने और तीनों बार फौज या कोर्ट के दखल के कारण पद गंवाने वाले नवाज शरीफ की पार्टी अभी सरकार में है जिसकी अगुआई उनके छोटे भाई शाहबाज शरीफ कर रहे हैं। लेकिन इमरान के प्रति इस सरकार का रुख बिल्कुल वैसा ही है जैसा इमरान खान का इन पार्टियों के प्रति तब था जब वह कथित तौर पर आर्मी की सहायता से सत्ता का सुख भोग रहे थे। ऐसे में पाकिस्तान में लोकतंत्र कैसे मजबूत होगा इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। वहां की राजनीति भी माशा अल्ला ही है। राजनीति पर सेना की पकड़ कमजोर करने के जितने भी जतन किए जाते हैं उतना ही सेना की पकड मजबूत होती जाती है।

रेल के लिए अमृत साबित होगी 'अमृत भारत स्टेशन योजना

सुनील कुमार महला

हाल ही में 6 अगस्त 2823 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' को ऑ न ला इ न लॉन्च किया है। जानकारी देना चाहूंगा कि अमृत भारत स्टेशन योजना एक साथ देशभर के 508 स्टेशनों के नवीनीकरण की बहुत ही अहम और महत्वपूर्ण योजना है। यह बहुत ही अच्छी बात है कि इस योजना के तहत पूरे भारत में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी गई है। आज जब हम आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं, ऐसे समय में रेल के क्षेत्र में एक नये अध्याय को शुरू होता हम देख रहे हैं। भारत आज विकासशील देश से विकसित बनने की ओर लगातार अग्रसर है और इससे अच्छी बात भला और क्या हो सकती है कि अब भारत के करीब 1300 प्रमुख रेलवे स्टेशन अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तौर पर विकसित किए जाएंगे और उनका पुनर्विकास आधुनिकता के साथ होगा। वास्तव में सरकार के इस कदम से रेलवे के क्षेत्र में हमारा देश नये सोपानों, प्रतिमानों को छू पायेगा। देश की आम जनता के साथ साथ देश के सभी राज्यों को इसका लाभ मिल सकेगा। जानकारी मिलती है कि इस योजना के तहत अब उत्तर प्रदेश में करीब 4500 करोड़ रुपये के खर्च से 55 अमृत स्टेशनों को आधुनिक तरीकों से विकसित किया जाएगा। इतना ही नहीं इस योजना के तहत राजस्थान के भी 55 रेलवे स्टेशन अमृत रेलवे स्टेशन बनेंगे।

बताया जा रहा है कि रेलवे स्टेशनों के पुनर्वास में राजस्थान और उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार के 49, महाराष्ट्र के 44, पश्चिम बंगाल के 37, मध्य प्रदेश के 34, असम के 32, ओडिशा के 25, पंजाब के 22, गुजरात और तेलंगाना के 21-21, झारखंड के 20, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के 18-18, हरियाणा के 15 और कर्नाटक के 13 स्टेशन शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इस योजना पर 24,470 करोड़ की लागत आएगी। अमृत भारत स्टेशन स्कीम 2023 के माध्यम से देश के 68 मंडलों के सभी 15 स्टेशनों का विकास किया जाएगा। जानकारी मिलती है कि इसके अंतर्गत किसी भी स्टेशन का नवीनीकरण और अपग्रेडेशन कम से कम डेढ़ साल के अंदर ही पूरा किया जाएगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारतीय बोर्ड द्वारा आरंभ 200 बड़े स्टेशनों के नवीनीकरण की योजना इस योजना से अलग है।इस योजना के माध्यम से सभी रेलवे स्टेशनों पर रूफ प्लाजा और सिटी सेंटर का विकास भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्टेशनों के नवीनीकरण में दिव्यांग नागरिकों के लिए स्पेशल सुविधा की भी व्यवस्था की जाएगी। इतना ही नहीं,इस योजना के माध्यम से स्टेशनों में नवीन सुविधाओं का आरंभ करने के साथ साथ पुरानी सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा। देश के ऐसे स्टेशन जहां पर विस्तृत तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता का अध्ययन किया गया है उन सभी स्टेशनों को भी इस योजना के तहत शामिल किया जाएगा। इससे देश के सभी नागरिकों को ट्रेनों की सही जानकारी प्राप्त हो सकेगी। रेलवे बोर्ड के द्वारा महत्वपूर्ण जगहों पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स, डिस्प्ले आदि का निर्माण किया जाएगा, ये दूर से भी बड़ी आसानी से देखे जा सकेंगे। इस योजना के माध्यम से प्रकाश(लाइट) की उत्तम सुविधा उपलब्ध करवाना, अवांछित संरचनाओं को हटाना, पैदल मार्ग बनाना, सड़क को चौड़ा करना और आधुनिकीकरण से पार्किंग एरिया बनाना आदि कार्यों को भी किया जाएगा।

क्या कांग्रेस के लिए कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश में चलेगा बजरंगबाण

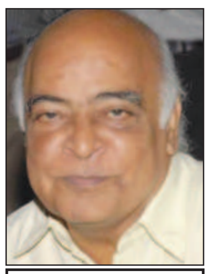

अशोक भाटिया

कर्नाटक चुनाव के बाद अब सियासत का नया ठिकाना मध्यप्रदेश बन चुका है। जहां हर चुनावी वादों, दावों के साथ सियासत गरमाने वाले मुद्दे आजमाए जा रहे हैं। खासकर वो मुद्दे अब मध्यप्रदेश में जोर-शोर से गूंज रहे हैं जिन्हें कांग्रेस कर्नाटक में TRY AND TEST कर चुकी है और शायद कांग्रेस यही मानकर चल रही है कि जो मुद्दे वहां बजरंग बाण साबित हुए, वे यहां भी बेड़ा पार लगाएंगे। कर्नाटक में सत्ता संभालते ही कांग्रेस ने धर्मांतरण संबंधी कानून निरस्त कर दिया। कर्नाटक फार्मूला कांग्रेस के लिए संजीवनी बन कर आया है लेकिन क्या ये फार्मूला मध्यप्रदेश में भी संजीवनी साबित होगा या यहां कांग्रेस को दूसरा फार्मूला लगाना होगा, इस बात का अंदाजा लगाना फिलहाल कठिन है। लेकिन फिलहाल तो कांग्रेस को कर्नाटक के मुद्दों पर ही भरोसा कर रही है। मध्यप्रदेश की सियासत में धर्मांतरण की सियासत सुलग ही जाती है। बीते दिनों भोपाल और इंदौर के साथ दमोह जैसे छोटे शहर भी सुर्खियों में आए तो सियासत भी खूब गरमाई और वार-पलटवार का भी दौर चला है। अब फिर कर्नाटक से बयार चली है। धर्मांतरण के मुद्दे की आग ने भी तेजी पकड़ी, वहीं भाजपा ने कांग्रेस से पूछा कि क्या ये पीसीसी चीफ कमलनाथ का भी स्टैंड है। गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस का हाथ, जिहादियों का हाथ बता दिया । मध्यप्रदेश की बात की जाए तो पिछले कुछ दिनों में धर्मांतरण की सियासत खूब सुलग रही है फिर चाहे वो दमोह के गंगाजमुना स्कूल का मामला हो या भोपाल और जबलपुर में संदिग्ध आंतकियों की गिरफ्तारी का मामला हो, जाहिर है भाजपा कर्नाटक में रद्द किए गए धर्मातरण कानून को एक मौके के तौर पर देख रही है।इधर भाजपा की आरोपों पर कांग्रेस ने भी पलटवार किया है। कांग्रेस का कहना है भाजपा नेता कर्नाटक की छोड़े, मध्यप्रदेश की बात करें। क्या कर्नाटक से उठी हवा मध्यप्रदेश में चिंगारी का काम करेगी, यह समझने के लिए फिलहाल थोड़ा इंतजार करना होगा लेकिन इतना तय है कि कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश की सियासत में नए सिरे से नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही हैं । गौरतलब है कि कमलनाथ 2015 में सांसद थे। तब उन्होंने अपने लोकसभा क्षेत्र छिंदवाड़ा के सिमरिया में भगवान हनुमान की एक विशाल प्रतिमा बनवाई। 101 फीट 8 इंच की ये प्रतिमा मध्य प्रदेश में हनुमान की सबसे ऊंची मूर्ति है। सिमरिया वाले इसी हनुमान मंदिर के पास कमलनाथ राम कथा करवा रहे हैं। कथा करने के लिए उन्होंने बागेश्वर धाम वाले पंडित धीरेंद्र शास्त्री को बुलाया है। तीन दिन की इस राम कथा को यूं तो पूरी तरह धार्मिक बताया जा रहा है लेकिन चुनावी माहौल में इसके राजनीतिक कारण छिपाए नहीं छिप रहे हैं। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में हिंदुत्व के पोस्टर बॉय बन रहे हनुमान भक्त पंडित धीरेंद्र शास्त्री 4 से 7 अगस्त तक राम कथा करेंगे। सिमरिया वाले हनुमान मंदिर के पास इस कार्यक्रम के लिए तीन विशाल डोम बनाए गए हैं। यहां शनिवार को राम कथा का आयोजन हुआ तो कमलनाथ पूरे परिवार के साथ पहुंचे और वहां आए लोगों को संबोधित भी किया। कमलनाथ मानना है कि भारत कोई आर्थिक शक्ति नहीं है। भारत कोई सैन्य शक्ति नहीं हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आध्यात्मिक शक्ति है। अपने संबोधन में कमलनाथ ने धीरेंद्र शास्त्री को महाराज कह कर पुकारते है और उन्हें भारत की आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक बताने लगे है । इस प्रकरण से कांग्रेस की राजनीति को देखने समझने वालों की भौं जरूर चढ़ गई होंगी। धर्मनिर्पेक्षता की बात करने वाली कांग्रेस पार्टी का नेता हिंदू राष्ट्र की खुली वकालत करने वाले शख्स को भारत की आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक बता रहे है। दरअसल ये एक बयान नहीं है, बल्कि देश की सबसे पुरानी पार्टी की बदलती रणनीति है। इस नीति के तहत पार्टी हिंदुत्व के मुद्दे पर अपना रुख नरम कर रही है ताकि कांग्रेस मुक्त भारत बनाने का सपना देखने वाले भाजपा के स्वभाविक से बन रहे हिंदू वोट बैंक में सेंध लगाई जा सके। साथ ही कमलनाथ ने इस बयान के जरिए शास्त्री के प्रशंसकों को अपनी ओर खींचने का प्रयास किया है। बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र शास्त्री मध्य प्रदेश के ही हैं और सूबे में उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है। ऐसे में कमलनाथ इस कार्यक्रम के जरिए बागेश्वर बाबा की लोकप्रियता को भी भुनाना चाहते हैं। अब तक ये काम भाजपा के नेता ही कर रहे थे, वो ही बागेश्वर बाबा की कथाएं करा रहे थे लेकिन अब इस लिस्ट में कांग्रेस पार्टी के नेता का नाम भी जुड़ गया है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भी इस कथा के दौरान कमलनाथ को अपना आशीर्वाद दिया। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसा बयान भी दे दिया, जिससे सूबे की आदिवासी जनता को साधा जा सके। शास्त्री ने कहा कि छिंदवाड़ा में वो कमलनाथ के आग्रह पर आए हैं और ये कथा आदिवासियों के सम्मान में की जा रही है। यहां बता दें कि छिंदवाड़ा आदिवासी बहुल इलाका है। सूबे की सियासत में 82 सीटों पर जनजाति समाज का सीधा दखल है। ऐसे में कोई पार्टी इस वोट बैंक को हाथ से छिटकने नहीं देना चाहती। पिछले काफी समय से इस वर्ग को हिंदू धर्म से जोड़ते हुए दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। अब कांग्रेस भी इस प्रयास में बाधा बनने की जगह इस अवसर का फायदा उठाने की कोशिश में लग गई है। आदिवासी समाज को लुभाने के लिए एक तरफ कमलनाथ ने उनके इलाके में रामकथा कराई है तो कांग्रेस पार्टी के नेता पिछले कुछ समय से उन्हें शिव और हनुमान से जोड़ रहे हैं। पिछले दिनों कांग्रेस पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री उमंग सिंघार ने हनुमान को आदिवासी बताया था। उन्होंने कहा कि भगवान राम को लंका ले जाने वाली बंदरों की सेना नहीं बल्कि आदिवासी लोग थे। उनसे पहले वरिष्ठ विधायक अर्जुन सिंह काकोडिया भी हनुमान को आदिवासी बता चुके थे। इस समय कमलनाथ बाबा से आशीर्वाद पाने के लिए बेचैन रहे क्योंकि साल चुनावी है ऐसे में कमलनाथ की चाह सियासी आशीर्वाद की रही । हवा देखकर सियासत का रुख बदलने में माहिर कमलनाथ बाबा बागेश्वर के सहारे अपना सियासी एजेंडा सेट करने में लगे हैं। वो एक तीर से दो निशाने लगा रहे हैं। एक विधानसभा चुनाव में जीत दर्जकर सत्ता में वापसी हो जाए। साथ ही अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में बेटे का सियासी भविष्य मजबूत करना। दरअसल मध्य प्रदेश में 20 आदिवासी बाहुल्य जिले हैं जहां कुल 84 विधानसभा सीटों पर आदिवासी वोटर जीत के सबसे बड़े फैक्टर हैं। 2013 में इन 84 में 59 सीट भाजपा ने जीती थी लेकिन 2018 में ये ग्राफ घटकर 34 पहुंच गया और भाजपा सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस इसी स्ट्राइक को बरकरार रखना चाहती है और इसीलिए आदिवासी समाज के नाम पर बाबा का दरबार सजाया गया है। मध्य प्रदेश में साल के आखिर में चुनाव हैं ऐसे में नकुलनाथ को राम और हनुमान दोनों एक साथ याद आ रहे हैं। हालांकि नकुलनाथ सभी धर्मों की बात करके कांग्रेस को हिंदूवादी पार्टी के टैग से भी बचाने में भले लगे हैं । बागेश्वर सरकार अपनी हर कथा में हिंदू राष्ट्र और राम राज्य लाने का दावा करते हैं इसलिए नकुलनाथ से साफ कर दिया कि बाबा बागेश्वर की छिंदवाड़ा में केवल कथा हो रही है। बाबा के हिंदू राष्ट्र के एजेंडे से कांग्रेस का लेना देना नहीं है। बाबा का जो दिव्य दरबार लगने जा रहा है ऐसे में कमलनाथ की यही अर्जी लगी है कि एक बार फिर उन्हें मध्य प्रदेश के सीएम की कुर्सी मिल जाए।

शर्मनाक है बच्चों से बर्बरता की पाशविक वारदातें

मनोज कुमार अग्रवाल

बच्चों के साथ देश के अलग अलग हिस्सों में पा श वि क बर्बरता की घटनाएं आम हो चली हैं। देश में बाल सुरक्षा के तमाम कानून व बाल आयोग बाल कल्याण एवं विकास मंत्रालय आदि होने के बावजूद बच्चों के साथ दुराचार पशुवत व्यवहार व घृणित अपराध का सिलसिला थमने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। जिस से लगता है कि अपराधियों में कानून व्यवस्था का कोई भय नहीं है। बीते २४घंटे में सामने आई कुछ वारदातों से आपको रूबरू कराते हैं जिन्हें जानकर रूह कांप जाएगी। उत्तरप्रदेश के सिद्धार्थनगर में दो बच्चों के साथ दबंगों ने जो कुछ किया उसे बयान करना भी शर्मसार करता है। इस बेहद बर्बरता भरी हरकत का वीडियो सामने आया है। यहां एक पोल्ट्री फॉर्म से मुर्गा और पैसे चोरी के आरोप में कुछ लड़कों ने दो नाबालिग बच्चों को पकड़ लिया। दोनों के प्राइवेट पार्ट में हरी मिर्च डाल दी। इसके बाद सिरिंज में पेट्रोल भरकर इंजेक्शन लगा दिया। आरोपियों ने दोनों बच्चों को बोतल में पेशाब भरकर पिला दी। दोनों दर्द के मारे कराहते और रोते रहे, लेकिन दरिंदगी करने वाले नहीं रुके। इसके बाद उन्हें बंधक बनाकर पीटा। दरिंदगी की यह वारदात डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के कोनकटी चौराहे की है। शुक्रवार ४अगस्त की इस वारदात जिसका वीडियो ५अगस्त शनिवार को सामने आया। 8 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस इनमें से 6 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एएसपी सिद्धार्थ ने भी घटनास्थल का जायजा लेते हुए पीड़ितों से मुलाकात की है। कोनकटी चौराहे पर सऊद का पोल्ट्री फॉर्म है। शुक्रवार दोपहर 2 बजे सऊद और 5 अन्य लोगों ने तुरकौलिया तिवारी और झहरांव के दो बच्चों को पैसे और मुर्गा चुराने के आरोप में पकड़ लिया। इसके बाद उन्होंने दोनों को फार्म के अंदर बांधकर बुरी तरह से पीटा। इतना ही नहीं, आरोपियों ने मिर्च तोड़कर जबरन दोनों बच्चों के प्राइवेट पार्ट में भर दी। इस दौरान वीडियो में एक शख्स पेट्रोल का इंजेक्शन लगाते भी नजर आ रहा है। दरिंदगी की इंतहा तब हो गई जब उन्होंने खुद पेशाब की और उसे बोतल में भरकर दोनों बच्चों को पिला दिया। वीडियो में दोनों बच्चे हरी मिर्च चबाकर बोतल में भरी पेशाब को पीते भी नजर आ रहे हैं। आरोपियों ने पहले पूरी दरिंदगी का हंसते हुए वीडियो बनाया और फिर खुद ही उसे वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ितों के परिजनों ने पथरा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। घटना की जानकारी मिलने पर एएसपी सिद्धार्थ आनन-फानन में पीड़ितों से मिलने पहुंचे। दोनों के परिवारों को कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया। एएसपी के मुताबिक फिलहाल दोनों बच्चों की हालत ठीक है। उनका इलाज कराया जाएगा। पोल्ट्री फॉर्म संचालक पिछले 3 साल से बिना रजिस्ट्रेशन न सिर्फ फार्म का संचालन कर रहा है, बल्कि मौके पर वह मुर्गों को काटकर बेचता भी है। जबकि नियम ये है कि अगर पोल्ट्री फार्म पर मुर्गे काटकर बेचे जाते हैं, तो उस फार्म का रजिस्ट्रेशन खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में होना चाहिए। डीओ जीके दुबे ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। विभाग जांच कर संचालक पर कार्रवाई करेगा।एएसपी सिद्धार्थ के अनुसार पथरा पुलिस को तहरीर मिल चुकी है। वीडियो को भी देखा गया है। बर्बरता की हद पार की गई है। 6 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उधर बरेली में एक कलियुगी सगी मां ने 4 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी और खुद को बचाने के लिए ससुराल पक्ष वालों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने जांच के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। महिला ने बताया कि मैं अपने पति और ससुरालियों को फंसाना चाहती थी। इसलिए बेटी को गला दबाकर मार दिया।भमोरा थाना क्षेत्र के गांव नत्था गोटिया निवासी दामोदर की 4 वर्षीय बेटी प्रियंका की हत्या के आरोप में आज पुलिस ने उसकी मां कमलेश को गिरफ्तार कर लिया। एसपी देहात राजकुमार अग्रवाल के अनुसार 3 अगस्त को दामोदर ने अपनी पत्नी कमलेश के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बेटी प्रियंका की हत्या का आरोप लगाया था। तब पुलिस ने मामले की जांच शुरू की जांच के दौरान पुलिस ने कमलेश को हिरासत में ले लिया और पूछताछ की तब पता चला कि कमलेश के अपने पति और ससुराल पक्ष के लोगों से 4 साल से विवाद चल रहा था। प्रयागराज के करछना थाना अंतर्गत एक गांव में 8 साल के बच्चे के साथ पड़ोस के दो भाइयों ने सामूहिक अप्राकृतिक दुष्कर्म किया गया। खून से लथपथ बच्चे को जब घरवालों ने देखा तो उनके पैरों तले से जमीन फिसल गई। परिवार के लोगों ने दो लोगो के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने बच्चे को इलाज के लिए भेज दिया है और दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। रायबरेली में एक पिता ने मां की गोद से लेकर 2 माह की बच्ची को सड़क पर पटक दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई है। आसपास के लोगों की मदद से मां उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मामला हरचंदपुर थाना क्षेत्र के मचवाला गांव का है। बलिया कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में शनिवार के दिन संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर का शव पेड़ से लटका मिला। जिससे सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। यह तो सिर्फ बानगी है देश में ऐसा कोई प्रदेश नहीं है जहां रोजाना कहीं न कहीं बच्चों के साथ जुल्म की पाशविक वारदातें सामने नहीं आती हों। ऐसी स्थिति में तमाम कानून व्यवस्था की बातें बेमानी हो जाती है बच्चे कल का भविष्य व आज का वर्तमान हैं इनके साथ दुराचार पाशविक बर्बरता ईश्वर के प्रति अपराध है।इक्कीसवीं सदी में भी समाज कबीलाई सोच में जी रहा है इस से अधिक शर्मनाक क्या हो सकता है कि हम इंसान होकर बच्चों के साथ इस तरह का घिनौना व्यवहार कर रहे हैं जो एक पशु भी बच्चे के साथ नहीं करते हैं। हम सभी को जागरूक होकर बच्चों के साथ दरिंदगी की वारदातों को रोकने के लिए आगे आना चाहिए और इस तरह की क्रूरता या अपराध की जानकारी होने पर तत्काल पुलिस व सक्षम अधिकारियों को सूचना देना चाहिए।

राजा का बज गया बैंड बाजा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

राजा ने जनता से पूछा – आजकल हमारी नीतियों को लेकर आप लोगों की क्या राय है? जनता में से एक ने उठकर कहा – यदि आप बुरा न मानें तो आपको एक कहानी सुनाना चाहता हूँ। कहानी सुनते ही आपको सब कुछ समझ में आ जाएगा।

राजा ने हामी भरते हुए कहानी सुनाने की अनुमति दी। बहुत दिनों बाद जनता में से किसी को राजा के सामने बात करने का अवसर मिला था। वह कहाँ चुप बैठने वाला था। उसने कहानी शुरु की – "एक राजा था। वह एक आँख से अंधा था। उसे इस बात का कोई दुख नहीं था। अपने तलुवाचाटु मंत्रियों पर उसे पूरा विश्वास था कि उनके रहते उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। दूसरी ओर उसके मंत्री बड़े होशियार थे इसलिए वे राजा की झूठी प्रशंसा कर अपना मतलब साधने की फिराक में रहते थे।

एक दिन एक मंत्री ने राजा की एक आँख से अंधेपन की प्रशंसा कर अपनी लालच की झोली ढेर सारे उपहारों से भरने की योजना बनाई। मौका मिलते ही वह राजा के सामने हाजिर हुआ। उसने राजा से कहा – "राजन! आप जब अपनी पत्नी के साथ होते हैं तो आप और आपकी पत्नी की आँखें मिलकर त्रिनेत्र शिव के दर्शन करवाते हैं। वैसे आप अकेले होने पर शुक्राचार्य से प्रतीत होते हैं। आप अन्यथा न लें तो... राजा मंत्री के मुख से अपना गुणगान सुनकर इतने भाव विभोर हो गए कि उसके बीच में रुक जाने पर विचलित हो उठे। उनसे रहा नहीं गया। उन्होंने मंत्री से मैं तुम्हारे मुखमंडल से प्रशंसा के शब्द सुनकर अत्यंत प्रसन्न हूँ। किंतु प्रशंसा को इस तरह से बीच में रोकना ठीक नहीं है। इसे पूरा करो। तुम मेरी इतनी प्रशंसा कर रहा हो। मैं अन्यथा क्यों लूँगा? उल्टे तुम्हें उपहार देने के लिए पागल हुआ जा रहा हूँ।

राजा से प्रोत्साहन पाकर मंत्री ने आगे कहा कि यदि आपकी बची खुची दूसरी आँख की रोशनी भी चली जाती तो आप कौरवपति धृतराष्ट्र से महान सम्राट बन जाते। यह सुनकर राजा गद् गद् हो उठा। उसने मंत्री की झोली उपहारों से भर दी।" राजा कहानी बड़े ध्यान से सुन रहा था। कहानी समाप्त होने से पहले ही जनता रक्तचूसक नीतियों का उपाय बताने वाले चमचे वहाँ से नौ दो ग्यारह हो चुके थे। राजा अपनी लंबी दाढ़ी पर हाथ फेरते उन्हें आवाज़ देने लगा।

अद्भुत, अकल्पनीय था भारत छोड़ो आंदोलन

मुनीष त्रिपाठी

भारत सरकार देश के बलिदानियों, स्वतंत्रता सेनानियों की याद में मेरा माटी, मेरा देश अभियान की शुरुआत होने जा रही है। इस आशय की घोषणा पीएम मोदी ने बीते 30 जुलाई को लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में घोषणा की। इस दौरान देश के महान बलिदानियों, स्वतंत्रता सेनानियों की याद में देश के लाखों गांवों में शिलालेख लगाए जायेंगे । इसके अलावा एक विशाल कलश यात्रा भी निकाली जायेगी इसके तहत देश के प्रत्येक कोने के गांवों की मिट्टी के साथ 7500 कलश दिल्ली लाये जायेंगे साथ ही देश के विभिन्न भागों से पौधे भी लाये जायेंगे जिससे अमृत वाटिका तैयार की जायेगी। देश के बलिदानियों, स्वतंत्रता सेनानियों की याद की जाए और अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की चर्चा न हो ऐसा हो ही नही सकता। यह आंदोलन विशाल था, अद्भुत था, अकल्पनीय था साथ ही नेतृत्व विहीन था लेकिन स्वतःस्फूर्ति था । 8 अगस्त 1942 को तत्कालीन कांग्रेस पार्टी ने महात्मा गाँधी के नेतृत्व में मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान से अंग्रेज भारत छोड़ो आंदोलन शुरू कर दिया। इसे अगस्त क्रांति भी कहा जाता है। यह आंदोलन अद्भुत था। इसकी प्रकृति अनूठी थी। भारतीय जनता की विशाल भागीदारी के बावजूद इस आंदोलन का खुलकर विरोध तत्कालीन मुस्लिम लीग और कम्युनिस्ट पार्टी ने किया था। आंदोलन शुरू कराने के लिए महात्मा गाँधी को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। कांग्रेस महात्मा गाँधी के भारत छोड़ो प्रस्ताव पर एकमत नहीं थी। गाँधी जी किसी भी कीमत पर यह आंदोलन शुरू करने पर अडिग थे। उन्हे अपनी बात मनवाने के लिए कांग्रेस को चेतावनी देते हुए कहा अगर उनके संघर्ष के प्रस्ताव को स्वीकार नही किया तो मै देश की बालू से ही कांग्रेस से बड़ा आंदोलन खड़ा कर दूंगा। महात्मा की धमकी का असर कांग्रेस के भीतर हुआ परिणाम स्वरूप कांग्रेस कार्यसमिति ने 14 जुलाई 1942 को वर्धा में गाँधी के प्रस्ताव पर स्वीकृति दे दी। अगले महीने 8 अगस्त को अंग्रेजों भारत छेड़ो आंदोलन का एलान हुआ । महात्मा गाँधी ने करो या मरो का मंत्र दिया अर्थात या तो हम भारत को आजाद कराएंगे अथवा इस कोशिश में अपना जीवन बलिदान करेंगे। अपनी गुलामी के स्थायित्व देखने के लिए हम जिंदा नही रहेंगे। उन्होंनें आवाहन किया सरकारी कर्मचारी अपनी नौकरी छोड़कर कांग्रेस के प्रति अपनी निष्ठा प्रगट करें। भारतीय सैनिक देशवासियों पर गोली चलाने से मना कर दें तथा राजा महाराजा भारतीय जनता की प्रभुसत्ता स्वीकार कर लें । कांग्रेस कार्यसमिति ने प्रस्ताव पारित कर साफ साफ कर कहा कि ऐसा समय आ सकता है जब निर्देश देना सम्भव न हो सके अथवा निर्देश लोगों तक पहुँच ही न सके अथवा कांग्रेस कार्यसमिति काम ही न कर सके तब ऐसी परिस्थिति में प्रत्येक आंदोलन कारी को खुद नेतृत्व सम्भालना होगा। आंदोलन की घोषणा के तत्काल बाद ही कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं को महात्मा गाँधी समेत गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन इसके बावजूद आंदोलित जनता ने खुद नेतृत्व अपने हाथों में ले लिया। हालाँकि महिला नेत्री अरुणा आसफ अली ने नेतृत्व विहीन आंदोलन को नेतृत्व देने का प्रयास किया । अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे ज्यादा प्रभाव यूपी, बिहार और महाराष्ट्र में पड़ा यहां रेलवे, डाक विभाग आदि की व्यवस्था कई दिनों तक लगभग ठप्प रही। देश के कुछ स्थानों में समांतर सरकारें स्थापित हुई। यूपी के बलिया में गांधीवादी नेता चित्तू पांडे के नेतृत्व में सरकार स्थापित हुई। इसी प्रकार बंगाल के मिदनापुर और महाराष्ट्र के सतारा जिले में दीर्घ कालीन सरकारें स्थापित हुई। सतारा में तो राष्ट्रीय सरकार सबसे लम्बी अवधि के लिए तीन साल से ज्यादा समय तक चली। महात्मा गाँधी से प्रेरित होकर औंध रियासत के राजा ने समांतर सरकारों के लिए एक लघु संविधान का निर्माण किया। आंदोलन के दौरान देश में कुछ स्थानों पर कोई सरकार ही नहीं थी। यहां पर आंदोलनकारियों ने सरकारी व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया था। राम मनोहर लोहिया, बीजू पटनायक जैसे बड़े नेता जिन्हे पुलिस गिरफ़्तार नहीं कर सकी थी भूमिगत होकर आंदोलन को गति दे रहे थे। ऊषा मेहता और डॉ राम मनोहर लोहिया तो कई दिनों तक मुंबई से भूमिगत होकर आंदोलन को तेज गति देने के रेडियो स्टेशन का सफल संचालन करते रहे इसकी ब्रिटिश हुकूमत को भनक तक नही लग सकी।

बिहार के हजारीबाग जेल में बंद जयप्रकाश नारायण तो पुलिस की आँखों में धूल झोंककर भाग निकले। देशी उद्योगपतियों ने भी आंदोलन कारियों के लिए पिटारा खोल दिया । महिला उद्योगपति समिति मोरारजी ने तो अच्युत पटवर्धन को गिरफ्तारी से बचाने के लिए कई दिनों तक प्रति दिन एक नई कार मुहैया करवाई ।

आज मनाई जाएगी कालाष्टमी

भैरव स्तुति से हर समस्या का समाधान होगा

सनातन धर्म में कालाष्टमी विशेष महत्व रखती है। धार्मिक शास्त्रों में कालाष्टमी के दिन भगवान भोलेनाथ के काल भैरव अवतार की पूजा-अर्चना करने का विधान बताया गया है। हिंदू पंचांग के अनुसार, 1 साल में 12 कालाष्टमी आती है। इस दिन भैरव बाबा की पूजा की जाती है।

इस बार कालाष्टमी 8 अगस्त 2023 दिन मंगलवार को पड़ रही है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार, काल अष्टमी के दिन भैरव स्तुति का पाठ करने से हर संकट से मुक्ति मिल सकती है, साथ ही इसके पाठ से कई लाभ भी होते हैं।

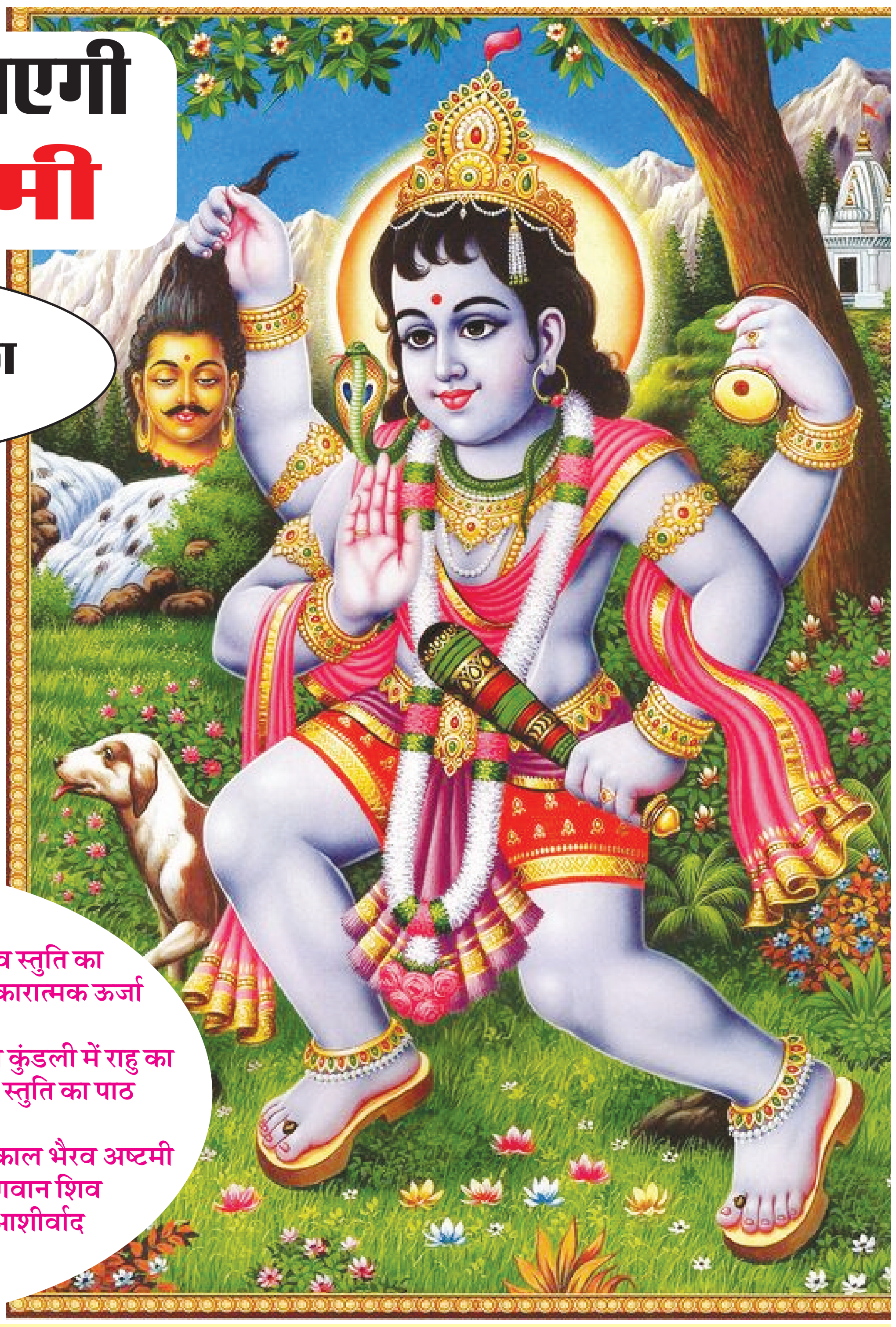

काल भैरव स्तुति पाठ के फायदे

-जो व्यक्ति काल अष्टमी के दिन भैरव स्तुति का पाठ करता है, उसके जीवन से भय और नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।

-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन जातकों की कुंडली में राहु का दुष्प्रभाव है, उन्हें कालाष्टमी के दिन भैरव स्तुति का पाठ करना चाहिए।

-धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो जातक काल भैरव अष्टमी के दिन इसका पाठ करता है तो उसे भगवान शिव और उनके काल भैरव अवतार का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

भैरव स्तुति

यं यं यं यक्षरूपं दशदिशिविदितं भूमिकम्पायमानं। सं सं संहारमूर्तिं शिरमुकुटजटाशेखरं चन्द्रबिम्बम।। दं दं दं दीर्घकायं विकृतनखमुखं चोर्ध्वरोमं करालं। पं पं पं पापनाशं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम।। रं रं रं रक्तवर्णं कटिकटिततनुं तीक्ष्णदंष्ट्राकरालं। घं घं घं घोषघोषं घ घ घ घ घटितं घर्घरं घोरनादम।। कं कं कं कालपाशं धृकधृकधृकितं ज्वालितं कामदेहं। तं तं तं दिव्यदेहं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम।। लं लं लं लं वदन्तं ल ल ल ल ललितं दीर्घजिह्वाकरालं। धुं धुं धुं धूम्रवर्णं स्फुटविकटमुखं भास्करं भीमरूपम्।। रुं रुं रुं रुण्डमालं रवितमनियतं ताम्रनेत्रं करालं। नं नं नं नग्नभूषं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम्।। वं वं वं वायुवेगं नतजनसदयं ब्रह्मपारं परं तं। खं खं खं खड्गहस्तं त्रिभुवननिलयं भास्करं भीमरूपम।। टं टं टं टङ्कारनादं त्रिदशलटलटं कामवर्गापहारं। भृं भृं भृं भूतनाथं प्रणमत सततं भैरवं क्षेत्रपालम्।। इत्येवं कामयुक्तं प्रपठति नियतं भैरवस्याष्टकं यो। निर्विघ्नं दुःखनाशं सुरभयहरणं डाकिनीशाकिनीनाम।। नश्येद्धिव्याघ्रसर्पौ हुतवहसलिले राज्यशंसस्य शून्यं। सर्वा नश्यन्ति दूरं विपद इति भृशं चिन्तनात्सर्वसिद्धिम।। भैरवस्याष्टकमिदं षण्मासं यः पठेन्नरः।। स याति परमं स्थानं यत्र देवो महेश्वरः ।।

वक्री होकर शुक्र ने किया राशि परिवर्तन

7 अगस्त, सोमवार को शुक्र वक्री होकर सिंह राशि से पीछे की ओर यानी कर्क राशि में प्रवेश कर गया है। सूर्य के नजदीक होने से ये अस्त भी रहेगा। ये 18 अगस्त को उदय हो जाएगा। इसके बाद 4 सितंबर को मार्गी यानी अपनी मूल चाल से चलने लगेगा। फिर 2 अक्टूबर को सिंह राशि में प्रवेश करेगा।

मेषः परिवार में सुख बढ़ेगा। नए दोस्त बनेंगे। सम्मान मिलेगा। वाहन और भवन बढ़ने के योग हैं। नौकरी में सफलता मिल सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को फायदा मिल सकता है।

वृषः समाज में सम्मान बढ़ेगा। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। पराक्रम बढ़ेगा। सेविंग बढ़ेगी। अचल संपत्ति में फायदा होगा। समय अच्छा है। कम मेहनत में ज्यादा सफलता मिलने के योग हैं। धर्म कर्म में दिलचस्पी बढ़ेगी। दूर स्थान के लोगों से इनकम हो सकती है।

मिथुनः सेविंग खत्म होगी लेकिन इनकम भी होगी। परिवार पर खर्चा होगा। मांगलिक काम होंगे। मकान भूमि का सुख बढ़ेगा। सेहत संबंधी परेशानी दूर होगी। लोगों की सेवा सत्कार पर खर्चा हो सकता है।

कर्कः समय अच्छा है। फायदा मिलेगा। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। भोग पर बहुत खर्चा होगा। पराक्रम और सम्मान बढ़ेगा। भाइयों और दोस्तों का साथ मिलेगा। सुख बढ़ेगा। नौकरी में सफलता मिलने के योग हैं।

सिंहः घर में नए निर्माण पर खर्चा हो सकता है। धार्मिक काम और खुद पर खर्चा हो सकता है। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। विदेश से धन लाभ होगा और मदद मिल सकती है। धन में वृद्धि के योग हैं। किस्मत का साथ मिलेगा। कार्यक्षैत्र में सफलता मिलेगी।

कन्याः इनकम और दांपत्य जीवन में सुख बढ़ेगा। सफलता मिलेगी। समाज में सम्मान और संतान से सुख मिलेगा, लेकिन खर्चा बढ़ेगा और सेहत संबंधी भी परेशानी हो सकती है। कार्यक्षैत्र में भी थोड़ी परेशानी होने की आशंका है।

तुलाः कार्यक्षैत्र में परेशानी और विरोध बढ़ सकता है। सेहत ठीक नहीं रहेगी। पिता की भी सेहत गड़बड़ा सकती है। फायदा तो होगा लेकिन थोड़ा कम। किस्मत का भी साथ मिल सकता है। प्रॉपर्टी या व्हीकल खरीदना चाहते हैं तो सावधानी रखें।

वृश्चिकः मिलाजुला समय रहेगा। सेहत संबंधी परेशानी हो सकती है। किस्मत का साथ मिलेगा। कामों में सफलता मिलेगी, लेकिन विवाद और परेशानी भी हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों की तरक्की के योग हैं। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। सफलता मिलने में देरी हो सकती है।

धनुः सेविंग खत्म होगी। परेशानियां बढ़ सकती हैं। सेहत गड़बड़ा सकती है। मेहनत ज्यादा करनी पड़ सकती है। पिता की सेहत का ध्यान रखें। खान पान में सावधानी रखें। गैर कानूनी कामों से बचें। पिता से मतभेद होने की भी आशंका है।

मकरः हर तरह से अच्छा समय है। दांपत्य सुख बढ़ेगा। मेहनत से फायदा होगा। धार्मिक कामों में मन लगेगा। प्रॉपर्टी और व्हीकल से जुड़ा कोई काम करने की मन है तो कर सकते हैं। नया बिजनेस करने के लिए समय अच्छा है। अपनी और माता-पिता की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभः खर्चा बढ़ेगा। यात्रा सावधानी से करें। दांपत्य जीवन में सावधानी रखें। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। जीवनसाथी के साथ कलह हो सकता है। पार्टनरशीप में बिजनेस करते हैं तो पार्टनर से वैचारिक मतभेद होने की आशंका है। दुश्मनों पर जीत मिलेगी।

मीनः धन लाभ होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। तंत्र-मंत्र में दिलचस्पी बढ़ेगी। नए कपड़े और आभूषण मिल सकते हैं। विद्या और संतान सुख बढ़ेगा। स्टूडेंटस और नौकरीपेशा लोगों को सफलता मिलने के योग हैं। सेहत संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

सीधे शिवलिंग पर नहीं चढ़ाना चाहिए जल

भगवान शिव को जल चढ़ाने का महत्व

शिवलिंग को सर्वोच्च ईश्वर भगवान शिव का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व माना जाता है। यह उस ब्रह्मांडीय ऊर्जा का प्रतीक है जिसने ब्रह्मांड को बनाया और बनाए रखा है। भक्त दैवीय शक्ति के प्रति अपनी श्रद्धा, कृतज्ञता और समर्पण व्यक्त करने के लिए शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं। पानी पवित्रता का प्रतीक है, और इसे डालने का कार्य किसी के अहंकार और इच्छाओं को सर्वशक्तिमान को समर्पित करने का प्रतीक है।

सही तरीके से जल चढ़ाने का महत्व

भृंगी की कहानी परमात्मा को एक एकीकृत ऊर्जा के रूप में पहचानने के महत्व पर प्रकाश डालती है जिसमें शिवशक्ति दोनों शामिल हैं। इस प्रकार, शिवलिंग पर जल चढ़ाते समय, भक्तों को आमतौर पर पास में देवी पार्वती की प्रतिमा पर भी जल चढ़ाना चाहिए।

इस विधि से शिवलिंग में चढ़ाएं जल

शिव पुराण के अनुसार, महादेव को जल चढ़ाते समय कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इसलिए कभी भी जल चढ़ाते समय तेज दारा न अर्पित करें, बल्कि धीरे-धीरे चढ़ाएं और शिव मंत्र का जाप करते रहें।

तांबे, कांसे या फिर चांदी के पात्र में जल लेकर सबसे पहले जलहरी के दाईं तरफ चढ़ाएं, जो गणेश जी का स्थान माना जाता है। जल चढ़ाते समय गणेश मंत्र को बोले।

दाएं ओर जल चढ़ाने के बाद बाईं ओर जल चढ़ाएं। इसे भगवान कार्तिकेय का स्थान माना जाता है।

दाएं और बाएं ओर चढ़ाने के बाद जलहरी के बीचों-बीच जल चढ़ाएं। इस स्थान को शिव जी की पुत्री अशोक सुंदरी की मानी जाती है। अशोक सुंदरी को जल चढ़ाने के बाद जलधारी के गोलाकार हिस्सा में जल चढाएं। इस स्थान को मां पार्वती का हस्तकमल होता है।

अंत में शिवलिंग में आहिस्ता-आहिस्ता शिव मंत्र बोलते हुए जल चढ़ाएं। भगवान शिव के शिवलिंग पर जल चढ़ाने की प्रथा हिंदू धर्म में एक पवित्र और सार्थक प्रथा है। दैवीय शक्तियों की एकता को स्वीकार करते हुए, सही समझ और भक्ति के साथ इस कार्य को करना आवश्यक है। भृंगी की कहानी एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है कि देवत्व लिंग से परे है, और शिव शक्ति दोनों ब्रह्मांडीय व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। जल चढ़ाने की सही विधि का पालन करके, भक्त भगवान शिव के साथ अपने आध्यात्मिक संबंध को गहरा कर सकते हैं और आनंदमय और सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए उनका आशीर्वाद मांग सकते हैं।

सबसे पुराना शैव मंदिर लकुलिसा में

लकुलिसा मंदिर, जो सुरम्य पावागढ़ पहाड़ी के ऊपर शांत रूप से स्थित है, प्राचीन भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रसिद्ध शैव स्कूलों में से एक, पशुपति शैव धर्म के समृद्ध इतिहास का प्रमाण है। इस मंदिर का निर्माण दसवीं शताब्दी में पाशुपता शैव धर्म के प्रतिष्ठित नेता लाकुलिसा ने करवाया था। लकुलिसा मंदिर, अब ज्यादातर खंडहर में होने के बावजूद, अभी भी अपने पूर्व वैभव के आकर्षक निशान हैं, जो आगंतुकों को उस समय की उत्तम हिंदू स्थापत्य शैली की झलक देते हैं। लाकुलिसा के साथ इसका संबंध, जिसे भगवान शिव का 28 वां अवतार माना जाता है, लाकुलिसा मंदिर को ऐतिहासिक महत्व देता है। वह एक महान ऋषि और आध्यात्मिक मार्गदर्शक थे, जिन्हें पाशुपति शैव धर्म की शिक्षाओं को फैलाने के लिए पहचाना जाता है, एक संप्रदाय जो भगवान शिव को सर्वोच्च प्राणी मानता है।

लकुलिसा मंदिर भक्तों और विद्वानों के लिए एक श्रद्धेय स्थान है जो इस प्राचीन परंपरा के गहन ज्ञान से जुड़ना चाहते हैं। शैव धर्म हिंदू दर्शन के प्रमुख स्कूलों में से एक है, और यह इसके भीतर एक प्रमुख स्थान रखता है।

मंदिर अभी भी समय और तत्वों के कारण होने वाले नुकसान के बावजूद अपने पूर्व वैभव के लुभावनी संकेत प्रदान करता है। मंदिर की शोभा बढ़ाने वाली जटिल मूर्तियां पारंपरिक भारतीय शिल्पकारों के कुशल काम का प्रमाण हैं।

दिव्य शिक्षक, दक्षिणामूर्ति शिव के रूप में भगवान शिव की प्रतिष्ठित मूर्ति, उल्लेखनीय मूर्तियों में से एक है। पाशुपता शैव दर्शन का व्यक्तित्व, आकृति शांत ज्ञान की भावना को दर्शाती है।

गणेश, हाथी के सिर के साथ श्रद्धेय देवता, मंदिर में मौजूद हैं, जो इसे स्वर्गीय कृपा प्रदान करते हैं। गणेश जी, जिन्हें हिंदू धर्म में बाधाओं को दूर करने वाले के रूप में एक विशेष तरीके से पूजा जाता है, आध्यात्मिक रूप से आत्मज्ञान की राह का प्रतिनिधित्व करते हैं।

गजन्तक शिव एक शानदार मूर्ति है जो भगवान शिव को उनके उग्र रूप में अज्ञानता और बुराई के विनाशक के रूप में दिखाती है। इन मूर्तियों की जटिलता और विस्तार पर सावधानीपूर्वक ध्यान मंदिर के डिजाइनरों की असाधारण गहरी आध्यात्मिकता का प्रतिबिंब है।

लकुलिसा मंदिर समय के प्रभाव के बावजूद प्राचीन भारत के वास्तुशिल्प चमत्कारों की एक झलक प्रदान करता है। उस समय के शिल्पकारों की आविष्कारशीलता और शिल्प कौशल मंदिर के डिजाइन और निर्माण में स्पष्ट है।

मंदिर की शेष संरचनाएं अभी भी इसके निर्माण में उपयोग की जाने वाली इंजीनियरिंग सरलता और कलात्मक कौशल के प्रमाण के रूप में काम करती हैं, भले ही ऊपरी भाग का अधिकांश हिस्सा दूर हो गया हो। लाकुलिसा मंदिर का दौरा करके और इसके मूल रूप की भव्यता की कल्पना करके इस पवित्र निवास को बनाने में चली गई भक्ति और श्रद्धा की सराहना करना संभव है।

पावागढ़ पहाड़ी की चोटी पर, लकुलिसा मंदिर एक श्रद्धेय स्थान है जो अभी भी पाशुपति शैव धर्म की आध्यात्मिक छाप रखता है। सदियों बीत जाने के बाद भी, मंदिर की जटिल मूर्तियां और वास्तुशिल्प अवशेष अभी भी विस्मय और श्रद्धा को प्रेरित करते हैं। यह आगंतुकों को पशुपति शैव धर्म के कालातीत ज्ञान से जुड़ने और इसके निर्माताओं की स्थापत्य प्रतिभा पर विस्मय करने के लिए आमंत्रित करता है, जो प्राचीन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के प्रमाण के रूप में कार्य करता है। इस मंदिर की यात्रा समय की एक यात्रा है जो किसी को अतीत के रहस्य में प्रवेश करते हुए हिंदू दर्शन और कला के समृद्ध टेपेस्ट्री का पता लगाने में सक्षम बनाती है।

श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता की सीख

रामायण में हनुमान जी ने श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता करवाई थी। पहली मुलाकात में श्रीराम ने सुग्रीव से कहा कि मैं मेरी पत्नी सीता को खोज में जंगल-जंगल भटक रहा हूं, लेकिन आप तो राजा हैं। आप जंगल में क्यों रह रहे हैं? सुग्रीव ने श्रीराम से कहा कि मेरा एक बड़ा भाई है बालि। वही मेरा शत्रु हो गया है। पहले सब ठीक था, लेकिन एक दिन हमारे राज्य में एक राक्षस आ गया तो बालि उसे मारने गया। बालि बहुत बलवान है और वह शत्रु को जीवित नहीं छोड़ता है। बालि उस राक्षस को मारने के लिए गया तो मैं भी उनके पीछे-पीछे चला गया।

राक्षस भागते हुए एक गुफा में घुस गया, बालि भी उसके पीछे गुफा में चला गया। मैं गुफा के बाहर ही खड़ा था। कुछ समय बाद गुफा से बाहर रक्त बहने लगा, मुझे लगा कि राक्षस ने बालि को मार दिया। मैं डरकर वहां से अपने राज्य लौट आया।

राज्य के लोगों ने बालि की मरा समझकर मुझे राजा बना दिया, लेकिन कुछ दिन बाद बालि जीवित लौट आया। उसने मुझे राजा बना देखा तो वह मुझे ही शत्रु समझने लगा। बालि ने मेरी पत्नी को बलपूर्वक अपने पास रख लिया है और मैं अपने प्राण बचाने के लिए जंगल में छिपा हुआ हूं।

श्रीराम ने सुग्रीव की पूरी बात सुनी और कहा कि ठीक है मैं आपकी मदद करूंगा।

पहले तो सुग्रीव को श्रीराम पर भरोसा नहीं हुआ। वह सोचने लगा कि बालि तो इतना बलवान है, राम उसे कैसे मार सकते हैं? ये कैसे मेरी मदद कर पाएंगे?

सुग्रीव के चेहरे पर संदेह देखकर श्रीराम ने कहा कि सुग्रीव, अब मैं तुम्हारा मित्र हूं। मित्र के छह गुण हैं। पहला, अपने दोस्त के दुख में दुखी होना। दूसरा, मित्र के दुख को दूर करने का प्रयास करना। तीसरा, मित्र को गलत रास्ते पर जाने से रोकना। चौथा, लेन-देन के समय शंका न करना। पांचवां, हमेशा दोस्त का भला करना और छठा गुण है, विपत्ति के समय दोस्त के साथ खड़े रहना। ये सभी अच्छे मित्र के लक्षण हैं और तुम मुझे अपना मित्र समझ सकते हो। श्रीराम की बातें सुनकर सुग्रीव को उनकी बातों पर भरोसा हो गया।

इसके बाद सुग्रीव ने भी सीता की खोज में मदद करने का वचन दिया। दोनों मित्रों ने एक-दूसरे की परेशानी को हल करने का संकल्प लिया।

श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता की सीख

इस प्रसंग से हम ये सीख ले सकते हैं कि मित्र के चयन में बहुत सावधानी रखनी चाहिए, क्योंकि मित्रता मुश्किल समय के लिए एक भरोसा और एक सहारा है। अगर हमारा मित्र अच्छा है तो वह मुश्किलों में हमारे साथ खड़ा रहेगा और हमारी मदद करेगा।

बॉलीवुड से कितना अलग है हॉलीवुड में काम करने के सवाल पर आलिया भट्ट ने दिया यह जवाब

आलिया भट्ट इन दिनों फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को लेकर चर्चा में हैं। करण जौहर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में एक्ट्रेस रणवीर सिंह के साथ नजर आई हैं। बॉलीवुड में नाम कमाने के बाद आलिया अब 'हार्ट ऑफ स्टोन' से हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इसमें वह गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ नजर आएंगी।

हाल ही में आलिया से पूछा गया कि बॉलीवुड और हॉलीवुड में काम करने के स्टाइल में क्या अंतर है? क्या वहां बॉलीवुड के विपरीत काम होता है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'एक फिल्म स्टार पूरी दुनिया में एक जैसा ही रहता है।'

आलिया भट्ट ने आगे कहा, एक जैसे लोग, एक जैसा वर्जन, एक जैसा जुनून और वही इरादा, वहां भी सबकुछ ऐसा ही है। हालांकि, सिर्फ भाषा है, जो पूरी तरह अलग है। लेकिन, स्टोरी टेलिंग, इमोशंस और बाकी सबकुछ एक जैसा रहता है।

इससे पहले, आलिया ने खुलासा किया था कि 'हार्ट ऑफ स्टोन' की शूटिंग के पहले दिन अंग्रेजी डायलॉग उनके लिए एक बड़ा चैलेंज साबित हुए थे। आलिया ने बताया कि वह पूरा समय इंग्लिश में बात करती हैं, लेकिन उन्हें डॉयलॉग हिंदी में बोलने की आदत है। ऐसे में 'हार्ट ऑफ स्टोन' के लिए अंग्रेजी में लाइन्स बोलना थोड़ा अजीब लगा।

बता दें कि इसमें आलिया ने किया धवन का रोल अदा किया है। 'हार्ट ऑफ स्टोन' के लिए आलिया ने कई एक्शन सीन्स शूट किए हैं। हालांकि, इस दौरान एक्ट्रेस प्रेग्नेंट थीं, ऐसे में इंटरनेशनल क्रू ने सुरक्षा के लिहाज से भी प्रबंध किए थे। आलिया का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के लिए शूटिंग का अनुभव काफी खास और सहज रहा। आपको बता दें कि 'हार्ट ऑफ स्टोन' 11 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

दीपिका ने कहा-अपने बेस्ट फ्रेंड से शादी करना जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी है

दीपिका पादुकोण ने फ्रेंडशिप डे के मौके पर अपने पति रणवीर सिंह के लिए सोशल मीडिया पर इमोशनल नोट शेयर किया है। नोट के साथ दीपिका ने एक कोट लिखा हुआ पोस्ट भी शेयर किया है जिसमें अपने बेस्ट फ्रेंड से शादी करने की खूबसूरती के बारे में लिखा है। उन्होंने लिखा है कि अपने बेस्ट फ्रेंड से शादी करना जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी है।

दीपिका ने इस पोस्ट में रणवीर सिंह को टैग किया और लिखा- अपने बेस्ट फ्रेंड से शादी करनी चाहिए। और ये मैं हल्के में नहीं कह रही हूं, आप जिस इंसान से प्यार करते हैं, जिसके साथ अपनी जिंदगी गुजारने वाले हैं, उससे आपकी सबसे अच्छी दोस्ती होनी चाहिए। कोई ऐसा इंसान जो हमेशा आपकी खूबियों को पहचानने के काबिल हो, कोई ऐसा जिसके साथ आप खुलकर हंस सकें, जो आपको तब तक हंसा सके जब तक आप पेट पकड़ कर हंसने न लगें।

पार्टनर ऐसा हो जो आपको कभी डूबने ने दे: दीपिका

दीपिका ने आगे लिखा- प्यार और दोस्ती में समझदारी भी जरूरी है। जिंदगी किसी ऐसे इंसान से प्यार करने के लिए बहुत छोटी है जो आपको समझ न पाए। जिनसे आप प्यार करें, उसके साथ ऐसा बॉन्ड होना चाहिए कि आप खुलकर रो भी सकें। जिंदगी कई बार आपको निराश करेगी, तो आप किसी ऐसे के साथ होना चाहेंगे जो मुश्किल समय में आपके साथ खड़ा रहे, आपको संभाल ले। उन्होंने लिखा- सबसे जरूरी ये है कि आप किसी ऐसे इंसान से प्यार करें जो आपको खुलकर जीना सिखा दे। जो आपसे इतना प्यार कर सके कि गहरे से गहरे समंदर में भी आपको डूबने ने दे! रणवीर सिंह ने इस पोस्ट पर कमेंट सेक्शन में हार्ट, ईविल आई और फॉरेवर इमोजी के साथ रियेक्ट भी किया है। दीपिका-रणवीर ने 2013 में फिल्म गोलियों की रासलीलाः रामलीला के सेट से डेट करना शुरू किया था। करीब 6 सालों तक डेट करने के बाद दोनों ने 14 नवंबर 2018 को इटली में शादी की थी।

माधुरी दीक्षित को सीटी बजाते देख चौंक गई थीं वहीदा रहमान, एक्ट्रेस से कही थी यह बात

बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' कही जाने वाली अभिनेत्री माधुरी दीक्षित अपनी दमदार एक्टिंग की वजह से फैंस के दिलों पर राज करती हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने हम आपके हैं कौन, देवदास, खलनायक जैसी बेहतरीन फिल्मों में अपनी जबर्दस्त एक्टिंग की हैं। इतना ही नहीं बी-टाउन की यह हसीना डांस में भी माहिर हैं।

मगर इसके अलावा उनकी एक और खूबी है, जिसे देखकर वेटरन एक्ट्रेस वहीदा रहमान हैरान रह गई थीं। जी हां, सोशल मीडिया पर इन दिनों वहीदा और माधुरी का एक पुराना वीडियो क्लिप तेजी से वायरल हो रहा है। कहा जा रहा है कि वायरल हो रहा यह क्लिप साल 2021 का है, जब दोनों टीवी के पॉपुलर रियलिटी शो डांस दीवाने के सेट पर एक साथ नजर आए थे।

इस दौरान वहीदा माधुरी के सीटी बजाने के हुनर को देखकर चौंक गई थीं। इसके बाद उन्होंने एक्ट्रेस से पूछा, "तुम सिटी वाकाई बजा लेती हो? इस पर माधुरी ने सिर हिलाया, हां। फिर वहीदा कहती हैं, हे भगवान। उन्होंने आगे कहा कि मुझे मेरे बच्चों और चचेरे भाइयों ने सीटी बजाना सिखाने की कोशिश की, लेकिन मैं सीख नहीं पाई, जिसके बाद माधुरी ने कहा, मैं सीटी बजाना अपने बिल्डिंग के लड़कों को सिखाती थी।

बता दें कि माधुरी दीक्षित ने हाल ही में अपनी फिल्म 'खलनायक' के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाया। उन्होंने एक रील शेयर करते हुए लिखा, "आज खलनायक के 30 साल पूरे होने का जश्न मना रही हूं! अविश्वसनीय गाने, चिरस्थायी यादें और अपार प्यार खलनायक को इतना प्यार दिखाने के लिए धन्यवाद। फिल्म से आपका पसंदीदा गाना कौन सा था? #खलनायक #मूवी #30yearsofkhalnaik।" वहीं, वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस आखरी बार वेब सीरीज 'द फेम गेम' में नजर आई थीं। फिलहाल माधुरी इन दिनों फिल्मी दुनिया से दूर हैं।

'रंगीला' वाली उर्मिला पर फिदा रहे दुलकर सलमान

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी के बेटे दुलकर सलमान जल्द ही हिंदी में अपना ओटीटी डेब्यू नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'गन्स एंड गुलाब्स' से करने वाले हैं। उनकी सुपरहिट तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' को भी रिलीज हुए एक साल पूरा हो चुका है। फिल्म की हीरोइन मृणाल ठाकुर ने इसके लिए बाकायदा एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखकर दर्शकों का आभार भी जताया। इधर, दुलकर भी इन दिनों मुंबई में हैं अपनी वेब सीरीज के प्रचार के लिए।

रविवार को दुलकर से मुलाकात हुई तो हिंदी सिनेमा में जगह बनाने की उनकी तैयारियों का खुलासा भी हुआ। बात वेब सीरीज 'गन्स एंड गुलाब्स' की पृष्ठभूमि यानी 90 के दशक की सिनेमा की निकली तो उन्हें ये बताने में काफी समय लगा कि उस दौर की हिंदी सिनेमा की कौन सी हीरोइन उन्हें सबसे ज्यादा पसंद थी किस हीरोइन को परदे पर देख वह दीवाने हुए?

दुलकर के चेहरे पर दिख रहा संकोच इस बात की चुगली कर रहा था कि वह जो कहना चाह रहे हैं, कहीं उसका कोई गलत मतलब तो नहीं निकाला लिया जाएगा। फिर काफी प्रोत्साहित करने पर दुलकर बोले, 'मुझे तो फिल्म 'रंगीला' में उर्मिला मातोंडकर का मादक, मोहक अवतार नहीं भूलता। जिस अंदाज से निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने उन्हें फिल्म 'सत्या' के बाद परदे पर पेश किया था, वह उस समय के किशोरों और नौजवानों के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं था।' उर्मिला के बारे मे ये कहते हुए दुलकर थोड़ा शरमाए भी और थोड़ा लजाए भी क्योंकि वह हमेशा इस कोशिश में रहे हैं कि किसी गॉसिप वगैरह से उनका नाम न जुड़े। हिंदी वह बहुत अच्छी बोलते हैं और इसका श्रेय वह देते हैं देश के तमाम राज्यों में बसे अपने कॉलेज के समय दोस्तों को, जिनसे बात करने के लिए एक सर्वमान्य भाषा कॉलेज के दिनों से ही हिंदी रही है। दुलकर बताते हैं, 'हिंदी स्कूल में भी मेरी दूसरी भाषा थी और दुबई में नौकरी के दौरान भी हिंदी ने मेरी काफी मदद की।' चर्चित निर्देशक जोड़ी राज और डीके की नेटफ्लिक्स के लिए बनाई पहली वेब सीरीज 'गन्स एंड गुलाब्स' जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। इस सीरीज में दुलकर उत्तर भारत के एक राज्य में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के ऑफिसर अर्जुन के रोल में नजर आएंगे।

इससे पहले वह आर बाल्की निर्देशित हिंदी फिल्म 'चुप' में नजर आ चुके हैं और इन दिनों फिल्म 'किंग ऑफ कोठा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। वेब सीरीज 'गन्स एंड गुलाब्स' में दुलकर के अलावा राजकुमार राव, गुलशन देवैया, आदर्श गौरव और टी जे भानु की मुख्य भूमिकाएं हैं। अभिनेता सतीश कौशिक भी इस सीरीज में एक दिलचस्प किरदार निभा रहे हैं।

कंगना ने जावेद अख्तर के खिलाफ की जमानती वारंट की मांग, गीतकार पर लगाया गंभीर आरोप

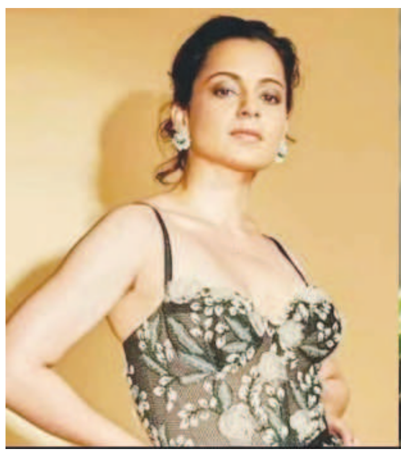

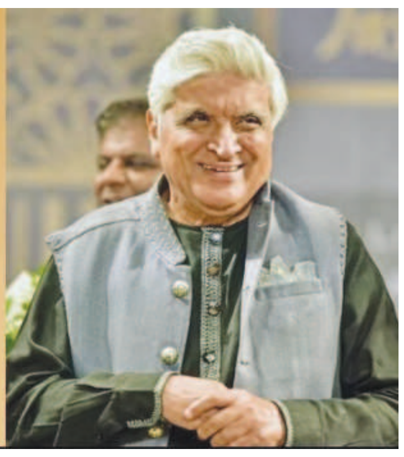

बॉलीवुड क्वीन जहां एक तरफ अपनी आने वाली फिल्म 'चंद्रमुखी 2' को लेकर चर्चा में हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके और जावेद अख्तर के बीच का विवाद दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है। दोनों एक-दूसरे पर तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं और सीधा कोर्ट पहुंच जाते हैं। अब एक बार फिर कंगना रणौत, जावेद अख्तर के खिलाफ एक अपील लेकर कोर्ट पहुंची। दरअसल, अभिनेत्री ने दावा किया है कि जावेद अख्तर जानबूझकर अदालत में पेश नहीं हुए हैं। ऐसे में अभिनेत्री ने उनके खिलाफ जमानती वारंट की मांग की है।

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत ने आपराधिक धमकी के एक मामले में गीतकार जावेद अख्तर के खिलाफ जमानती वारंट की मांग करते हुए मुंबई के अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट में एक याचिका दायर की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेत्री ने कथित तौर पर 'जानबूझकर' अदालत के सामने पेश होने में विफल रहने और सुनवाई की उपेक्षा करने के लिए वारंट की मांग कर रही हैं। जावेद अख्तर को 5 अगस्त को अदालत में पेश होने के लिए बुलाया गया था। हालांकि, उनके वकील जय भारद्वाज ने उनके परिवार के एक सदस्य की अर्जेंट मेडिकल कंडीशन का हवाला देते हुए कोर्ट में पेश न हो पाने का अनुरोध किया था।

कंगना रानौत के वकील रिजवान सिद्दीकी ने इसका विरोध किया और अभिनेत्री के खिलाफ जावेद की सुनवाई के दौरान इसी तरह के एक उदाहरण को पेश किया। इस तरह गीतकार के खिलाफ जमानती वारंट का आग्रह किया। रिपोट्र्स के मुताबिक, रिजवान ने दावा किया है कि क्योंकि जावेद अख्तर जानबूझकर अदालत के सामने पेश नहीं हुए हैं, इसलिए न्याय के हित में वारंट जारी किया जाना चाहिए।

हालांकि, दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने याचिका पर रोक लगाने का फैसला किया। इसके बदले में जावेद अख्तर को अपनी अगली सुनवाई के लिए जमानत प्रक्रियाओं का पालन करने का मौका मिलता है। बता दें, जावेद अख्तर ने अभिनेत्री कंगना रणौत द्वारा दायर एक मामले में एक मजिस्ट्रेट द्वारा उनके खिलाफ जारी किए गए समन के खिलाफ शुक्रवार को मुंबई की एक सेशन कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने दावा किया कि आदेश जल्दबाजी में और अनुचित तरीके से पारित किया गया जिसके परिणामस्वरूप न्याय का गंभीर अपमान हुआ। इस मामले सुनवाई 8 अगस्त यानी आज होनी है।

इन मशहूर कोरियोग्राफर ने निर्देशन में भी दिखाया कमाल, बना चुके हैं कई सुपरहिट फिल्में

कोई भी बॉलीवुड फिल्म गाने और डांस के बिना अधूरी मानी जाती है। फिल्मों को हिट कराने में गाने भी अहम भूमिका निभाते हैं। इन गानों में डांस स्टेप के लिए कोरियोग्राफर काफी मेहनत करते हैं तभी जाकर कोई भी गाना मुकम्मल हो पाता है। आज हम आपको फिल्म इंडस्ट्री के कुछ मशहूर कोरियोग्राफर्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने अपनी शुरुआत फिल्मों के गाने कोरियोग्राफ करने से की थी, लेकिन बाद में उन्होंने बतौर निर्देशक खूब नाम कमाया।

फराह खान

इस लिस्ट में पहला नाम फराह खान का है। फराह ने अपने करियर की शुरुआत बतौर कोरियोग्राफर की थी। अपने इशारों पर वह इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों को नचा चुके हैं। फराह कोरियोग्राफर के साथ एक सफल डायरेक्टर भी हैं। शाहरुख खान के साथ वह हैप्पी न्यू ईयर और मैं हूं ना जैसी फिल्म बना चुकी हैं।

रेमो डिसूज़ा

इस लिस्ट में रेमो डिसूजा का नाम भी शामिल है। उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में काफी ज्यादा संघर्ष किया है। फिल्म परदेस में वह बैकग्राउंड डांसर के रूप में नजर आए थे। इसके बाद धीरे-धीरे अपनी मेहनत के दम पर वह इंडस्ट्री के जाने-माने कोरियोग्राफर बन गए। इस क्षेत्र में सफलता मिलने के बाद उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा। यहां भी उन्हें खूब कामयाबी हासिल हुई। उन्होंने एबीसीडी फ्रेंचाइजी की फिल्मों का निर्देशन किया जो काफी सफल रही हैं।

अहमद खान

अहमद खान बॉलीवुड के सबसे सफल कोरियोग्राफर्स में से एक हैं। मिस्टर इंडिया में वह बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आ चुके हैं। इसके बाद उन्होंने डांस की दुनिया में ही अपना करियर बनाने की ठान ली। उन्होंने अब तक कई गानों को कोरियोग्राफ किया है जो काफी हिट भी हुए हैं। अहमद अब निर्देशन की पारी शुरू कर चुके हैं। अब तक उन्होंने कई फिल्मों का निर्देशन किया है। बागी फ्रेंचाइजी की फिल्म को डायरेक्ट करने के लिए उन्हें पहचाना जाता है।

प्रभुदेवा

प्रभुदेवा बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। साउथ से लेकर हिंदी पट्टी तक उनके लाखों चाहने वाले हैं। एक्टिंग और कोरियोग्राफी के अलावा प्रभुदेवा एक सफल डायरेक्टर भी हैं। अपने करियर में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में बनाई हैं। सलमान खान की वॉन्टेड का निर्देशन उन्होंने ही किया था। इस फिल्म में दबंग खान के करियर में जान फूंक दी थी।

आई फ्लू संक्रमण के दौरान एक गलती बढ़ा सकती है अंधेपन का खतरा

राष्ट्रीय राजधानी में कंजंक्टिवाइटिस के मामले बढ़ते हुए रिपोर्ट किए जा रहे हैं। आंखों में संक्रमण की स्थिति के कारण लालिमा, दर्द और जलन की समस्या हो सकती है। वैसे तो संक्रमण की स्थिति कुछ दिनों में ही ठीक हो जाती है, पर कुछ स्थितियों में इसके गंभीर रूप लेने का खतरा भी देखा गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि संक्रमण की स्थिति में कुछ लोगों ने खुद से ही आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था, जिनमें स्टेरॉयड की अधिकता हो सकती है। इससे स्थाई तौर पर तो संक्रमण में आराम मिल जाता है पर दीर्घकालिक रूप से स्टेरॉयड के कारण आंखों में गंभीर समस्याओं के विकसित होने का खतरा रहता है।

डॉक्टर कहते हैं, आई फ्लू संक्रमण के मामलों का समय रहते पता चलना और इसका उपचार संक्रमण के गंभीर लक्षणों के जोखिमों को कम कर सकता है। पर जिस तरह से कई लोगों ने खुद से ही स्टेरॉयड वाले आई ड्रॉप्स का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, इसके कारण भविष्य में आंखों में गंभीर समस्याओं यहां तक कि अंधेपन के बढ़ने का खतरा भी अधिक हो सकता है।

कई प्रकार का हो सकता है कंजंक्टिवाइटिस

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, राजधानी दिल्ली सहित कई राज्यों में कंजंक्टिवाइटिस के मामले बढ़ रहे हैं, यह सेल्फ लिमिटिंग डिजीज है जिसका मतलब है कि कुछ समय में यह खुद से ही ठीक हो सकती है। हर बार कंजंक्टिवाइटिस के मामले में एंटीबायोटिक की जरूरत नहीं होती है। कई बार यह संक्रमण वायरल भी हो सकती है, इसलिए स्थिति का सही और समय रहते निदान होना आवश्यक हो जाता है।

सभी के लिए स्टेरॉयड की जरूरत नहीं

आई फ्लू संक्रमण की स्थिति के लिए वैसे तो कोई प्रमाणित उपचार नहीं है पर कुछ स्थितियों में बीमारी की स्थिति को देखते हुए डॉक्टर कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स वाले आई ड्रॉप्स लेने की सलाह दे सकते हैं। यह एडेनोवायरल कंजंक्टिवाइटिस संक्रमण के उपचार में सहायक हो सकती है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स की जरूरत सभी रोगियों को नहीं होती है, इसके उपयोग को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसका अधिक या अनावश्यक इस्तेमाल न सिर्फ संक्रमण को बढ़ाने वाला हो सकता है साथ ही आंखों को भी इससे दीर्घकालिक जोखिमों का खतरा हो सकता है।

स्टेरॉयड के कारण आंखों में गंभीर समस्याओं का खतरा

पीटीआई की रिपोर्ट में एम्स के आरपी सेंटर के प्रमुख डॉ जे एस टिटियाल कहते हैं, आई फ्लू के लगभग 20-30 प्रतिशत मामलों में सकारात्मक बैक्टीरियल कल्चर देखे गए हैं, जो सुपरएडेड बैक्टीरियल संक्रमण की ओर इशारा करता है। डॉक्टर कहते हैं, स्टेरॉयड वाले आई ड्रॉप्स के अधिक इस्तेमाल से जुड़े कई जोखिम हो सकते हैं। जो मरीज लंबे समय तक कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स का उपयोग करते हैं, उनमें ग्लूकोमा (जो संभावित रूप से अंधा करने वाली स्थिति है) और मोतियाबिंद विकसित होने का खतरा होता है। डॉक्टर और रोगी दोनों को इस बात पर गंभीरता से ध्यान देते रहने आवश्यकता है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

कंजंक्टिवाइटिस के जोखिमों को लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने और आंखों के संक्रमण से बचाव के उपाय करते रहने की आवश्यकता है। बीमारी का समय रहते सही निदान किया जाना आवश्यक होता है। आंखों में संक्रमण की स्थिति में बिना किसी डॉक्टरी सलाह के किसी भी दवा को प्रयोग में नहीं लाना चाहिए। ज्यादातर मामलों में ठंडी सेकाई और आराम करने से भी आंखों में संक्रमण को ठीक किया जा सकता है।

इस चाय को टाइप-2 डायबिटीज में पाया गया कारगर कुछ ही दिनों में कम होने लगता है शुगर लेवल

टाइप-2 डायबिटीज वैश्विक स्तर पर बढ़ती गंभीर समस्या है, साल 2021 में दुनियाभर में 529 मिलियन (करीब 53 करोड़) लोगों को इस क्रोनिक बीमारी का शिकार पाया गया था। शोधकर्ताओं ने चिंता जताते हुए कहा है कि जिस गति से डायबिटीज के मामले बढ़ रहे हैं ऐसे में आशंका है कि अगले 25-30 वर्षों में साल 2050 तक यह आंकड़ा बढ़कर 1.3 बिलियन (130 करोड़) से अधिक हो सकता है।

शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि हर उम्र के लोगों में इस डायबिटीज के विकसित होने का खतरा हो सकता है, इसलिए कम उम्र से ही इससे बचाव के लेकर प्रयास करते रहना आवश्यक है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज की समस्या को कंट्रोल करने के लिए लाइफस्टाइल और आहार को ठीक रखना आवश्यक माना जाता है। इसके अलावा कुछ और सामान्य से प्रयास की मदद से भी बेहतर तरीके से ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने में लाभ मिल सकता है। इसी से संबंधित एक शोध में वैज्ञानिकों ने पाया कि कोम्बुचा-टी का सेवन करने वाले लोगों में डायबिटीज की समस्या का जोखिम कम पाया गया है।

कोम्बुचा टी से डायबिटीज में लाभ

जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन से पता चलता है कि टाइप-2 डायबिटीज वाले जिन लोगों ने एक महीने तक किण्वित कोम्बुचा टी का सेवन किया, उनके रक्त शर्करा के स्तर में काफी बेहतर तरीके से कंट्रोल देखा गया। कोम्बुचा, बैक्टीरिया और यीस्ट से तैयार की गई टी है। चीन में 200 ईसा पूर्व से इसको इस्तेमाल में लिया जा रहा है, चीन की पारंपरिक चिकित्सा में भी इसको प्रयोग में लाया जाता रहा है।

बेहतर तरीके से कंट्रोल हो सकता है शुगर लेवल

फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन जर्नल में सोमवार को प्रकाशित इस अध्ययन में चार सप्ताह तक 12 लोगों पर अध्ययन किया गया। जिन लोगों ने प्रतिदिन करीब 220 ग्राम की मात्रा में कोम्बुचा टी का सेवन किया, उनमें ब्लड शुगर का स्तर बेहतर तरीके से कंट्रोल देखा गया। इस अधययन में शामिल लोगों की औसत आयु 57 थी, इनमें से नौ लोग इंसुलिन थेरेपी वाली भी थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि इस टी का सेवन करने वालों में डायबिटीज की समस्या और इसकी जटिलताओं का खतरा कम था।

फास्टिंग शुगर कंट्रोल में देखे गए इसके लाभ

अध्ययन के विश्लेषण में पाया गया कि जिन लोगों ने शोध की अवधि के दौरान इस टी का सेवन किया, उनका फास्टिंग शुगर लेवल 164 मिलीग्राम से घटकर 116 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर हो गया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित शोध के सारांश के अनुसार, अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन भोजन से पहले रक्त शर्करा के स्तर को 70 से 130 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर के बीच रखने की सलाह देता है। ऐसे में इस टी के सेवन के माध्यम से आसानी से ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने में लाभ मिल सकता है।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?

शोधकर्ता डैन मेरेंस्टीन कहते हैं, अभी इसकी प्रमाणिकता के लिए और अधिक अध्ययनों की आवश्यकता है, पर अब तक के परिणाम काफी आशाजनक रहे हैं। हम आगे इस बारे में और विस्तार से समझने के लिए प्रयास कर रहे हैं। चूंकि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में भी इसका प्रयोग पहले से ही कई प्रकार की समस्याओं के लिए किया जाता रहा है, ऐसे में ये आपके लिए काफी लाभकारी प्रभावों वाली हो सकती है।

शाकाहारी लोगों में इस पोषक तत्व की कमी का खतरा अधिक, आहार में जरूर शामिल करें ये चीजें

आहार का स्वस्थ रहना आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक माना जाता है, पर क्या आपको अपने आहार से शरीर के लिए जरूरी सभी तत्व प्राप्त हो रहे हैं? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर पिछले कुछ वर्षों में विटामिन सप्लीमेंट्स की मांग काफी तेजी से बढ़ी है। इसका मतलब है कि हमें आहार में विशेष सुधार की आवश्यकता है। इसी से संबंधित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं की टीम ने बताया है कि शाकाहारी आहार का पालन करने वाले लोगों में ओमेगा-3 पोषक तत्व की कमी होने का जोखिम अधिक रहता है।

अध्ययनों में पाया गया है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिमों को कम करने, ब्लड प्रेशर की समस्या को कम करने में इस पोषक की जरूरत होती है। इसकी कमी के कारण कमजोरी और नींद की समस्या हो सकती है। सभी लोगों को आहार के माध्यम से इसे प्राप्त करने की कोशिश करनी चाहिए। ओमेगा-3 फैटी एसिड शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर स्वाभाविक रूप से अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (एएलए) को लंबी श्रृंखला वाले ओमेगा-3 फैटी एसिड की जरूरत होती है, जो मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। मांसाहार के माध्यम से इसे आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। हालांकि अगर आप शाकाहारी हैं, तो भी आहार में कुछ चीजों को शामिल करके आसानी से ओमेगा-3 प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसके लिए किन चीजों का सेवन किया जाना आवश्यक होता है?

आहार के माध्यम से कैसे प्राप्त करें ओमेगा-3

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कई खाद्य पदार्थों से ओमेगा-3 फैटी एसिड प्राप्त हो सकता है। मछलियों, सीड्स और नट्स से भरपूर आहार आपको शरीर के लिए आवश्यक ओमेगा-3 प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड के आपके शरीर और मस्तिष्क के लिए विभिन्न लाभ हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्था के अनुसार, पौधे पर आधारित कई खाद्य पदार्थों से ओमेगा-3 की जरूरतों की पूर्ति की जा सकती है। पुरुषों के लिए रोजाना 1,600 मिलीग्राम है और महिलाओं के लिए 1,100 मिलीग्राम की मात्रा में इसकी आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि इसके लिए किन चीजों का सेवन किया जा सकता है?

चिया सीड्स से होने वाले स्वास्थ्य लाभ

चिया सीड्स हमारे शरीर के लिए कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ से भरपूर होता है। अध्ययनों में पाया गया कि पाचन स्वास्थ्य लाभ के साथ चिया सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। इनमें फाइबर और प्रोटीन भी अधिक मात्रा में होता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि दैनिक रूप से चिया सीड्स को आहार का हिस्सा बनाकर शरीर के लिए इससे संबंधित स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

अखरोट को बनाएं आहार का हिस्सा

अखरोट स्वास्थ्यप्रद वसा का एक उत्कृष्ट स्रोत है, जिसमें एएलए ओमेगा-3 फैटी एसिड भी शामिल है। इनमें प्रति कप 3.346 ग्राम एएलए होता है। मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं के जोखिमों को कम करने और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए अखरोट का सेवन करना आपके लिए लाभकारी हो सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दैनिक रूप से अखरोट खाने वाले लोगों में मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं का जोखिम कम होता है।

धूम्रपान की आदत के कारण शरीर में रोजाना पहुंच रहा है 'जहर', इससे कैंसर और मृत्यु का खतरा अधिक

हमारा शरीर कितना सेहतमंद होगा, यह बहुत कुछ हमारे जीवशैली और खान-पान पर निर्भर करता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल की गड़बड़ आदतों के कारण समय के साथ कई प्रकार की गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ता जा रहा है। हमारी कुछ आदतें कैंसर कारक और जानलेवा भी हो सकती है, जिनको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतने की आवश्यकता है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान ऐसी ही खराब आदत है जिसे सेहत के लिए कई प्रकार के गंभीर खतरों वाला पाया गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, धूम्रपान की हर कश के साथ हमारे शरीर में जहर जा रहा होता है, दुर्भाग्यवश इसके जोखिमों को जानते हुए भी ज्यादातर लोगों में ये आदत बनी हुई है। इसके दुष्प्रभावों को लेकर लोगों का सावधान करने के लिए कनाडा सरकार ने बड़ी पहल की है। यहां सिगरेट के पैकेट के साथ हर सिगर्ट पर भी इससे होने वाले दुष्प्रभावों को प्रिंट करके लोगों को जागरूक करने के निर्णय लिया गया है। सिगरेट के पैकेट पर लिखा होगा- हर पफ कैंसर कारक है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहना चाहिए।

सिगरेट पर प्रिंट होगी चेतावनी

कनाडा सरकार में मानसिक स्वास्थ्य मंत्री रहे कैरोलिन बेनेट कहते हैं, तम्बाकू के सेवन से हर साल 48,000 कनाडाई लोगों की मौत हो रही है। हमने हर सिगरेट पर स्वास्थ्य चेतावनी संदेशों को लेबल करने का फैसला किया है, उम्मीद है कि इस प्रयास से लोगों में हर बार सिगरेट से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह कदम धूम्रपान पर अंकुश लगाने के उपायों की श्रृंखला में नवीनतम है।

भारत में धूम्रपान का खतरा

भारत के संदर्भ में बात करें तो

यहां भी धूम्रपान बड़ा स्वास्थ्य जोखिम रहा है। पफ्ड सिगरेट के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बीड़ी का चलन कई प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ाने वाला माना जाता है। ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे इंडिया के 2016-17 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 267 मिलियन वयस्क (15 वर्ष और उससे अधिक) तंबाकू के सेवन करते हैं। भारत में तंबाकू के उपयोग धूम्रपान से कहीं ज्यादा खैनी, गुटखा, तंबाकू और जर्दा के रूप में किया जाता है, तंबाकू चबाने को मुंह के कैंसर को प्रमुख जोखिम कारकों में से एक पाया गया है।

बीड़ी के पैकेटों पर चेतावनी

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि भारत में सिगरेट से ज्यादा बीड़ी का चलन है और दुर्भाग्यवश इसके पैकेट्स पर आवश्यक चेतावनी की भी कमी होती है। बीड़ी एक ज्वलनशील तम्बाकू उत्पाद है। बीड़ी के धुएं में नियमित सिगरेट की तुलना में तीन से पांच गुना अधिक निकोटीन होता है जिससे निकोटीन की लत का खतरा होता है। बीड़ी पीने से मुंह का कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, पेट का कैंसर और ग्रासनली का कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

विशेष कैंपेन और जागरूकता की जरूरत

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, धूम्रपान और तंबाकू उत्पादों से शरीर को होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए। हर साल तंबाकू उत्पादों के कारण कैंसर का खतरा और इससे मृत्यु के मामले बढ़ते जा रहे हैं। कनाडा सरकार के जैसे प्रयास दूसरे देशों को भी करना चाहिए, जिससे तंबाकू उत्पादों के सेवन को प्रतिबंधित किया जा सके। तंबाकू किसी भी रूप से शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है।

आहार में जरूर शामिल करें मैग्नीशियम वाली चीजें जानिए शरीर के लिए क्यों होती है इसकी जरूरत

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए रोजाना कई प्रकार के विटामिन्स और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है। हमारे भोजन से ये सभी आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं, इसीलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को नियमित रूप से स्वस्थ और पौष्टिक चीजों के सेवन की सलाह देते हैं। आहार संबंधी गड़बड़ी के कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिसके कई प्रकार के दुष्प्रभाव होने का जोखिम रहता है।

मैग्नीशियम ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जिससे भरपूर चीजों को भोजन में जरूर शामिल किया जाना चाहिए। शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को बेहतर रखने में इसकी आवश्यकता होती है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि मैग्नीशियम की कमी के कारण कई बीमारियों का जटिलताओं के बढ़ने का भी खतरा रहता है। मैग्नीशियम आपके मस्तिष्क और शरीर के लिए महत्वपूर्ण है। हृदय, रक्त शर्करा के स्तर और मनोदशा सहित इसके कई लाभ हैं। यह पत्तेदार साग से लेकर नट्स, सीड्स और बीन्स जैसे खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। आइए जानते हैं कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी को आहार में मैग्नीशियम वाली चीजों की मात्रा बढ़ाने की सलाह क्यों देते हैं और इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

शरीर में मैग्नीशियम की कमी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, वयस्कों के शरीर में लगभग 25 ग्राम मैग्नीशियम होता है, जिसमें से 50-60% कंकाल प्रणाली स्टोर करती है। बाकी मांसपेशियों, ऊतकों और

शारीरिक में तरल पदार्थों में मौजूद होता है। मैग्नीशियम की कमी कई स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है। यह स्थिति तंत्रिकाओं से संबंधित विकारों के अलावा, हड्डियों की कमजोरी, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, पाचन की दिक्कत और ब्लड शुगर में बढ़ोतरी का भी कारण बन सकती है।

हड्डियों के लिए जरूरी है मैग्नीशियम

शोध में पाया गया है कि हड्डियों के लिए विटामिन-डी और कैल्शियम के साथ-साथ मैग्नीशियम वाली चीजों का सेवन करना भी जरूरी होता है। स्वस्थ हड्डियों के निर्माण के लिए भी मैग्नीशियम आवश्यक है। शोध में पाया गया कि मैग्नीशियम वाली चीजों का सेवन रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में हड्डियों के घनत्व को ठीक रखने और ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम करने में लाभकारी हो सकता है। यह पोषक तत्व कैल्शियम और विटामिन-डी के स्तर को विनियमित करने में मदद करता है।

डायबिटीज को करता है कंट्रोल

अनुसंधान में मैग्नीशियम वाले आहारों को टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम कम करने वाला पाया गया है। ग्लूकोज नियंत्रण और इंसुलिन मेटाबॉलिज्म में मैग्नीशियम महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्ल्ड जर्नल ऑफ डायबिटीज में साल 2015 में प्रकाशित समीक्षा रिपोर्ट में मैग्नीशियम की कमी से इंसुलिन प्रतिरोध से जोड़कर देखा गया है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि मैग्नीशियम वाली चीजों के सेवन या सप्लीमेंट्स से इंसुलिन संवेदनशीलता में भी सुधार हो सकता है।

मैग्नीशियम के लिए किन चीजों का करें सेवन?

वयस्क पुरुषों को रोजाना 400-420 ग्राम जबकि महिलाओं को 340-360 ग्राम की मात्रा में इस पोषक तत्व की आवश्यकता होती है। कई खाद्य पदार्थों में उच्च स्तर के मैग्नीशियम होते हैं, जिनमें नट्स और सीड्स, गहरी हरी सब्जियां, साबुत अनाज और फलियां शामिल हैं।

एवोकाडो, आलू, केला आदि से भी शरीर के लिए आवश्यक मात्रा में मैग्नीशियम प्राप्त किया जा सकता है। आहार में इन चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

याददाश्त बढाने के लिए उपाय

प्रश्न : मैं दसवीं का छात्र हूं। बार-बार पढ़ने के बाद भी याद किया हुआ भूल जाता हूं। याददाश्त अच्छी हो जाए ऐसा कोई उपाय बताएं।

कखग, हैदराबाद

उत्तर : आप सुबह सूर्योदय से पहले ब्रह्म मुहूर्त में अपने नित्य कर्मों से निवृत्त होकर अध्ययन के लिए बैठा करें। आप के अध्ययन की जगह शांत, वेंटीलेशन से भरपूर और उचित प्रकाशयुक्त हो। आप सुबह - शाम ऊंझा ब्राह्मी वटी एवं स्मृति सागर रस टिकिया दूध के साथ लिया करें। भोजन करने के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट का सेवन करें। रात्रि सोने से पूर्व ऊंझा शंखपुष्पी सिरप 20 मिलीलीटर को आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन किया करें। ऐसा कुछ महीने सेवन करने से आपकी स्मृति ठीक होने लगेगी। पढ़ा हुआ याद रहेगा और आप परीक्षा में अपनी स्मृति का प्रयोग कर उत्तीर्ण हो जाओगे।

प्रश्न : क्या आयुर्वेद में शिशुओं के लिए अच्छे टॉनिक है जो उनके शरीर का समुचित विकास कर सके?

-श्रीमती प्रभा राव, महबूबनगर

उत्तर : आयुर्वेद का एक अंग ₹कौमारभृत्य₹ शिशुओं की उचित देखभाल एवं उनकी चिकित्सा को ही समर्पित है। आयुर्वेद का प्राचीन ग्रंथ काश्यप संहिता पेडियाट्रिक्स यानी कौमारभृत्य को समर्पित ग्रंथ है। शिशुओं की दवा सुपाच्य, सरल और मीठी होना आवश्यक है। प्राचीन काल से ही गुडूची, सौंफ, भृंगराज, पिप्पली,कालमेघ ,भूमिआमलकी, अश्वगंधा, एला, पुनर्नवा आदि का प्रयोग शिशु चिकित्सा में होते र हा है। ऊंझा

अरविंदासव शैशवावस्था कि एक अप्रतिम टॉनिक है। ऊंझा का ₹शिशु साथी₹ बच्चों के विकास को बढ़ाने वाली अपूर्व दवा है। और का ₹बेबीबून₹ सैरप भी एक ऐसी ही बेहतरीन औषधी है। शिशु शरीर की मालिश के लिए ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल) एक कामयाब नुस्खा है। इससे रिकेट्स या हड्डियों का पोलापन समाप्त होता है। और शिशु शरीर का सही ढंग से विकास होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 21 वर्ष है। माहवारी के दौरान पेट व कमर से बहुत कष्ट पाती हूं। क्या आयुर्वेद में इसका उपचार है?

- सुश्री ममता वर्मा, वरंगल

उत्तर : कई लड़कियों व स्त्रियों में गर्भाशय के अवयव में सूजन, पेट में आफरा , उदर व पैरों में भारीपन एवं हारमोंस के बदलाव के चलते मासिक धर्म के पहले और मासिक धर्म चलते समय पेट व पीठ में भयंकर दर्द होता है। इसे आसानी से दूर किया जा सकता है। गायनोसिन कैप्सूल मासिक धर्म से 7-8 दिन पहले दो-दो कैप्सूल की मात्रा में गर्म पानी से लेने पर तुरंत लाभ होता है। और अधिक व स्थाई लाभ के लिए इसे ऊंझा सुंदरी संगिनी सैरप या ऊंझा अशोकारिष्ट के साथ लेवे। इसके प्रयोग से अनार्तव, कष्टार्तव और रजोवरोध से संबंधित विकारों में तुरंत लाभ होता है।

खून की कमी, पीठ का दुखना, थकावट और कमजोरी दूर होकर स्त्री शरीर में नवजीवन का संचार होता है। सारी चिकित्सा योग्य आयुर्वेद चिकित्सक की निगरानी में ही करवाएं।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

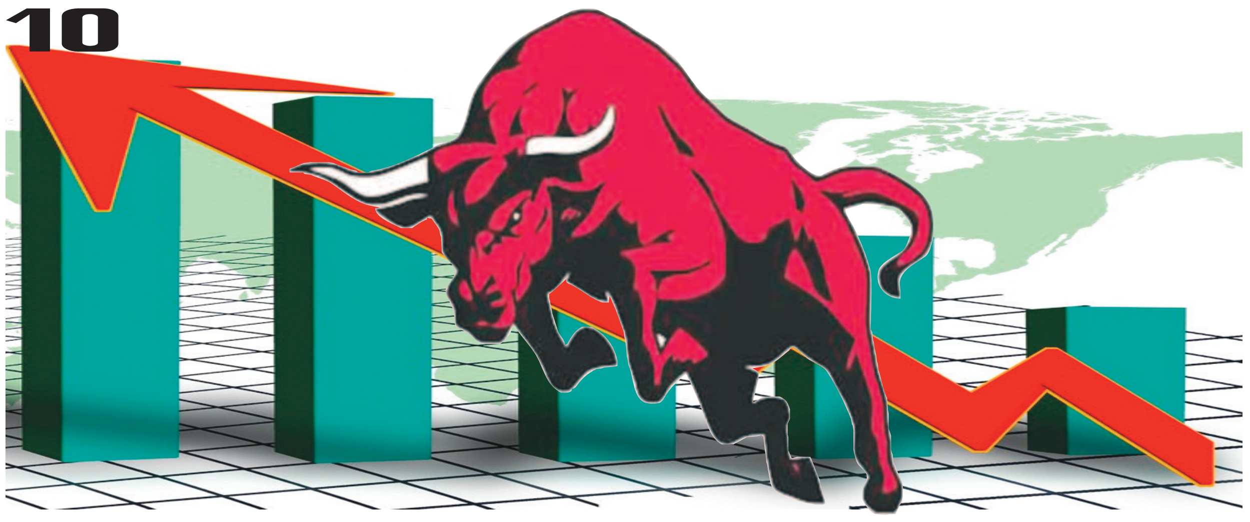

आरबीआई के पास नहीं है राइट-ऑफ किए गए कॉरपोरेट लोन का डिटेल्स

बड़े इंडस्ट्री - सर्विसेज को दिया गया 7.40 लाख करोड़ रुपये का लोन बट्टे खाते में

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। देश में बैंकों ने कितने कॉरपोरेट लोन को राइट-ऑफ किया है इसकी जानकारी बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर आरबीआई के पास नहीं है। आरबीआई कॉरपोरेट लोन राइट-ऑफ करने के डेटा का रिकॉर्ड अपने पास नहीं रखती है। वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने ये जानकारी प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा में दी है।

लोकसभा सांसद और डीएमके नेता कनिमोझी करुणानिधि ने वित्त मंत्री से सवाल किया था कि 2014 के बाद से अब तक कितने कॉरपोरेट लोन को लाइट-ऑफ किया गया है? उन्होंने सरकार से पूछा कि अब तक कितने राइट-ऑफ किए गए कॉरपोरेट लोन की रिकवरी हो चुकी है? उन्होंने सरकार से ये भी जानना चाहा कि किस बैंक ने अलावा किस कॉरपोरेट इकाई के सबसे ज्यादा कॉरपोरेट लोन को राइट-ऑफ किया गया है? इस सवाल के जवाब में भागवत कराड ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से ये जानकारी मिली है कि राइट-ऑफ किए गए कॉरपोरेट लोन का वो डेटा नहीं रखती है। हालांकि उन्होंने बड़े इंडस्ट्री और सर्विसेज को राइट-ऑफ किए लोन की जानकारी देते हुए बताया कि 2014-15 से लेकर 2022-23 तक शेड्यूल कमर्शियल बैंकों ने कुल 14,56,226 करोड़ रुपये के कर्ज को राइट-ऑफ किया है जिसमें से बड़े इंडस्ट्री और सर्विसेज के 2014-15 से लेकर अब तक 7,40,968 करोड़ रुपये के लोन को राइट-ऑफ किया गया है। वित्त राज्य मंत्री कराड ने बताया कि 2014-15 में कुल 58,786 करोड़ रुपये के लोन को राइट-ऑफ किया गया था जिसमें से 18,178 करोड़ रुपये का कर्ज बड़े इंडस्ट्री और सर्विसेज का राइट-ऑफ किया गया था। 2017-28 में कुल 108,373 करोड़ रुपये का लोन राइट-ऑफ किया गया जिसमें से बड़े इंडस्ट्री और सर्विसेज का 55,786 करोड़ रुपये का लोन राइट-ऑफ किया गया। 2018-19 में सबसे ज्यादा 2,36,265 करोड़ रुपये का लोन राइट-ऑफ किया गया जिसमें 1,23,436 बड़े इंडस्ट्री और सर्विसेज के दिए लोन को राइट-ऑफ किया गया। 2022-23 में 2,09,144 करोड़ रुपये के लोन को राइट-ऑफ किया गया जिसमें 1,09,465 करोड़ रुपये बड़े इंडस्ट्री और सर्विसेज का लोन राइट-ऑफ किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने गो फर्स्ट की याचिका खारिज की

पट्टेदारों को विमानों का निरीक्षण करने की अनुमति

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ संकट में फंसी गो फर्स्ट की याचिका खारिज कर दी, जिसमें पट्टेदारों को एयरलाइन को दिए गए अपने विमानों का निरीक्षण करने की अनुमति दी गई थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि पट्टेदारों के पास विमान है, यह उनका विमान है और आगे कहा कि चूंकि मामला दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष लंबित है, इसलिए वह इस बिंदु पर मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा। सीजेआई की बेंच ने स्पष्ट किया कि एकल न्यायाधीश क्षेत्राधिकार के मुद्दों पर भी फैसला करेंगे।

आईटी और फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार गुलजार

हफ्ते के पहले दिन तेजी के साथ बंद हुआ स्टॉक मार्केट

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र बेहद ही शानदार रहा है। आईटी और फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार में तेजी देखी गई। मिड कैप और स्मॉल स्टॉक्स में भी निवेशकों की ओर से खरीदारी देखने को मिली है। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 232 अंकों के उछाल के साथ 65,954 अंकों पर बंद हुआ है। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 80 अंकों की उछाल के साथ 19,597 अंकों पर क्लोज हुआ है।आज के ट्रेड में ऑटो, आईटी, फार्मा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, इंफ्रा, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने

को मिली है। जबकि बैंकिंग, मेटल्स, मीडिया सेक्टर के स्टॉक्स में बिकवाली रही। मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों की चमक जारी है। मिड कैप इंडेक्स ज भी 0.50 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 शेयर तेजी के साथ और 9 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 36 शेयर तेजी के साथ और 14 गिरावट के साथ बंद हुए। आज के ट्रेड में महिंद्रा एंड महिंद्रा 4.23 फीसदी, सन फार्मा, 2.03 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.63 फीसदी, टीसीएस 1.20 फीसदी, इंफोसिस 1.20 फीसदी, जेएसब्ल्यू स्टील 0.91 फीसदी, एचयूएल 0.86 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एसबीआई 0.94 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.81 फीसदी, कोटक महिंद्रा 0.43 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.43 फीसदी, बजाज फाइनैंस 0.41 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। शेयर बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में जोरदार उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 305.35 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले ट्रेडिंग सेशन में 304.04 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के सेशन में निवेशकों की संपत्ति में 1.31 लाख करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है।

महंगे टमाटर की मार शाकाहारियों पर, जुलाई में 34% महंगी हुई वेज थाली

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। शाकाहारी भोजन करने वालों की इन दिनों जेब कट रही है। खासतौर से जब से टमाटर समेत दूसरी साग-सब्जियों की कीमतों में उछाल आया है तब से उनके सुबह शाम के भोजन की थाली पर महंगाई की मार पड़ रही है। जुलाई 2023 में जून के मुकाबले शाकाहरी भोजन की थाली 34 फीसदी महंगी हो चुकी है। जबकि नॉन-वेज थाली की महंगाई 13 फीसदी महंगी हुई है। फूड प्लेस कॉस्ट पर रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के मंथली इंडीकेटर के मुताबिक जुलाई महीने में लगातार तीसरे महीने शाकाहारी थाली की कीमत में उछाल देखने को मिला है। टमाटर की कीमतों में तेज उछाल के चलते जून के मुकाबले जुलाई में वेजिटेरियन थाली 34 फीसदी महंगी हो चुकी है जिसमें इस महंगाई में बढ़ोतरी में 25 फीसदी केवल टमाटर का योगदान है। जून में जहां टमाटर 3 रुपये प्रति किलो ग्राम में मिल रहा था वो जुलाई में 233 फीसदी की उछाल के साथ 110 रुपये प्रति किलो पर जा पहुंची है। अगस्त में टमाटर देश के कई इलाकों में 250 से 300 रुपये प्रति किलों में मिल रहा है। वहीं प्याज की कीमतों में 19 फीसदी और आलू की कीमतों में 9 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। इस दौरान मिर्च की कीमतें 69 फीसदी और जीरा के दाम 16 फीसदी बढ़े हैं। क्रिसिल के मुताबिक इनका इस्तेमाल कम मात्रा में होता है

इसलिए सब्जियों के मुकाबले थाली की महंगाई बढ़ाने में इनका योगदान कम है। क्रिसिल भारत वर्ष के सभी दिशाओं में खाने पीने की चीजों की कीमतों के आधार पर घर में एक थाली की औसतन कीमतों को कैकुलेट करती है। इससे आम आदमी के खर्च में आ रहे बदलाव का पता लगता है। इसके अलावा अनाज, दाल, सब्जी, मसाले, खाने के तेल, ब्रॉइलर यानि चिकेन और रसोई गैस के चलते थाली की कीमत में आ रहे बदलाव का पता भी इस डेटा के जरिए लगता है। इस डेटा का पता लगाने के लिए वेज थाली में, रोटी, सब्जी जिसमें टमाटर, आलू और प्याज के अलावा चावल, दाल, दही, और सलाद को शामिल किया जाता है। नॉन-वेज थाली के लिए दाल की जगह चिकेन को शामिल किया जाता है। वेज थाली के मुकाबले नॉन-वेज थाली की महंगाई कम बढ़ी है। क्योंकि चिकेन जैसी ब्राइलर्स की कीमतें जिसका हिस्सा नॉन-वेज थाली में 50 फीसदी है उसकी कीमतें 3 से 5 फीसदी तक कम हुई है। क्रिसिल के इंडीकेटर के मुताबिक खाने के तेल की कीमतों में 2 फीसदी की कमी आई है उससे भी कुछ राहत मिली है।

जून में भारत को मिला रूस से सबसे सस्ता तेल

साल भर पहले से डेढ़ गुना कम लगा भाव

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्वी यूरोप में करीब डेढ़ साल से जंग छिड़ी हुई है और अब तक उसका कोई नतीजा सामने नहीं आया है। हालांकि रूस और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध से कुछ देशों को फायदा हो रहा है, जिनमें भारत भी शामिल है। भारत को युद्ध शुरू होने के बाद से रियायती दर पर कच्चे तेल की सप्लाई मिल रही है। जून महीने के दौरान तो यह फायदा और बढ़ गया, जब रूस से मिल रहा कच्चा तेल डेढ़ साल में सबसे सस्ता हो गया।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, रूस से भारत आ रहे कच्चे तेल की औसत कीमत जून महीने के दौरान सबसे कम हो गई। यह कीमत महज 68.17 डॉलर प्रति बैरल रह गई, जिसमें ढुलाई की लागत भी शामिल है। रूस से आने वाले कच्चे तेल की औसत कीमत इससे पहले मई महीने के दौरान 70.17 डॉलर प्रति बैरल बैठ रही थी।भारत को जून में रूस से कच्चा तेल कितना सस्ता पड़ा, उसे समझने के लिए

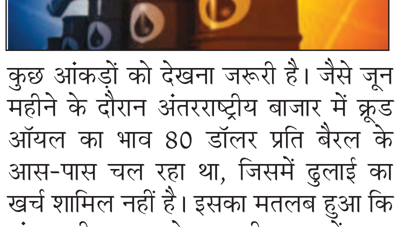

कुछ आंकड़ों को देखना जरूरी है। जैसे जून महीने के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल का भाव 80 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास चल रहा था, जिसमें ढुलाई का खर्च शामिल नहीं है। इसका मतलब हुआ कि अंतरराष्ट्रीय बाजार के भाव की तुलना में भारत को हर बैरल पर 15 से 20 डॉलर की बचत हुई। वहीं साल भर पहले भारत को रूस से ही 100.48 डॉलर प्रति बैरल के भाव से कच्चा तेल मिल रहा था। इस तरह देखें तो साल भर में भारत को मिल रहे कच्चे तेल के भाव में डेढ़ गुने की गिरावट आई।रूस ने पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर हमला बोल दिया था। उसके बाद से दोनों पूर्वी यूरोपीय देशों के बीच युद्ध जारी है। यूक्रेन को अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देश सपोर्ट कर रहे हैं। इसके चलते अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस के ऊपर कई आर्थिक पाबंदियां लगा दी हैं। रूस के कच्चे तेल पर भी पाबंदी लगाई गई है। पश्चिमी देशों ने रूस के कच्चे तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल का कैप लगा दिया है। हालांकि कच्चे तेल की मात्रा पर कोई लिमिट नहीं है।युद्ध शुरू होने के बाद से चीन के साथ-साथ भारत भी रूस के सस्ते कच्चे तेल का फायदा उठा रहा है और उसके सबसे बड़े खरीदारों में एक बना हुआ है। केपलर के आंकड़ों के अनुसार, रूस से भारत का कच्चा तेल आयात पिछले 2 महीने से कम हो रहा है। अगस्त महीने में इसमें और कमी आने के अनुमान हैं। हालांकि केपलर के आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर से आयात फिर से बढ़ रहा है।भारत अपनी ऊर्जा संबंधी जरूरतों पर बड़े हद तक आयात पर निर्भर है।

चीन से थोक दवाओं का आयात नौ वर्षों में बढ़कर 75 फीसदी पहुंचा

भारत पड़ोसी पर काफी हद तक निर्भर

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक से लेकर खिलौने और अन्य उत्पादों पर चीन की निर्भरता कम करने में सरकार को सफलता नहीं मिल रही है। चीन से थोक दवा आयात पिछले नौ वर्षों में 62 फीसदी से बढ़कर 75 फीसदी हो गया है। केयर रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत विभिन्न घरेलू विनिर्माण परियोजनाओं के चालू होने के बावजूद भारत चीन पर काफी हद तक निर्भर है। आंकड़ों के मुताबिक, चीन से थोक दवा का आयात, मूल्य और मात्रा दोनों लिहाज से वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर क्रमशः 71 और 75 फीसदी हो गया। वित्त वर्ष 2013-14 में यह आंकड़ा 64 फीसदी और 62 फीसदी था। वित्त वर्ष 2013-14 से वित्त वर्ष 2022-23 तक चीन से कुल थोक दवा आयात करीब सात फीसदी की दर से बढ़ा। वित्त वर्ष 2013-14 में देश ने दवा का कुल 5.2 अरब डॉलर का आयात किया। इसमें से 2.1 अरब डॉलर का आयात चीन से हुआ। वित्त वर्ष 2018-19 में कुल 6.4 अरब डॉलर का आयात हुआ। इसमें चीन का हिस्सा 2.6 अरब डॉलर रहा। 2020-21 में सात अरब डॉलर के आयात में चीन की हिस्सेदारी 2.9 अरब डॉलर रही।

2019 के मुकाबले 50% अधिक लोगों ने दिखाई 1 करोड़ से ज्यादा आय

4.65 करोड़ टैक्सपेयर्स ने दिखाया जीरो टैक्स

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। देश में इंडीविजुअल इनकम टैक्स फाइलिंग की समयसीमा 31 जुलाई 2023 को पूरी हो चुकी है और इससे जुड़े आंकड़ों से अब कई तथ्य सामने आ रहे हैं। इस साल के आयकर रिटर्न फाइलिंग डेटा से ये बात सामने आई है कि देश में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की इनकम वाले टैक्सपेयर्स की संख्या तेजी से बढ़ी है।

कितनी रही 1 करोड़ रुपये से ज्यादा टैक्स देने वाले टैक्सपेयर्स की संख्या

अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के लिए आईटीआर फाइल करने वालों में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा इनकम वाले टैक्सपेयर्स की संख्या 2.69 लाख रही है। ये कोविड के संकटकाल से पहले के साल 2018-19 के मुकाबले 49.4 फीसदी ज्यादा है। इस तरह देखा जाए तो पिछले 4 सालों में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाने वालों की आधिकारिक संख्या 50 फीसदी के करीब बढ़ गई है जो देश में इनकम टैक्स भरने वालों की संख्या बढ़ने का संकेत माना जा सकता है।

1 करोड़ रुपये से ज्यादा आय वाले टैक्सपेयर्स का आंकड़ा

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के ई-फाइलिंग डेटा के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 में 1 करोड़ रुपये से ज्यादा इनकम वाले टैक्सपेयर्स की संख्या 2.69 लाख रही जो कि वित्त वर्ष 2021-22 में 1.93 लाख पर थी। वहीं वित्त वर्ष 2018-19 में 1.80 लाख पर थी। 1 करोड़ रुपये से ज्यादा इनकम टैक्स देने वाले टैक्सपेयर्स की संख्या को साल 2019-20 के मुकाबले देखा जाए तो इसमें 41.5 फीसदी का इजाफा देखा गया है। वहीं इस अवधि से तुलना करने पर 5 लाख रुपये से ज्यादा इनकम टैक्स देने वालों की संख्या केवल 0.6 फीसदी ज्यादा रही है।

5 लाख से ज्यादा आय वाले टैक्सपेयर्स 1.4 फीसदी बढ़े

इसी तरह 5 लाख रुपये से ज्यादा आय वाले करदाताओं की संख्या में 1.4 फीसदी का इजाफा देखा गया है। वित्त वर्ष 2018-19 के मुकाबले देखा जाए तो 5 लाख से 10 लाख रुपये तक के टैक्स ब्रेकेट में 1.10 करोड़ टैक्सपेयर्स रहे हैं।

टाटा समूह का तूफानी शेयर, स्टॉक मार्केट में कर दिया कमाल, 3 साल में लगाई 10 गुना छलांग

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। टाटा समूह भारत के सबसे पुराने कारोबारी घरानों में से एक है। लगभग एक सदी से यह समूह भारतीय कॉरपोरेट जगत की पहली पंक्ति का प्रमुख हिस्सा है। शेयर बाजार में भी टाटा समूह का खूब जलवा रहता आया है। टाटा मोटर्स से लेकर टाइटन जैसे टाटा के शेयरों ने निवेशकों को समय-समय पर खूब कमाई कराई है। राकेश झुनझुनवाला को घरेलू बाजार का बिग बुल बनाने में टाटा समूह के ही शेयर टाइटन का बड़ा योगदान है। टाटा समूह के शेयर बाजार में लगातार मल्टीबैगर साबित होते रहे हैं।पिछले कुछ सालों के दौरान अपने निवेशकों को मालामाल बनाने वाले टाटा के विभिन्न शेयरों में एक प्रमुख नाम है टाटा पावर। आज सोमवार के कारोबार में इसके भाव में करीब 1 फीसदी की गिरावट आई और यह 233.45 रुपये के भाव पर बंद हुआ। हालांकि पिछले कुछ सालों के हिसाब से देखें तो टाटा के इस शेयर ने कमाल का प्रदर्शन किया है।टाटा समूह का यह शेयर पिछले 5 दिनों के हिसाब से पौने तीन फीसदी के नुकसान में है। वहीं एक महीने के दौरान इसके भाव में करीब 4 फीसदी की तेजी आई है। पिछले छह महीने में टाटा पावर के शेयर का भाव करीब 13 फीसदी मजबूत हुआ है। लॉन्ग टर्म के हिसाब से देखने पर पूरी तस्वीर अलग नजर आती है। पिछले 3 सालों में इस शेयर ने 28 रुपये के आस-पास से 235 रुपये तक का सफर तय किया है।अभी से करीब 3 साल पहले मई 2020 में टाटा पावर के एक शेयर का भाव महज 28.50 रुपये था, जो अभी 233.45 रुपये पर पहुंचा हुआ है।

सोना-चांदी खरीदने के लिए रहें तैयार

घटने लगे हैं दाम-जानें लेटेस्ट रेट्स

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सोना और चांदी दोनों कीमती धातुओं के दाम में आज गिरावट देखी जा रही है। सोना करीब 0.2 फीसदी टूटकर कारोबार कर रहा है और चांदी में आधा फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार देखा जा रहा है। दरअसल सोने और चांदी में ये गिरावट ग्लोबल डिमांड पर असर आने के कारण बनी है। चेक करें आज देश में सोने और चांदी के दाम में क्या-क्या बदलाव देखा जा रहा है।

सोने के ताजा रेट जानें

सोने के रेट में आज गिरावट का रुख देखा जा रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 115 रुपये या 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 59412 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोना आज 59391 रुपये तक नीचे गया था जबकि ऊपर में सोने के रेट 59550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा पहुंचे थे। सोने के ये दाम इसके अक्टूबर 2023 वायदा के लिए हैं।

चांदी के क्या हैं रेट

चांदी के रेट देखें तो इसमें ज्यादा गिरावट देखी जा रही है और ये एमसीएक्स पर 399 रुपये की गिरावट पर है। इसमें 0.55 फीसदी की गिरावट बनी हुई है और और ये इसके सितंबर वायदा के दाम हैं। चांदी के आज के रेट 72079 रुपये प्रति किलो तक पर थे। नीचे में चांदी के दाम 71985 रुपये प्रति

किलो तक गिरे थे और ऊपर में चांदी के दाम 72300 रुपये प्रति किलो तक गए थे।

क्यों आ रही सोना और चांदी के दाम में गिरावट

सोना और चांदी के दाम में इस समय 2-3 कारणों से गिरावट आ रही है। एक तो ग्लोबल डिमांड में सुस्ती देखी जा रही है और इससे ये कीमती मेटल्स सस्ती हो रही हैं। वहीं डॉलर के दाम चढ़ने का भी असर इन धातुओं पर देखा जा रहा है। इसके अलावा इंडस्ट्रियल डिमांड घटने से चांदी के रेट पर भी निगेटिव असर देखा जा रहा है और इसके रेट नीचे आ रहे हैं।

देश के चार प्रमुख शहरों में आज सोने के दाम

दिल्लीः 24 कैरेट सोने का दाम 60,310 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

मुंबईः 24 कैरेट सोने का दाम 60,160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

कोलकाताः 24 कैरेट सोने का दाम 60,160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

चेन्नईः 24 कैरेट सोने का दाम 60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय- 06-00
सूर्य अस्त- 18-43
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	में	मेष--	22-30 बजे
चंद्र-	मेष	में	वृष--	00-13 बजे
मंगल	सिंह	में	मिथुन..	02-15 बजे
बुध-	सिंह	में	कर्क...	03-26 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह....	06-40 बजे
शुक्र-	सिंह	में	कन्या..	08-45 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	10-50 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	13-00 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	15-14 बजे
			मकर..	17-21 बजे
			कुंभ...	19-11 बजे
			मीन ..	20-53 बजे

दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - 03 -52 तक उपरान्त नवमी
मास - अ.श्रावण कृष्ण पक्ष , मंगलवार 08 August
नक्षत्र - भरणी - 01-32 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - गण्ड - 16 - 40 - तक उप वृद्धि
करण- बालव - 15 -58 - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मूसल योग

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:33 से 17:09 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:00 - 07:34	अशुभ	काल	18:43 - 20:09	अशुभ
उत्पात	07:34 - 09:10	अशुभ	लाभ.	20:09 - 21:33	शुभ
चंचल	09:10 - 10:46	शुभ	उत्पात	21:33 - 22:58	अशुभ
लाभ	10:46 - 12:22	शुभ	शुभ.	22:58 - 00:22	शुभ
अमृत	12:22 - 13:58	शुभ	अमृत	00:22 - 01:46	शुभ
काल	13:58 - 15:33	अशुभ	चंचल	01:46 - 03:10	शुभ
शुभ.	15:33 - 17:09	शुभ	रोग	03:10 - 04:34	अशुभ
रोग	17:09 - 18:43	अशुभ	काल	04:34 - 06:00	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं ।आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है ।लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें । अधिक परेशान न हों,थोडा सा योजना बनाकर चलेंगे तो आसानी से अपने दोनों एजेंडा पूरे कर पायेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे। आप एक बड़ी परियोजना के लिए उन्हें प्रेरित भी करते रहे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे। इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

25 टोकरी पत्थर तोड़ने के 10 रुपए मिलते थे

फटे कपड़ों में स्कूल जाता, पहले कॉन्स्टेबल फिर 8वें अटेम्प्ट में क्रैक की यूपीएससी

दिल्ली, 7 अगस्त (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दिल्ली से 250 किलोमीटर दूर दौसा जिले में सुबह के करीब 8 बज रहे हैं। स्टेशन से 13 किलोमीटर दूर बापी गांव की ओर बढ़ रहा हूं। हाईवे के दोनों ओर गिने-चुने घर दिखाई दे रहे हैं। बापी के नजदीक पहुंचने पर एक घर दिखता है, जहां पहुंचने के लिए मैंने मोबाइल पर रूट मैप सेट किया था। ऑटो से उतरते ही सामने राम भजन कुम्हारा और उनकी मां आते हैं। मैं ऑटो वाले से ऑनलाइन पेमेंट लेने के लिए कहता हूं, तो ऑटो वाला बोल पड़ता है- 'कैश है, तो दे दीजिए। हम ऑटो वाले कहां ऑनलाइन पेमेंट यूज करते हैं।'

मैं राम भजन से ही मिलने आया हूं। 2022 यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम में राम भजन को 667वीं रैंक मिली है। ये उनका 8वां अटेम्प्ट था। दिल्ली पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल के पद पर रहते हुए राम भजन ने यह सफलता हासिल की है। राम भजन हंसते हुए कहते हैं, 'आप ऑनलाइन पेमेंट और कैब सर्विस की बात कर रहे हैं। अभी भी ये इलाका थोड़ा पिछड़ा हुआ है। अब तो हालात ठीक हुए हैं, नहीं तो पहले पीने का पानी भी नहीं था। कोसों दूर से पानी लाना पड़ता था।'

आपके गांव में पहले भी किसी ने यूपीएससी निकाला है?

राम भजन जवाब देते हैं- 'नहीं सर। मैं इस गांव का इकलौता हूं, जिसने सिविल सर्विसेज एग्जाम क्रैक किया है। अपने परिवार में भी मैं पहला था, जिसकी सरकारी नौकरी लगी थी। यूपीएससी रैंक के मुताबिक इंडियन ऑडिट एंड अकाउंट सर्विस की पोस्ट मिली है। ट्रेनिंग के लिए कुछ दिन बाद ही लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी जाना है। आपका जब कॉल आया था, तो उसी की पैकिंग कर रहा था।'

घर के दरवाजे के एक तरफ कुछ बकरियां और दूसरी तरफ भैंस बंधी हुई है। घास काट कर रखी हुई है। जब मैं पहुंचा तो राम भजन की मां बकरी को चारा खिला रही थीं। राम भजन कहते हैं, 'दूसरों के लिए ये मवेशी है, कहने को बकरी है, लेकिन ये हमारी जिंदगी है। लाइफ लाइन पापा पहले बकरी चराने ही जाते थे। अब खरीदकर दूध खाने के पैसे हों, तब तो दूध-दही खाएं। बकरी का दूध पीकर ही बड़ा हुआ। पापा तो अब इस दुनिया में नहीं रहे। उन्हें अस्थमा था। कोरोना के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके जाने के बाद काफी टूट गया था। एक ही बात दिमाग में बैठ गई थी कि अब तो सब कुछ खत्म हो गया। यूपीएससी क्रैक करके क्या कर लूंगा। यही सोचकर कि सपना तो कुछ बचा ही नहीं, कई महीने डिप्रेशन में रहा...।'

मैं और राम भजन, दोनों खाट पर बैठे हुए हैं। सामने उनकी मां बैठी हैं। कुछ देर बाद मैं राम भजन से गांव और वो जगह, जहां वो कभी पत्थर तोड़ा करते थे, दिखाने के लिए कहता हूं। हम दोनों बाइक से गांव की ओर निकल पड़ते हैं। राम भजन के घर से ही इस बापी गांव की शुरुआत होती है। करीब 5 हजार घरों की आबादी वाले गांव में 200 से अधिक घर कुम्हार जाति के हैं।

राम भजन मुझे 90 के दशक में लेकर चलते हैं। कहते हैं, '4 भाई-बहन हूं। जब बकरी-मवेशी चराने से घर का गुजारा नहीं हो रहा था, तो पापा शहर से

आईस्क्रीम खरीदकर गांव में बेचने लगे, लेकिन इससे भी सारी चीजों की पूर्ति हो पाना मुश्किल था।

बापी में इंडस्ट्रियल एरिया है, जहां पत्थर तोड़ने की मशीनें लगी हुई हैं। चूना-पत्थर तोड़ा जाता है। बाद में पापा पत्थर तोड़ने लगे। मैं उस समय बहुत छोटा था। तकरीबन 5-6 साल उम्र रही होगी।

1998 की बात है। कुछ महीने बाद पापा को अस्थमा हो गया। सांस में बढ़ती तकलीफ की वजह से उन्होंने बिछावन (बिस्तर) पकड़ लिया। पत्थर तोड़ने का काम छोड़ना पड़ा। अब घर चलाने के लिए किसी को तो काम करना ही था। फिर मां पत्थर तोड़ने के लिए जाने लगी। मैं भी मां के साथ पत्थर तोड़ने के लिए जाने लगा।'

राम भजन पत्थर तोड़कर भी दिखाते हैं। कहते हैं, 'कैसे उस दिन को भूल सकता हूं। मां के साथ मैं पत्थर तोड़ने, चुनने के लिए आता था। जब थोड़ा बड़ा हुआ, तो मां को साइकिल पर बैठाकर लाता था। पत्थर तोड़ना भी एक कला है, नहीं तो आप जैसे ही हथौड़ा मारेंगे, पत्थर शरीर के किसी भी हिस्से में उड़कर लग सकता है। चोटिल कर सकता है।'

हर रोज 25 टोकरी पत्थर तोड़कर भरता। इसके बदले मुझे 10 रुपए मिलते। शरीर थककर चकनाचूर हो जाता, लेकिन मजबूरी भी थी। ये भी पता था कि यदि नहीं करूंगा तो घर कैसे चलेगा। पढ़ाई का खर्च कैसे निकलेगा। हर वक्त यही सोचता था कि घर की स्थिति क्या हमेशा ऐसी ही रहेगी। जैसे जी रहे हैं, जैसे पैदा हुए, वैसे ही मर जाएंगे?' राम भजन के साथ मैं भट्ठी के निचले हिस्से में पहुंचता हूं। ऊपर से पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़ों को डाला जा रहा है। नीचे से पके हुए पत्थर को निकाला जा रहा है। दूसरी जगह के मुकाबले इस लोकेशन का टेम्प्रेचर काफी ज्यादा है।

अब मैं राम भजन से उनके पुराने घर चलने के लिए कहता हूं। इस दौरान उन्हें कुछ और पुरानी बातें याद आ रही हैं। वो कहते हैं, 'इसी गांव में मैं भूसा ढोता था। लोग कई-कई घंटे काम करवाते थे, फिर उसके बदले 5-10 रुपए देते थे। यहां तक कि दूसरे के यहां टीवी देखने जाता था, तो उसके बदले भी वो मुझसे कोई काम करवा लेता था।'

इसी बीच राम भजन की बाइक एक पुराने खंडहर हो चुके घर के सामने रुक जाती है। घर का आंगन कांटेदार झाड़ियों के सहारे घेरा हुआ है। वे बताते हैं, 'एक कमरा, चार भाई-बहन, मम्मी-पापा आप अंदाजा लगाइए कि हम लोग कैसे एक ही कमरे में गुजारा करते रहे होंगे। स्कूल जाने के लिए भी कपड़े नहीं होते थे, जो घर में पहना, वही पहनकर स्कूल जाना पड़ता था। पूरा पैंट ही सिलाई से भरा होता था। हर जगह धागे टांके होते थे।

मां भी खुद के लिए कई-कई सालों बाद नए कपड़े खरीदती थी। पुराने कपड़े से ही वो अपना गुजारा करती थी। कई बार ऐसा भी होता था कि कोई दूसरा अपना पुराना कपड़ा दे देता था, तो वो भी हमारे लिए नया लगता था। दूसरों का दिया हुआ कपड़ा भी खुशी-खुशी पहन लेता था।

गांव से गुजरने पर भी हर दूसरा व्यक्ति राम भजन को टोक रहा है। सलाम-नमस्ते कर रहा है। वो कहते हैं, 'आज मैं गांव के बच्चों के लिए रोल मॉडल बन गया हूं। लोग गर्व कर रहे हैं। अब तक इस गांव से किसी ने यूपीएससी तो छोड़िए, ढंग की कोई सरकारी नौकरी तक नहीं की थी। घर से तो मैं पहला हूं ही। यहां तक कि 10वीं-12वीं से कोई आगे नहीं पढ़ पाया। मेरे भाई ने 12वीं की है, जबकि दोनों बहनें पढ़ी-लिखी नहीं हैं।'

दोपहर हो चली है। राम भजन के साथ मैं उनके नए घर लौट आता हूं। कुछ साल पहले ही इन्होंने इसे बनाया है। वो कहते हैं, 'अब 14 साल दिल्ली पुलिस में नौकरी किया है, तो रहने का एक ठिकाना भी नहीं बनाता क्या। यही नौकरी मेरी सक्सेस की पहली सीढ़ी है। सामने टेबल पर दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल की वर्दी और बैच रखे हुए हैं। राम भजन इसे छूने और दिखाने से खुद को रोक नहीं पाते हैं।'

वो कहते हैं, '2008-09 का साल बीत रहा था। दौसा में रहकर पढ़ रहा था। फीस के पैसे नहीं होते थे, तो कर्ज भी लेना पड़ता था। कॉलेज चल रहा था। कहते हैं न कि गरीब का बच्चा उम्र से पहले बड़ा हो जाता है। ऐसे हालात अपने सामने देख रहा था कि मैं अपनी उम्र से ज्यादा सोच पा रहा था। दो रुपए बचाने के लिए 10-10 किलोमीटर पैदल चलता था। ग्रेजुएशन में एडमिशन लेते ही ठान लिया था कि सरकारी नौकरी की तैयारी करनी है। बहुत दुबला-पतला था, तो फिजिकल फिटनेस पर ध्यान देने लगा। पुलिस में जाने का मन था। एक साथ चार एग्जाम के फॉर्म मैंने भर दिए। दिल्ली पुलिस कॉन्स्टेबल में सिलेक्शन हो गया। मेरे पास इंटरव्यू में पहनकर जाने के लिए भी कपड़े नहीं थे। जो कपड़ा हर रोज पहनता था, वही पहनकर इंटरव्यू देने गया। ये भी कई जगह से फटा और सिला हुआ था।'

राम भजन कहते हैं, 'हेड कॉन्स्टेबल तो 2022 में बना हूं। इससे पहले कॉन्स्टेबल ही था। जब दिल्ली पुलिस में भर्ती हुआ, तो बड़े अधिकारियों को देखकर इंस्पायर होता था। कोई भी आम व्यक्ति किसी बात पर सबसे पहले यही कहता- अपने साहब को बुलाकर लाओ। मैं सोचता कि काम तो कॉन्स्टेबल ही करेगा, लेकिन हर किसी को बड़े अधिकारी से ही मिलना है। उनके काम करने का तरीका, रुतबा... हर चीज को मैं गौर से देखता था। 2012 से मैंने इस पर सोचना शुरू कर दिया। इसी बीच शादी हो गई। एक साल बाद एक बच्चा भी हो गया। 2015 से मैंने तैयारी करनी शुरू कर दी। एक कोचिंग संस्था में एडमिशन ले लिया। दरअसल, हुआ यूं कि मेरे मामा का बेटा स्टेट पीएससी की तैयारी करना चाहता था। वो किसी पार्टनर का साथ चाह रहा था, जो उसके साथ तैयारी करे। हम दोनों ने साथ में तैयारी शुरू कर दी।'

राम भजन कहते हैं, 'मुश्किल है, लेकिन नामुमकिन नहीं। आप बड़े अधिकारी हैं, तो ऑफिस, टाइम सब कुछ है, लेकिन कॉन्स्टेबल का क्या, आज यहां ड्यूटी लगी है, तो कल वहां। आज ये नेता आ रहे हैं, तो कल रैली हो रही है। 12-14 घंटे की लगातार ड्यूटी। उसके बाद मैं अपने रूम पर जाकर पढ़ता। हालांकि, मेरे सीनियर ऑफिसर ने काफी मदद की। इसलिए बाद में मैंने साइबर डिपार्टमेंट में पोस्टिंग ले ली थी। लगातार 3 साल तक तो प्रिलिम्स भी नहीं निकाल पाया। कुछ लोग तंज भी मारते थे। कहते थे- तुम यूपीएससी निकालोगे, क्या ड्रामा लगा रखा है।

कोई गाइडेंस ही नहीं थी। 2018 में जब मैंने कुछ लोगों से बात करनी शुरू कर दी, जिसके बाद क्या पढ़ना है, क्या नहीं इन चीजों के नोट्स बनाए। प्रयास करते-करते 2022 यूपीएससी में सफल हो पाया। इसमें अंजली का भी बड़ा रोल है। वो हमेशा मुझे समझाती थी।' राम भजन कहते हैं कि जब उनकी पत्नी ब्याहकर आई थी, तो 8वीं पास थी। आज वो मास्टर कम्प्लीट कर चुकी हैं। बी.एड भी कर चुकी हैं। वो कहते हैं, 'जब मैंने यूपीएससी की तैयारी शुरू की, तो सोचा कि यदि मैंने इस सफलता को हासिल कर लिया और अंजली 8वीं पास ही रह जाएगी, तो फिर शायद उसके साथ भेदभाव होगा।

यहां लोग बेटी को नहीं पढ़ाना चाहते हैं, तो बहू को पढ़ाना तो दूर की बात है। एक साल लग गया घरवालों को समझाने में। उन्हें डर था कि अंजली पढ़ने चली जाएगी, तो घर का काम कौन करेगा। दोनों बहनों की शादी तब तक हो चुकी थी।

मैं तो ड्यूटी पर रहता था, महीने में एक-आध बार घर चला आता था। अंजली घूंघट करके घर से स्कूल और फिर कॉलेज जाने लगी। मैं उसे फोन पर, वीडियो कॉल पर पढ़ाता।

जो टॉपिक मुझे नहीं समझ आता, उसके लिए दोस्तों की मदद लेता। आज अच्छा लग रहा है कि हमारी मेहनत, संघर्ष के सामने इतनी सारी मुश्किलें भी बौनी पड़ गईं।' राम भजन और अंजली दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराने लगते हैं।

कांग्रेस ने सिरिवेला प्रसाद को बनाया छत्तीसगढ़ का ऑब्जर्वर

मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना की जिम्मेदारी एआईसीसी ने जारी किया आदेश

रायपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की ऑब्जर्वर मीनाक्षी नटराजन को बदल दिया गया है। उनकी जगह एआईसीसी के सचिव डॉ सिरिवेला प्रसाद को जिम्मेदारी दी गई है। जबकि मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का ऑब्जर्वर बनाया गया है। नटराजन और प्रसाद की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। पिछले हफ्ते, नटराजन को छत्तीसगढ़ के लिए, जबकि प्रसाद को तेलंगाना के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था।

कांग्रेस ने बीते 31 जुलाई को पांच राज्यों में चुनाव के मद्देनजर सीनियर ऑब्जर्वर और ऑब्जर्वर की नियुक्ति की थी। इसमें छत्तीसगढ़ के लिए प्रीतम सिंह सीनियर ऑब्जर्वर और मीनाक्षी नटराजन ऑब्जर्वर को बनाया गया था। अब एआईसीसी के नए आदेश के मुताबिक मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का ऑब्जर्वर बनाया है वहीं छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी डॉ. सिरिवेल्ला प्रसाद सम्भालेंगे।

छत्तीसगढ़ के साथ अन्य चार राज्यों में नियुक्ति की गई थी जिसमें मध्यप्रदेश में रणदीप सुरजेवाला सीनियर ऑब्जर्वर और चंद्रकांत हंडोरे को कमान सौंपी गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यों में आगामी विधानसभा चुनाव-2023 की चुनावी तैयारियों की निगरानी के लिए चुनाव पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने इसका आदेश जारी किया था।

कौन हैं सिरिवेला प्रसाद

सिरिवेला प्रसाद आंध्रप्रदेश के नेता हैं वर्तमान में एआईसीसी के प्रभारी सचिव तमिलनाडु हैं। इससे पहले सिरिवेला प्रसाद एआईसीसी के अनुसूचित जाति विभाग के संयोजक भी रहे हैं। दलित ह्यूमन राइट्स के एक्टिविस्ट भी रहे हैं। सिरिवेला प्रसाद ने साल 2019 में आंध्रप्रदेश के ओंगोल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके हैं हालांकि इसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

प्रीतम सिंह रहेंगे सीनियर ऑब्जर्वर

विधानसभा चुनाव के लिए सीनियर ऑब्जर्वर प्रीतम सिंह को बनाया गया है। प्रीतम सिंह उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। वो 6वीं बार विधायक बनकर आए हैं। प्रीतम सिंह कांग्रेस के सक्रिय नेता हैं। उनका जन्म 1958 में उत्तर प्रदेश (अब उत्तराखंड) के देहरादून जिले के विरनाद गांव में राजपूत परिवार में हुआ था।

कौन हैं मीनाक्षी नटराजन

मीनाक्षी नटराजन मध्यप्रदेश के मंदसौर से कांग्रेस की सांसद रही हैं। मीनाक्षी को पिछले चुनाव में भी कांग्रेस ने मैदान में उतारा था। लेकिन वह सुधीर गुप्ता से हार गई थीं। 2009 में जीत दर्ज की थीं। 2014 और 2019 में उन्हें टिकट मिला। लेकिन हार गईं। मीनाक्षी को राहुल गांधी का काफी करीबी माना जाता है।

मीनाक्षी नटराजन इस समय राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वे मंदसौर मध्यप्रदेश के संसदीय क्षेत्र से सांसद भी रही हैं। नटराजन टीम राहुल गांधी का हिस्सा भी रहीं है और उन्हें गांधी परिवार का करीबी माना जाता है। उन्होंने एनएसयूआई में शामिल होकर छात्र राजनीति से शुरुआत की। वे साल 1999 से 2002 तक एनएसयूआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीं। साल 2002 से 2005 तक मध्यप्रदेश यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष रह चुकी हैं। राहुल गांधी ने उन्हें एआईसीसी के सचिव के रूप में साल 2008 में चुना। साल 2009 के लोकसभा चुनाव में मंदसौर क्षेत्र से सांसद चुनी गईं।

रेस्टोरेंट मालिक की गोली मारकर हत्या

आरोपियों की तलाश में छापेमारी शुरू

रांची, 7 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ़ जिले में 32 वर्षीय एक रेस्तरां मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल आरोपियों का कुछ पता नहीं चला है। उपमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) बीरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि घटना रविवार शाम रांची से लगभग 45 किलोमीटर दूर बसाल पुलिस चौकी के पतरातू इलाके में हुई। मृतक की पहचान पतरातू में रांची-रामगढ़ राज्य राजमार्ग पर एक रेस्तरां के मालिक रोशन साव के रूप में हुई है।

एसडीपीओ ने बताया कि तीन अज्ञात लोग मोटरसाइकिल पर आए थे। उनमें से एक ने साव पर ताबड़तोड़ तीन गोलियां चलाईं और फरार हो गए। उन्होंने कहा कि साव को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर छापेमारी शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या के पीछे का कारण पता नहीं चल सका है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में 58% आरक्षण से होंगे स्कूल-कॉलेजों में एडमिशन

पहले जैसी आरक्षण व्यवस्था के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया होगी पूरी, भूपेश कैबिनेट के फैसले

रायपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सीएम हाउस में आयोजित भूपेश कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं में पहले जैसी आरक्षण व्यवस्था के तहत एडमिशन प्रोसेस पूरा किया जाएगा। इसके निर्देश जारी किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए राज्य शासन की ओर से दायर एसएलपी में पारित अंतरिम आदेश पर एक मई 2023 के अंतर्गत राज्य में पहले जैसी आरक्षण व्यवस्था के अनुसार नियुक्ति / चयन प्रक्रियाओं को जारी रखने के निर्देश दिए हैं। मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य की शैक्षणिक संस्थाओं में भी प्रवेश प्रक्रिया पहले की तरह आरक्षण व्यवस्था के अंतर्गत करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बैठक में डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, मंत्री कवासी लखमा और जयसिंह अग्रवाल वर्चुअली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए थे। मंत्री रविंद्र चौबे, मो. अकबर,

ताम्रध्वज साहू, अनिला भेड़िया, मोहन मरकाम के साथ कई अफसर बैठक में मौजूद रहे। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को कुछ ही महीने बाकी हैं ऐसे में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव लगातार कई संगठनों से बातचीत कर रहे हैं। जनहित के मसलों और सरकार की अहम योजनाओं की फीडबैक ले रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 15 अगस्त को मुख्यमंत्री कोई बड़ा ऐलान कर सकते हैं। इससे पहले उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर चर्चा की अहम मसलों पर चर्चा की। प्रदेश में अब तक मानसून की स्थिति और कृषि के वर्तमान हालात, पीएससी नियमों में भर्ती संशोधन और आरक्षण जैसे मसलों पर बातचीत की गई है। रमन सरकार के समय राज्य शासन ने आरक्षण नीति में बदलाव करते हुए 18 जनवरी 2012 को अधिसूचना जारी की थी। इसके तहत लोकसेवा अधिनियम 1994 की धारा-4 में संशोधन किया गया था। इसके अनुसार अजजा वर्ग को 32 फीसदी, अजा वर्ग को 12 फीसदी और पिछड़ा वर्ग को 14 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया था। बीते साल नवंबर में ही हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए 58 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगा दी गई थी। राज्य सरकार की ओर से मामला सुप्रीम कोर्ट में गया था। 1 मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की ओर से 58 फीसदी आरक्षण पर लगी रोक को सुप्रीम कोर्ट ने हटा दिया था। जिसके बाद अब इसी आरक्षण रोस्टर के अनुसार प्रदेश में भर्तियां चल रही है और अब शैक्षणिक संस्थानों में एडमिशन भी इसी रोस्टर के मुताबिक होंगे।

सीएम भूपेश ने पीएम मोदी को लिखा खत

ट्रेनों के विलंब और रद्द होने का किया जिक्र, कहा- समस्या का अंत हो

रायपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने पीएम नरेंद्र मोदी को खत लिखा है। इस लेटर में छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों के रद्द होने और देर से चलने का जिक्र किया है। सीएम ने खत में लिखा है कि ट्रेनों के विलंब से चलने के कारण राज्य के लाखों नागरिकों को परेशानी हो रही है। रेलवे की ओर से बिना किसी पूर्व सूचना के कभी भी बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों को निरस्त करने की सूचना जारी कर दी जाती है। सीएम ने आगे खत में लिखा है कि ये ट्रेनें कब तक निरस्त रहेगी, इसकी भी जानकारी यात्रियों को नहीं दी जा रही है। मेरे ओर से पूर्व में रेल मंत्री को भी अनेक अवसरों पर यात्री ट्रेनों के सुचारू परिचालन के लिए ध्यान आकर्षित कराया गया है लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। ट्रेनों के इस तरह से चलने की वजह से छात्रों, तीर्थयात्रियों, मरीजों, रोजगार के लिए राज्य में आने वाले व्यक्तियों, व्यवसायियों, श्रमिकों तथा परीक्षार्थियों के कई पूर्व तय काम हीं हो पा रहे हैं। लम्बी अवधि से ट्रेनों के निरस्त होने और विलम्ब से चलने के कारण राज्यवासियों में आक्रोश व्याप्त है। जिससे सरकार और रेलवे की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। बघेल ने पत्र में लिखा है कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण छत्तीसगढ़ में ट्रेनों का घनत्व राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है और दूरस्थ अंचलों में रहने वाले लोगों के लिये यात्री ट्रेनें ही आवागमन का एकमात्र सुलभ और सस्ता साधन है।

निडर हैं गौ तस्कर बता रहे हैं थाने का रेट

गोड्डा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड से पशु तस्करी कर बांग्लादेश भेजे जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पशु तस्करी करने वाला व्यक्ति थाने के रेट बता रहा है कि कहां किस थाने में कितना पैसा दाता है। झारखंड का संताल इलाका पशु तस्करों के लिए आसान टारगेट है। संताल परगना पशु तस्करों के लिए सेफ जोन बन गया है।एक के बाद एक आये कई मामले इशारा करते हैं, पशुओं की सप्लाई में इस इलाके के रहने वाले लोग अहम भूमिका निभा रहे हैं। गांव वालों की भी भूमिका है ।

गौ तस्कर के साथ पुलिस की मिलीभगत?

वीडियो मे जितने आराम से व्यक्ति गौ तस्करी करते हुए थाने के रेट चार्ट की जानकारी दे रहा है इससे साफ है कि यह गैरकानूनी व्यापार सबकी मर्जी से फल-फूल रहा है। वहीं हर साल लाखों की संख्या में पशु को पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश भेजे जा रहे हैं।

लगभग 30 की संख्या में गाय ले जाया जा रहा है। उस युवक से जब पूछा गया कि आपको कोई रोकता नहीं है। हमें कोई रोकता नहीं है महाजन से बात किया है। आप किस- किस थाने में पैसा देते हैं। इस सवाल पर तस्करी कर रहा युवक बताता है, गोड्डा थाने में 25 रुपया मुड़ (प्रति गाय) के हिसाब से, सुंदरपहाड़ी थाना 40 रुपया मुड़, सिंगलोंग ओपी थाना में 50 रुपये मुड़ और आगे लिट्टीपाड़ा में 100 रुपए मुड़ के हिसाब से देते हैं। इस मामले पर बात करने के लिए हमने उपायुक्त जिशान कमर और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना से बात की। उपायुक्त जिशान कमर ने कहा कि मुझे इस मामले की जानकारी नहीं है।

अमीषा पटेल के वकील ने फिर मांगा समय

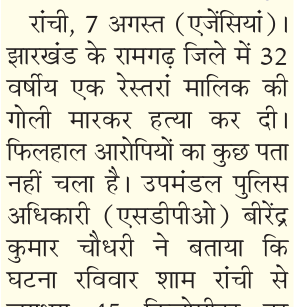

रांची, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेत्री अमीषा पटेल पर रांची सिविल कोर्ट में चल रहे चेक बाउंस मामले में आज सुनवाई हुई। सुनवाई ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट डी एन शुक्ला की कोर्ट में हुई। जहां शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह की ओर से पेश किए गए गवाह संख्या एक का जिरह नहीं हो सका। अभिनेत्री अमीषा पटेल के वकील की ओर से फिर समय देने की गुजारिश कोर्ट से की गयी। जिसके बाद अगली सुनवाई में गवाह संख्या दो को पेश करने को कहा गया। इससे पहले अमीषा पटेल के वकील की ओर से समय की मांग किए जाने का शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह के वकील ने विरोध किया। वकील ने कहा कि गवाह पिछले 2 दिनों से कोर्ट आ रहे हैं। इसलिए इन्हें अब गवाही से अभी मुक्त किया जाए। कोर्ट ने इसकी अनुमति दे दी। 26 जुलाई को अंतिम सुनवाई हुई थी। इसमें आरोप लगाने वाले अजय कुमार सिंह की ओर से कंपनी के मैनेजर टिंकू सिंह कोर्ट में गवाह के तौर पर पेश हुए। लेकिन उनसे अमीषा पटेल के वकील जयप्रकाश ने क्रॉस एग्जामिनेशन नहीं किया। उन्होंने कोर्ट से समय देने की मांग की थी। इसी वजह से कोर्ट ने उनपर 500 रुपए जुर्माना लगाया था।

छत्तीसगढ़ बीजेपी आज रायपुर में खोलेगी सहारा निवेशक हेल्प डेस्क

मिलेंगे सालों से फंसे निवेशकों के पैसे

रायपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बीजेपी आज 7 अगस्त को शाम साढ़े 4 बजे जवाहर बाजार में सहारा पीड़ितों के पैसे लौटाने के लिए सहारा पोर्टल हेल्प डेस्क का शुभारंभ करेगी। सहारा पोर्टल हेल्पडेस्क का शुभारंभ पूर्व मंत्री और विधायक बृजमोहन अग्रवाल, हेल्प डेस्क प्रभारी संजय श्रीवास्तव, बीजेपी रायपुर शहर जिला अध्यक्ष जयंत भाई पटेल करेंगे।

बीजेपी ने कहा कि सहारा में जमा लोगों के पैसे लौटाने के लिए सहारा निवेशकों को न्याय दिलाने के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहारा रिफंड पोर्टल जारी किया है। बीजेपी ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से सहारा में सालों से फंसे निवेशकों के पैसे वापस मिलना शुरू हो जाएंगे। सहारा पीड़ित इस पोर्टल में अपने रजिस्ट्रेशन सही ढंग से कर सके ताकि उनके पैसे समय पर वापस मिल जाए। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी जवाहर बाजार में हेल्प डेस्क शुरू कर रही है।

अफगानिस्तान के बाहर हमले न करें मुजाहिद

सुप्रीम लीडर अखुंदजादा बोले- देश से बाहर जंग जिहाद नहीं, पाक में आतंकी हमले के बाद सख्ती

काबुल, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के सुप्रीम लीडर हिबातुल्लाह अखुंदजादा ने तालिबानियों को देश से बाहर हमले न करने की हिदायत दी है। डिफेंस मिनिस्टर मोहम्मद याकूब ने अफगानिस्तान की सिक्योरिटी फोर्सेस को दिए एक भाषण में ये जानकारी दी है। उन्होंने अखुंजादा का हवाला देते हुए कहा- सुप्रीम लीडर के निर्देश के बिना अगर कोई जिहाद के लिए अफगानिस्तान के बाहर जाता है तो उसे जिहाद नहीं माना जाएगा।

अखुंजादा ने तालिबानियों के लिए ये आदेश पाकिस्तान में आतंकी हमले के बाद दिया है। सोमवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तुनख्वा में ब्लास्ट होने से 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। पाकिस्तान का आरोप है कि उनके यहां हमला करने में आतंकी संगठनों को अफगानिस्तान से मदद मिलती है। अफगानिस्तान में 2 साल

पहले तालिबान के सत्ता में आने के बाद आतंकी हमलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का कहना है कि आतंकियों को पड़ोसी मुल्क से मदद मिलती है। वहीं, हाल ही में यूएन की एक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान अब अलकायदा में मिलना चाह रहा है। वो एक ऐसा संगठन बनाना चाहता है जिसके तहत साउथ एशिया के सभी मिलिटेंट ग्रुप काम कर सकें।

यूएन की कमेटी ने पाकिस्तान की उस शिकायत को भी सही ठहराया है, जिसमें कहा गया था कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और मजबूत हुआ है। यूएन कमेटी के एक सदस्य ने ये भी कहा है कि टीटीपी पाकिस्तान में हमले करने के लिए अलकायदा से ट्रेनिंग भी ले रहा है।

अफगानिस्तान में ट्रेन हो रहे टीटीपी के लड़ाके

यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में कई आतंकी संगठनों के ट्रेनिंग कैंपस हैं। इनका इस्तेमाल टीटीपी के लड़ाकों को ट्रेन करने के लिए किया जा रहा है। वहीं, टीटीपी ने कई छोटे-छोटे संगठनों के साथ गठबंधन कर लिया है। यूएन ने बताया है कि टीटीपी पाकिस्तान के इलाकों में फिर से कब्जा करना चाहता है।

रिपोर्ट में सामने आया है कि टीटीपी का ज्यादा फोकस पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों की बजाय बॉर्डर वाले इलाकों में हमले करने का रहा है। हालांकि, किसी इलाके पर कब्जा नहीं होने के कारण वो अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाया है।

अफगानिस्तान में 20 से ज्यादा आतंकी संगठन

25 जुलाई को यूएनएससी में दाखिल की गई रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अफगानिस्तान में फिलहाल 20 से ज्यादा आतंकी संगठन ऑपरेट कर रहे हैं। ये अपने असर को आसपास के इलाकों में फैलाने की कोशिश भी कर रहे हैं।

अलकायदा अफगानिस्तान में छिपकर ऑपरेट कर रहा है, ताकि तालिबान सरकार के उस दावे पर उंगली न उठ सके, जिसमें वो कहते हैं कि उनकी जमीन से कोई आतंकी संगठन ऑपरेट नहीं कर रहा है। जबकि यूएन का मानना है कि अफगानिस्तान में अलकायदा के कम से कम 30 से 60 लीडर और 400 से 2 हजार के बीच लड़ाके हैं। अफगानिस्तान की सत्ता में बैठे तालिबान ने यूएन की इस रिपोर्ट को गलत बताया है।

कैथोलिक चर्च एलजीबीटी समुदाय के लिए खुले

पोप फ्रांसिस का बड़ा बयान लेकिन शर्त भी बताई

रोम, 7 अगस्त (एजेंसियां)। ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने रविवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कैथोलिक चर्च समलैंगिकों समेत पूरे एलजीबीटी समुदाय के लिए खुले हैं। पोप फ्रांसिस ने कहा कि आध्यात्मिकता के मार्ग पर उनका साथ देना हमारा कर्तव्य है लेकिन यह नियमों के दायरे में रहकर ही हो सकता है। बता दें कि पोप फ्रांसिस पुर्तगाल में आयोजित हुए वर्ल्ड यूथ डे कैथोलिक फेस्टिवल में शामिल होने गए हुए थे। पुर्तगाल से रोम लौटते समय हवाई जहाज में पत्रकारों से बात करते हुए पोप फ्रांसिस ने ये बातें कही।

पत्रकारवार्ता के दौरान एक पत्रकार ने पोप फ्रांसिस से सवाल किया कि पुर्तगाल की यात्रा के दौरान उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था कि चर्च सभी के लिए खुले हैं, सभी के लिए, लेकिन क्या ये असंगत नहीं है कि महिलाओं और समलैंगिकों को अन्य के मुकाबले कई अधिकार नहीं मिले हैं? इसके जवाब में

पोप फ्रांसिस ने कहा कि 'चर्च सभी के लिए खुले हैं लेकिन चर्च के अंदर के जीवन को नियंत्रित करने के लिए कुछ नियम हैं और इनका पालन करना जरूरी है।'

पोप फ्रांसिस ने कहा कि 'नियमों के मुताबिक ये लोग चर्च के कुछ संस्कारों में भाग नहीं ले सकते। इसका मतलब ये नहीं है कि उन पर प्रतिबंध है। पोप फ्रांसिस ने कहा कि चर्च के भीतर हर व्यक्ति को अपने तरीके से भगवान का सामना करना होता है।' बता दें कि चर्च में महिलाओं को पुजारी बनने की इजाजत नहीं है। साथ ही समलैंगिक जोड़े को चर्च में विवाह करने की इजाजत नहीं है। बता दें कि पोप फ्रांसिस लगातार एलजीबीटी समुदाय के लिए चर्चों को ज्यादा स्वागतयोग्य बनाने के प्रयास कर रहे हैं। अपने बीते 10 साल के कार्यकाल के दौरान पोप फ्रांसिस ने कई सुधार किए हैं, जिनमें महिलाओं को चर्च में ज्यादा भूमिका देना, खासकर वेटिकन सिटी में उच्च पदों पर महिलाओं की नियुक्ति जैसे कदम शामिल हैं।

चीन के पक्ष में ग्लोबल प्रोपेगैंडा

शिकागो से शंघाई तक फैला नेटवर्क दुनियाभर में गतिविधियां चला रहा

बीजिंग, 7 अगस्त (एजेंसियां)। एशियाई लोगों के खिलाफ हेट क्राइम के विरोध में लंदन के चाइना टाउन में कई एक्टिविस्ट ग्रुपों की रैली में प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई थी। विरोध जताने वाले अधिकतर लोग चीनी थे। नवंबर 2021 में झगड़ा उस वक्त हुआ जब प्रदर्शन के आयोजक नो कोल्ड वॉर ग्रुप के लोगों ने हॉन्गकॉन्ग में लोकतंत्र आंदोलन का समर्थन करने वाले एक्टिविस्ट्स पर हमला कर दिया। सतह पर दिखता है कि नो कोल्ड वॉर ग्रुप अमेरिकी और ब्रिटिश एक्टिविस्ट्स का बिखरा हुआ ग्रुप है, लेकिन ऐसा नहीं है। यह चीन का बचाव करने और उसका प्रोपेगैंडा आगे बढ़ाने वाला एक अभियान है। इसके पास भरपूर फंड है। इसमें वामपंथ समर्थक अमेरिकी अरबपति नेविले रॉय सिंघम की मुख्य भूमिका है। गैर लाभकारी संगठनों और शैल कंपनियों के जाल में एक बात छिप गई है कि सिंघम चीन सरकार की मीडिया मशीन के साथ काम करते हैं। वे दुनियाभर में चल रहे प्रोपेगैंडा के लिए धन देते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की इन्वेस्टिगेशन में सामने आया कि सिंघम के साथ मैसाचुसेट्स में एक थिंक टैंक, मैनहटन की संस्था, दक्षिण अफ्रीका में एक राजनीतिक दल, भारत और ब्राजील में न्यूज ऑर्गनाइजेशन सहित कई ग्रुप जुड़े हैं। इनके पास अरबों डॉलर के साधन हैं। सिंघम शिकागो में सॉफ्टवेयर कंसल्टेंसी कंपनी थॉटवर्क्स चलाते हैं। इससे एक भारतीय न्यूज वेबसाइट भी नेटवर्क से जुड़ी है। चार नए गैर लाभकारी संगठनों के बूते सिंघम का अभियान चलता है।

इनके एड्रेस इलिनॉय, विस्कांसिन और न्यूयॉर्क में यूपीएस स्टोर मेलबॉक्स के रुप में दर्ज हैं। यूपीएस स्टोर ग्रुपों से करोड़ों डॉलर दुनियाभर में भेजे गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के एक राजनीतिक दल, अमेरिका में यूट्यूब चैनलों और घाना, जांबिया में गैर लाभकारी संगठनों को पैसा मिलता है। ब्राजील में ब्राजील डि फेक्टो अखबार चलाने वाले ग्रुप को भी धन मिला है।

ट्यूनिशिया से इटली जा रहे प्रवासियों की 2 नावें डूबीं

2 की मौत, 30 लापता, समुद्री तूफान में फंसने से हुआ हादसा

रोम, 7 अगस्त (एजेंसियां)। इटली के लैम्पेडुसा आईलैंड के पास प्रवासियों की 2 नावें डूब गईं। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई, वहीं 30 लोग लापता है। मरने वालों में एक महिला और उसकी एक साल की बच्ची भी शामिल है। इटली ने बताया कि उन्हें आइवोरी कोस्ट से दोनों के शव मिले हैं। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन माइग्रेशन की रिपोर्ट के मुताबिक हादसा नावों के समुद्री तूफान में फंसने से हुआ। दोनों नावें गुरुवार को ट्यूनिशिया के फैक्स पोर्ट से रवाना हुई थीं। वहीं, ट्यूनिशिया ने बताया है कि उन्हें फैक्स बीच से भी 10 प्रवासियों के शव मिले हैं।

समुद्री पहाड़ियों में फंसे प्रवासियों का हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू

इटली के कोस्टगार्ड लापता प्रवासियों की खोज कर रहे हैं। वहीं, कोस्टगार्ड ने रविवार को लैम्पेडुसा में पहाड़ी इलाकों में फंसे 20 प्रवासियों को भी बचाया। इनका रेस्क्यू हेलिकॉप्टर से किया गया। वो यहां 48 घंटों से फंसे हुए थे। समुद्री की तेज हवा से उनकी

नाव पहाड़ियों के बीच फंस गई थी। इटली की पेट्रोल बोट्स ने हाल ही के दिनों में 2000 प्रवासियों की जान बचाई है।इटली के गृह मंत्रालय के मुताबिक इस साल अब तक वहां 92 हजार प्रवासी पहुंच चुके हैं। ये आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले दोगुना है।

ट्यूनिशिया में जुलाई तक 901 लोगों के शव बरामद

उत्तरी अफ्रीका से अपने देश छोड़कर यूरोप जाने वाले लोगों की संख्या में इस साल काफी इजाफा हुआ है। लोग अपनी जान जोखिम में डालकर गैरकानूनी तरीकों से नावों के सहारे यात्रा कर रहे हैं। देश के गृह मंत्री ने जुलाई में कहा था कि ट्यूनीशियाई तट रक्षक ने इस साल 1 जनवरी से 20 जुलाई तक अपने तट से डूबे हुए प्रवासियों के 901 शव बरामद किए हैं। प्रवासियों को गैर कानूनी तरीकों से यूरोप जाने से रोकने के लिए 16 जुलाई को, ट्यूनीशिया और ईयू ने एक समझौता किया। इसके तहत लोगों की जान जोखिम में डालकर उन्हें यूरोप भेजने वाले मानव तस्करों को काबू किया जाएगा। साथ ही सीमाओं पर भी सख्त पहरेदारी होगी।

यूरोप जाने की होड़ में पाकिस्तान के 300 लोगों की मौत

ग्रीस के पास 14 जून को नाव डूबने की घटना में पाकिस्तान के 300 लोगों की मौत हुई थी। पाकिस्तान की लोकल मीडिया ने ये जानकारी दी थी। पाकिस्तान की न्यूज वेबसाइट डॉन के मुताबिक नाव में पाकिस्तान के 400, मिस्र के 200, सीरिया के 150 लोग सवार थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने हादसे के बाद मानव तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी। इसके बाद पाकिस्तान ने पीओके से 9 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन पर गैर-कानूनी तरीकों से पाकिस्तान के लोगों को यूरोप पहुंचाने की कोशिश करने के आरोप हैं।

यूएन के मुताबिक बोट में 400 से 750 लोग मौजूद थे। इनमें 200 से ज्यादा पाकिस्तान के थे। हादसे के बाज 78 लोगों के शव बरामद किए गए। जबकि 500 लोग लापता बताए गए थे।

पाकिस्तान ने रोकी ईरान के साथ वाली अरबों डॉलर की गैस पाइपलाइन परियोजना

अमेरिकी दबाव में लिया फैसला

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने ईरान के साथ अरबों डॉलर के गैस पाइपलाइन समझौते पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका के दबाव के चलते पाकिस्तान ने यह फैसला लिया है। बता दें कि ईरान के साथ गैस पाइपलाइन योजना से पाकिस्तान को सस्ती गैस मिलनी थी, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते पाकिस्तान इस परियोजना से फिलहाल पीछे हट गया है।

आईएमएफ से लोन के लिए बात कर रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे में तीन अरब डॉलर के लोन के लिए पाकिस्तानी सरकार की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से बातचीत चल रही है। माना जा रहा है कि आईएमएफ से डील में कोई परेशानी ना हो, इसलिए पाकिस्तान, ईरान गैस पाइपलाइन

प्रोजेक्ट से बाहर निकल गया है। पहले इस गैस पाइपलाइन परियोजना में भारत भी शामिल था लेकिन बाद में भारत इस डील से बाहर आ गया था। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया है कि 'बाहरी दबाव' के चलते इस्लामाबाद ने ईरान गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट पर रोक लगाई है। पाकिस्तान तब तक इस परियोजना पर आगे नहीं बढ़ पाएगा, जब तक ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से राहत नहीं मिल जाती या फिर अमेरिका चुपचाप, पाकिस्तान को इसकी मंजूरी नहीं दे देता।

पाकिस्तान ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, ऐसे में ईरान पाकिस्तान गैस पाइपलाइन का काम रुकना उसके लिए बड़ा झटका है।

टेक-ऑफ से पहले प्लेन से निकला भालू

इराकी एयरलाइन के उड़ान भरने में देरी से गुस्साए यात्री, पीएम ने दिए जांच के आदेश

दुबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। दुबई से इराक जा रही एक एयरलाइन के टेक-ऑफ करने से ठीक पहले उसके कार्गो से एक भालू निकल गया। इससे एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं, प्लेन के उड़ान भरने में एक घंटे की देरी हुई, जिस पर यात्रियों ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। हालात ऐसे हो गए थे कि खुद प्लेन के कैप्टन को यात्रियों से माफी मांगनी पड़ी।

इराक के प्रधानमंत्री ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, इराक की एयरलाइन ने कहा है कि इस मामले में उनकी कोई गलती नहीं है। उन्होंने भालू को बेहोश करने के लिए दुबई के अधिकारियों का पूरा सहयोग किया था। उन्हें नहीं मालूम इसके बावजूद आखिर कैसे भालू प्लेन के कार्गो से निकल गया।

इराक एयरवेज के मुताबिक भालू को दुबई से बगदाद लाया जा रहा था। एयरलाइन का कहना है कि भालू को ट्रांसपोर्ट करने के लिए उन्होंने इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सभी स्टैंडर्ड का पालन किया था।

जब भालू प्लेन से निकला तो सभी यात्रियों को वहां से बाहर निकाल लिया गया था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ लोग भालू को वापस कार्गो में डालते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना में किसी यात्री को चोट नहीं पहुंची।

दुबई दुनिया का सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है। उन्होंने इस मामले में कोई भी कमेंट करने से इनकार कर दिया। वहीं, किसी भी अधिकारी ने भालू के मालिक का नाम बताने से इनकार कर दिया। इराक में अमीर और नामी लोगों को बीच भालू पालने का ट्रेंड लगातार बढ़ रहा है। अधिकारियों को जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधानों को लागू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

बगदाद की पुलिस ने नागरिकों से ऐसे मामलों की रिपोर्ट करके जानवरों को शहर की सड़कों पर खुला घूमने से रोकने में मदद मांगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई बार इन्हें भोजन के रूप में बड़े होटल और रेस्तरां में परोसा भी दिया जाता है।

भारतीय मूल के नेता ने राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की पात्रता के लिए किया आवेदन

सिंगापुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका में अगले माह राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। इन चुनावों के कई राजनेता अपना अभियान औपचारिक रूप से शुरू कर चुके हैं। इन में चुनावों में भारतीय मूल के वरिष्ठ मंत्री थरमन षणमुगरत्नम भी अपनी ताल ठोकने के लिए तैयार है। सोमवार को उन्होंने पात्रता के प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया, ताकि वह इन चुनावों में भाग ले सकें। थर्मन ने पिछले महीने औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिए अपना अभियान शुरू किया था। उन्होंने सिंगापुर की संस्कृति को विकसित करने और दुनिया में इसे एक 'चमकता सितारा' बनाए रखने का संकल्प लिया था। सिंगापुर में सितंबर 2023 में इसलिए चुनाव हो रहे हैं, क्योंकि राष्ट्रपति हलीमा याकूब का कार्यकाल 13 सितंबर को समाप्त हो रहा है।

इमरान को खूंखार अपराधियों वाली सी ग्रेड अटक जेल भेजा

पार्टी बोली- खान की जान खतरे में, उन्हें खाना भी नहीं दिया जा रहा

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अटक जेल में ले जाया गया है, जो सी ग्रेड है और जिसमें कम से कम सुविधाएं हैं। पार्टी ने कहा है कि इमरान को जेल में खाना भी नहीं दिया जा रहा है। उनकी जिंदगी खतरे में है। जिस जेल में खान को रखा गया है, इसमें खूंखार कैदी रखे जाते हैं। राजनीतिक कैदियों को ए ग्रेड जेल में रखा जाता है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पहली बार किसी पूर्व प्रधानमंत्री को इस जेल में रखा जा रहा है।

तोशाखाना मामले में अदालत ने इमरान खान को तीन साल की कैद सुनाने के बाद इस्लामाबाद पुलिस को उनको गिरफ्तार कर अडियाल जेल ले जाने को कहा था, लेकिन पंजाब पुलिस ही उन्हें अटक जेल ले गई। पहले ही लाहौर पुलिस को अलर्ट पर रहने को कहा गया था, जो जमान पार्क के उनके घर से उन्हें ले गई।

पुलिस इमरान खान का मेडिकल कराने की बजाय सीधे जेल ले गए और वकीलों से मिलने भी नहीं दिया। यह फैसला उनके लिए तगड़ा झटका है, क्योंकि वे अगले साल होने वाला चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। अपनी पार्टी तहरीक ए इंसाफ के प्रमुख भी नहीं रह सकेंगे।

पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब में केवल दो जेल ऐसी हैं जहां पर कैदियों के लिए 'ए' क्लास की सुविधाएं मुहैया की गई हैं। इन दोनों जेलों में बहावलपुर जेल और रावलपिंडी की अडियाला जेल शामिल हैं।

करीब 67 एकड़ में फैली अटक जेल का निर्माण ब्रिटिश शासकों ने 1905-06 में करवाया था। एक जेल अधिकारी ने बताया कि अटक जेल में इमरान खान के लिए वीवीआईपी सेल बनाया गया है, लेकिन इसमें एसी नहीं है, सिर्फ पंखा है। बिस्तर और अटैच वॉशरूम है। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद इस बार कोई पूरे पाकिस्तान में कहीं भी कोई खास विरोध दिखाई नहीं दे रहा है। कराची में विरोध करते हुए उनके 19 समर्थकों को हिरासत में लिया गया है। ऐहतियातन पंजाब प्रांत के कई जिलों में धारा 144 लगा दी गई है। इससे पहले मई में इमरान खान को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

उसके बाद पूरे पाकिस्तान में उपद्रव हुआ था और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले किए गए थे। इमरान खान के समर्थकों ने देश में भारी हिंसा की थी। उनके खिलाफ आतंकवाद, ईशनिंदा और भ्रष्टाचार के 140 से ज्यादा केस हैं। डेली पाकिस्तान की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि पुलिस जब इमरान को गिरफ्तार करने पहुंची तो वो लंच कर रहे थे। उन्हें लंच बीच में ही छोड़कर पुलिस के साथ जाना पड़ा। पीटीआई का आरोप है कि पुलिस ने खान के वकील को उनसे मिलने की मंजूरी नहीं दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस टीम ने घर के अंदर मैसेज भेजा कि खान को गिरफ्तार करना है, उन्हें बाहर भेजा जाए।

अंदर से मैसेज आया कि साहब लंच कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस टीम अंदर गई और खान से कहा कि आप लंच बाद में कर लेना। अभी साथ चलिए।

110 साल की सऊदी महिला फिर स्कूल स्टूडेंट

60 साल का बेटा क्लास में छोड़कर आता है, छुट्टी होने तक बाहर बैठता है

रियाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सऊदी अरब में इन दिनों 110 साल की उम्र वाली बुजुर्ग स्टूडेंट की चर्चा है। इस महिला का नाम नवाद अल कहतानी है। नवाद सऊदी सरकार के स्पेशल एजुकेशन प्रोग्राम का हिस्सा हैं। इसके तहत किसी भी उम्र के लोग सरकारी स्कूल जाकर बेसिक एजुकेशन हासिल कर सकते हैं।

नवाद के चार बेटे हैं। सबसे बड़े बेटे की उम्र 80 और सबसे छोटे की उम्र 50 साल है। सभी बच्चे मां को इस उम्र में भी तालीम हासिल करते देख रहे हैं और बेहद खुश हैं। तीसरे नंबर का बेटा उन्हें स्कूल छोड़ने जाता है और छुट्टी होने तक स्कूल के बाहर बैठा

रहता है ताकि मां को बिना किसी तकलीफ के घर तक छोड़ सके। सऊदी सरकार ने देश में अल रहवा सेंटर खोले हैं। दरअसल, ये एक बेसिक एजुकेशन चेन है, जिसे खास तौर पर देश के पिछड़े हिस्से दक्षिण-पश्चिम के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि कुछ और हिस्सों में ये एजुकेशन प्रोग्राम चलाया जा रहा है। नवाद की बात करें तो वो सऊदी के उम्वाह इलाके में रहती हैं। बुजुर्ग महिला का मानना है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। वो कहती है- जहां तक मेरे तालीम हासिल करने का सवाल है तो बस इतना सच है कि देर आयद, दुरुस्त आयद। सऊदी सरकार देश में इलिटरेसी यानी निरक्षरता को पूरी तरह खत्म करना चाहती है। नवाद एजुकेशन हासिल करने के लिए कितनी उत्सुक हैं, इसका अंदाजा सिर्फ एक बात से लगाया जा सकता है कि जिस दिन से उन्होंने स्कूल जॉइन किया है, उस दिन से अब तक एक भी दिन गैरहाजिर नहीं रहीं। 'अरब वर्ल्ड' वेबसाइट के मुताबिक नवाद और उनके जैसी कई महिलाएं और पुरुष स्कूल में अक्षरों को पहचानना और पढ़ना सीख रहे हैं। इसके साथ ही उन्हें पवित्र ग्रंथ कुरान के बारे में भी पढ़ाया जा रहा है। नवाद कहती हैं- मैं अपने सबक बहुत सब्र और ध्यान से पढ़ती हूं। मुझे इसमें बहुत मजा आ रहा है। स्कूल से मुझे होमवर्क भी मिलता है और अगले दिन मैं इसे पूरा करके लाती हूं। मेरे टीचर इसे चेक भी करते हैं।

वॉशिंगटन में नहीं होगी निष्पक्ष सुनवाई

चुनाव नतीजे पलटने से जुड़े केस में ट्रंप ने की जज बदलने की मांग

वाशिंगटन, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि 2020 के चुनाव धोखाधड़ी मामले में उन्हें नहीं लगता कि निष्पक्ष सुनवाई होगी। इसलिए वह अपने ऊपर लगाए गए आपराधिक मुकदमे की निगरानी एक अलग न्यायाधीश से कराने और मामले को वाशिंगटन से बाहर स्थानांतरित करने के लिए याचिका दायर करेंगे। बता दें कि साल 2020 में हुए चुनाव में ट्रंप को हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने चुनावी नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद 6 जनवरी 2021 को ट्रंप समर्थकों ने राजधानी पर धावा बोल दिया था। डोनाल्ड ट्रंप सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण में असफल माने गए। इसके बाद ट्रंप पर आरोप लगे कि वह हार के बावजूद पद पर बने रहे। इसलिए ट्रंप पर साल 2020 में हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कोशिश करने का आरोप है। इस मामले की जिम्मेदारी न्यायाधीश तान्या छुटकन को पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सौंपी थी। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि वॉशिंगटन में ऐसा कोई भी रास्ता नहीं है कि उन्हें सुनवाई का

निष्पक्ष मौका मिले। इसलिए मामले को किसी और अदालत में स्थानांतरित करने की मांग करेंगे। बता दें, रविवार दोपहर तक अदालत में कोई औपचारिक अनुरोध दायर नहीं किया गया था। वहीं, कोलंबिया के जिला न्यायालय ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि आरोप कई वर्षों बाद अब लगाए गए हैं, जब चुनाव होने वाले हैं। इससे साफ है कि यह सिर्फ साजिश है। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि अमेरिका के लोग यह देख रहे हैं। हमारा देश बर्बाद हो रहा है। इसे फिर से महान बनाना होगा। उन्होंने कहा कि हम तुरंत मामले की सुनवाई किसी अन्य न्यायाधीश से करवाने की मांग करेंगे। इसके साथ ही मामले को अन्य कहीं और स्थानांतरित करवाने को लेकर एक याचिका भी दायर करेंगे।

मानहानि केस में वीसी से कोर्ट में पेश हुए गहलोत

21 अगस्त को रिवीजन कोर्ट से लाना होगा स्टे, वरना फिर होना होगा पेश

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह द्वारा किए गए मानहानि के केस में आज सीएम अशोक गहलोत दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में वीसी (वीडियो कान्फ्रेंस) के जरिए पेश हुए। गहलोत को रिवीजन कोर्ट ने राउज एवेन्यू कोर्ट में वीसी से पेश होने व बेल बॉड नहीं भरने की छूट दी थी। इसके चलते आज सीएम गहलोत को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश नहीं होना पड़ा।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने 21 अगस्त को मामले की अगली सुनवाई तय की है। ऐसे में इससे पहले सीएम गहलोत को रिवीजन कोर्ट से निचली अदालत के आदेश पर स्टे लाना होगा। अथवा कोर्ट से फिर व्यक्तिगत रूप से पेशी से छूट लेनी होगी। वरना 21 अगस्त को उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपनी जमानत करानी होगी। रिवीजन कोर्ट में 19 अगस्त को मामले की सुनवाई होगी।

दरअसल केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत द्वारा संजीवनी घोटाले में उन्हें और उनके परिवार को आरोपी बताने के मामले में मानहानि का दावा किया था। जिस पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने 6 जुलाई को सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ समन जारी किया था।

इसके खिलाफ गहलोत ने सेशन कोर्ट में रिवीजन फाइल की थी। लेकिन उन्हें वहां से राहत नहीं मिली थी। रिवीजन कोर्ट में सीएम गहलोत को केवल वीसी के जरिए पेश होने की छूट दी थी।

एसओजी ने जो बताया वो बोला

रिवीजन कोर्ट में 1 अगस्त को सुनवाई के दौरान सीएम अशोक गहलोत की ओर से कहा गया था कि उनके पास गृह विभाग भी हैं। गृहमंत्री होने के नाते एसओजी उन्हें रिपोर्ट करती हैं। एसओजी ने केस को लेकर जो उन्हें जानकारी दी। उसे सीएम अशोक गहलोत ने मीडिया के साथ साझा किया। एसओजी को मिली शिकायत में गजेन्द्र सिंह के परिवार का नाम भी हैं।

वहीं गजेन्द्र सिंह शेखावत के अधिवक्ताओं ने बहस करते हुए कहा था कि हमारा किसी भी शिकायत में नाम नहीं था। मानहानि का केस दर्ज होने के बाद एसओजी द्वारा इस मामलें में कथित तथ्य जुटाए गए।

करीब 5 माह पहले गहलोत ने दिया था बयान

करीब पांच माह पहले केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मानहानि का दावा पेश किया था। गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी घोटाले में उनके परिवार के बारे में दिए गए अशोक गहलोत के बयान को आधार बनाया था।

दरअसल, गहलोत ने 21 फरवरी को सचिवालय में बजट की समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि संजीवनी घोटाले में गजेंद्र सिंह के मां-बाप, पत्नी सहित पूरा परिवार शामिल है। इस घटना से पहले भी दोनों नेताओं के बीच लगातार बयानबाजी होती आई है।

केस को लेकर गहलोत ने कहा था, स्वागत है

मानहानि केस को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने भी केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह पर हमला बोला था। गहलोत ने कहा था कि पूरा घोटाला कागजों पर है। गजेंद्र सिंह के मानहानि केस का स्वागत है। कम से कम इस बहाने केस आगे तो बढ़ेगा। उन्होंने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा था कि उन्हें गजेन्द्र सिंह को अपने मंत्रिमण्डल से हटाना चाहिए हैं।

कांग्रेस का आऱोप, बीजेपी ने की पीड़िता की पहचान उज़ागर

सीपी जोशी व महिला सांसदों के इस्तीफे की मांग, कोटड़ी पहुंचा था महिला सांसदों का दल

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के कोटड़ी में नाबालिग से गैंगरेप व हत्या के मामलें में जहां लगातार बीजेपी सरकार पर हमलावर हैं। वहीं अब कांग्रेस ने बीजेपी पर पीड़िता की पहचान उज़ागर करने का आरोप लगाया हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा है कि बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी व महिला सांसदों के दल ने पीड़िता की पहचान उज़ागर की हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट की साफ-साफ गाइडलाइन है कि किसी भी तरह से पीड़िता की पहचान उज़ागर नहीं की जा सकती हैं।

लेकिन घटना के बाद राजस्थान भाजपा ने पीड़िता के पिता का चेहरा अपने ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट पर दर्शा दिया। वहीं बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भी पीड़िता के पिता का चेहरा अपने ऑफिशियल ट्विटर और फेसबुक अकाउंट पर दिखा दिया।

वहीं आज दिल्ली से कोटड़ी पहुंची महिला सांसदों के दल ने भी पीड़िता की पहचान उज़ागर कर दी। भाजपा की ओर से मीडिया को जानकारी देने के लिए जो ऑफिशियल व्हॉट्सएप ग्रुप बनाया हुआ है। उस ग्रुप में नाबालिग के पिता की पहचान महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के साथ मीडिया को जानकारी देने के लिए साझा की गई तस्वीरों से उजागर हो गई।

संवेदनशील मुद्दे पर बीजेपी कर रही राजनीति

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा ने कहा कि इतने संवेदनशील मुद्दे पर बीजेपी का यह गैरजिम्मेदारी पूर्ण रवैया दर्शाता है कि वे किस तरह से इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही हैं। उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, महिला सांसद लोकेट चटर्जी, रेखा वर्मा और सरोज पांडे से इस्तीफे की मांग की है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार भीलवाड़ा कोटड़ी मामले को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मामले में पुलिस को जल्द से जल्द चालान पेश करने के निर्देश भी दे रखे हैं।

लोकेश शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा नेता चुनावी साल में राजनीतिक रंग देने के लिए कोटड़ी में पीड़ित परिवार से मिलने का नाटक कर रहे हैं।

4 महिला सांसद आज पहुंची थी कोटड़ी

इस मामलें को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा गठित टीम की 4 महिला सांसद आज भीलवाड़ा के कोटड़ी पहुंची थी। महिला सांसदों में सरोज पांडे, कांता कर्दम जाटव, रेखा वर्मा व लोकेट चटर्जी शामिल हैं।

महिला सांसदों के दल ने आज घटनास्थल का दौरा करके पीड़ित परिवार से भी मुलाकात की। वहीं पुलिस अधिकारियों से अब तक की गई जांच के बारे में जानकारी भी ली। महिला सांसदों का यह दल भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौपेंगा। इस दौरान राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर और बीजेपी महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष रक्षा भंडारी भी केंद्रीय टीम के साथ रही।

शाहपुरा में नए जिले के सीमांकन का विरोध: पुलिस ने किया लाठीचार्ज

12 लोग घायल; राजस्थान में अब 10 संभाग-50 जिले

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में 19 नए जिले और तीन संभाग नोटिफिकेशन के साथ ही अस्तित्व में आ गए। अब प्रदेश में 50 जिले और 10 संभाग हो गए हैं। लेकिन, इसे लेकर विवाद भी शुरू हो गए हैं। भीलवाड़ा से अलग करके बनाए गए शाहपुरा जिले के उद्घाटन कार्यक्रम में लोगों ने सीमांकन का जमकर विरोध किया। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसमें 12 लोग घायल हो गए। लोग जिले से माइंस वाले इलाके हटाने से नाराज हैं।

इधर, सीएम अशोक गहलोत बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह से वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंस) के जरिए नए जिलों के उद्घाटन समारोहों से जुड़े।

सीएम गहलोत ने नए जिलों के उद्घाटन से पहले हवन में आहुतियां दीं और पूजा-अर्चना की। राजस्व मंत्री रामलाल जाट भी वीसी के जरिए नए जिलों के उद्घाटन समारोहों में जुड़े।

पहले 33 जिले और सात संभाग थे। 19 नए जिलों की घोषणा की थी। जयपुर और जोधपुर जिले पहले से थे। ऐसे में असल में नए जिले 17 ही बने हैं। जिलों की घोषणा के वक्त जयपुर उत्तर, जयपुर दक्षिण, जोधपुर उत्तर और जोधपुर दक्षिण बनाने की घोषणा की थी। विरोध के बाद बीच का रास्ता निकालते हुए जयपुर, जोधपुर जिलों के नाम बरकरार रखते हुए जयपुर ग्रामीण और जोधपुर ग्रामीण नए जिले बना दिए।

ये नए जिले : अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर, केकड़ी, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़, नीम का थाना, खैरथल-तिजारा, सांचौर, डीडवाना-कुचामन, शाहपुरा, जोधपुर ग्रामीण, फलोदी, सलूंबर, गंगापुरसिटी, डीग।

ओएसडी अब कलेक्टर और एसपी

सरकार ने नए जिलों में आईएएस और आईपीएस अफसरों को OSD (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) लगाया था। नए जिलों का नोटिफिकेशन जारी होते ही अब उनका पद कलेक्टर और एसपी हो गया है। नए जिलों में कलेक्टर, एसपी और जिला लेवल के ऑफिस अस्थायी रूप से बनाए गए हैं।

हुरडा और गुलाबपुरा क्षेत्र को भीलवाड़ा में शामिल करने का विरोध

शाहपुरा में गवर्नमेंट कॉलेज में आयोजित जिला स्थापना कार्यक्रम में प्रदर्शनकारियों ने हुरडा और गुलाबपुरा क्षेत्र को जिले के प्रस्तावित नक्शे से हटा कर भीलवाड़ा में शामिल करने का विरोध किया। दरअसल, कार्यक्रम से पहले शाहपुरा संघर्ष समिति और शहर के दर्जनों संगठन कार्यक्रम स्थल के बाहर पहुंच गए। उन्होंने कॉलेज के बाहर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सुबह करीब 11:15 बजे मंत्री महेश जोशी कार्यक्रम में पहुंचे, जिन्हें प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए। करीब 12 बजे प्रदर्शन तेज हो गया। प्रदर्शनकारियों में से सैकड़ों लोग कॉलेज की दीवार फांद कर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की कोशिश करने लगे। वहां मौजूद पुलिस के जवानों ने उन्हें रोकने की कोशिश की। हालात बेकाबू होते देख आरएसी की टीम ने लाठीचार्ज कर दिया। इससे प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और पत्थरबाजी करने लगे। इस दौरान घायल हुए 12 से ज्यादा लोगों को भीलवाड़ा रेफर किया गया है।

बिरला ऑडिटोरियम में जिलों के उद्घाटन समारोह में नए जिलों की कमेटी के अध्यक्ष रामलुभाया ने कहा- हमने 19 जिलों की जब सिफारिश की थी तो हमें उम्मीद नहीं थी कि मुख्यमंत्री इतने जिलों की घोषणा करेंगे। जब सीएम ने नए जिलों की घोषणा की, तब मैं खुद हैरान था। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। राजस्थान के निवासियों के लिए ऐसा मौका नहीं आ सकता।

डोटासरा बोले- इतनी भीड़ आएगी कैसे संभालेंगे?

कहा- राहुल गांधी की रैली में जुटेंगे लोग लाइनें लग जाएंगी; व्यवस्था को लेकर मेरी चिंता

वागड़, 7 अगस्त (एजेंसियां)। 9 अगस्त को बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सभा को लेकर वागड़ में आए डोटासरा ने आज सोमवार सुबह उदयपुर के सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत की। बाद में वे डूंगरपुर के लिए रवाना हुए और अब वे बांसवाड़ा जिले में ही रहकर राहुल की सभा की तैयारियों पर नजर रखेंगे।

एक सवाल के जवाब में डोटासरा ने कहा कि मानगढ़ धाम पहाड़ी क्षेत्र पर है, लोगों के आने में चिंता नहीं है, इतने लोग आएंगे, लाइनें लगेगी, उनकी व्यवस्था कैसे हो इसकी चिंता है। वे बोले लोग तो स्वयं ही मानगढ़ धाम पर आएंगे।

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस का आदिवासियों के साथ गहरा लगाव रहा है। भाजपा की केन्द्र में सरकार ने 9 साल में आदिवासियों के लिए कुछ नहीं किया जबकि कांग्रेस ने सरकार में रहते हुए बहुत कुछ किया।

हम विकास के पिच पर खेलेंगे- डोटासरा

डोटासर ने कहा कि भाजपा चाहती है हमारे पिच पर खेले जबकि हम चाहते है हम विकास के पिच पर खेलेंगे। हमारी सरकार ने राजस्थान में जो काम किए उस पर खेलेंगे। कोरोना के बेहतर मैनेजमेंट पर खेलेंगे। भाजपा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि इनके चक्कर में पहले कोई आ गया होगा, अब हम नहीं आने वाले है।

एक सवाल पर डोटासरा ने कहा कि भाजपा के मेरे प्रति आक्रामक होने न होने से मेरे क्या फर्क पड़ेगा। मैं भाजपा के सामने ही लड़ा हूं। तीन बार भाजपा के उम्मीदवार मेरे सामने थे। उन्होंने मेरे को निर्विरोध थोडी छोड़ा। वे बोले भाजपा, आरएएस अपना काम करेगी, हम हमारा काम करेंगे।

वे बोले हमारी सरकार की योजनाएं, हमारा काम ही तो बोलेगा। भाजपा वाले क्या मुकाबला करेंगे हमारा। इनका काम ही क्या। कोई साढ़े चार साल में किसी भाजपा के आदमी को हमारी योजना की कमी खामी बताते किसी ने देखा क्या, किसी ने राजस्थान के 25 में 25 सांसदों को काम करते देखा क्या, वे बोले भाजपा से कौन डर रहा है, इनके षडयंत्र से भी हम नहीं डर रहे हैं।

पीएचईडी अफसर घूस लेने बहरोड़ से जयपुर आए

एक्सईएन और जेईएन 2 लाख रुपए लेते गिरफ्तार, ठेकेदार के होटल में बैठकर बनते थे बिल

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अलवर और नीमराना के पीएचईडी अफसरों को जयपुर में 2.20 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। दोनों को होटल पोलो विक्ट्री के पास से पकड़ा गया। बिल पास करने के एवज में रिश्वत ली जा रही थी। एसीबी ने कार्रवाई के दौरान रिश्वत देने वाले ठेकेदार और दो दलालों को भी दबोचा है। कुछ अन्य लोगों की भी भूमिका सामने आई है, जिसे लेकर जांच की जा रही है। मामला जल जीवन मिशन से जुड़ा है।

एसीबी के एडीजी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया- गिरफ्तार एक्सईएन मायालाल सैनी बहरोड़ व जेईएन प्रदीप नीमराना में कार्यरत है। इन्हें रिश्वत देने वाले ठेकेदार पदमचंद जैन और उसकी कंपनी के सुपरवाइजर मलकेत सिंह और एक अन्य व्यक्ति को पकड़ा है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों की गाड़ी व ऑफिस में 2.90 लाख रुपए और मिले। इसके बाद आरोपियों के झुंझुनूं, बहरोड़ स्थित घर, ऑफिस व अन्य ठिकानों पर देर रात तक सर्च की गई।

एडीजी के अनुसार एसीबी की तकनीकी शाखा को सूचना मिली कि अलवर पीएचईडी में कार्यरत कुछ अधिकारी बिल पास करने के बदले रिश्वत लेने वाले हैं। इस पर डीआईजी रणधीर सिंह के सुपरविजन में एडिशनल एसपी हिमांशु कुलदीप व डिप्टी एसपी सुरेश स्वामी के नेतृत्व में विशेष टीमों ने रेकी की।

एडीजी प्रियदर्शी ने बताया- इनके मोबाइल को सर्विलांस पर रखा हुआ था। जानकारी मिली कि देर रात ये लोग डील करने के लिए सिंधी कैंप के पास एक होटल में आने वाले हैं। इस पर एसीबी की टीम ने पहले से जाल बिछा दिया था। जब ये सब लोग पैसों की डील कर रहे थे, उसी दौरान ऑपरेशन शुरू हुआ। पैसा लेते हुए दोनों सरकारी अधिकारी ट्रैप हुए।

यह रिश्वत की राशि पीएचईडी विभाग बहरोड़ में करवाए गए निर्माण कार्यों के बकाया बिलों को पास करने की एवज में मांगी गई थी। मायालाल सैनी और प्रदीप रिश्वत ले रहे थे जबकि फर्म का ठेकेदार पदमचंद जैन और एक अन्य आदमी रिश्वत दे रहे थे।

गिरफ्तारी के बाद घर-ऑफिस पर सर्च

मायाराम सैनी और प्रदीप के जयपुर और अन्य ठिकानों पर एसीबी की टीमें सर्च कर रही है। एसीबी के अंदेशा है कि इन अधिकारियों के घर से अवैध संपत्ति की जानकारी मिल सकती है।

होटल में बैठकर बनते थे बिल

सूत्रों के मुताबिक पदमचंद जैन की फर्म का नाम श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी है, वहीं उसके एक रिश्तेदार की कंपनी का नाम श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी है। इन दोनों फर्मों पर ईडी की भी नजर थी। दोनों कंपनियों पर फर्जी आय और अनुभव प्रमाण पत्र बनवाकर 900 करोड़ रुपए का टेंडर लेने का आरोप लगा था। आरोप यह भी था कि इन्होंने जयपुर के इंजीनियर्स के साथ मिलीभगत की है।

सूत्रों के मुताबिक विभाग के जेईएन से लेकर एडिशनल चीफ इंजीनियर तक ठेकेदार की होटल में बैठकर बिल बनाते थे। वहीं पाइप लाइन और टंकियों की माप पुस्तिका भरकर फाइनल बिल बनते थे और इंजीनियर उस पर साइन करते थे। एक साल से यही सिलसिला चल रहा था।

45 किलो डोडा पोस्त के साथ तस्कर गिरफ्तार

सप्लाई करने से पहले नाकाबंदी में पकड़ा, कार जब्त

पाली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाली पुलिस ने 45 किलो डोडा पोस्त के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से कार से 45 किलो डोडा पोस्त बरामद किया है।

एसपी डॉ. गगनदीप सिंगला ने बताया कि मादक पदार्थों की अवैध रूप तस्करी करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान पाली पुलिस की ओर से चलाया जा रहा है। सदर थाने के एसएचओ रामप्रताप सिंह को मुखबिर के जरिए मादक पदार्थों की सप्लाई आने की सूचना मिली। इस पर उन्होंने टीम के साथ खैरवा गांव के निकट मामा तिराहे पर नाकाबंदी की। संदिग्ध कार आने पर उसे रूकवाया और जांच की ता कार में कट्टों में भरा 45 किलो डोडा पोस्त मिला। जिसे कार सहित जब्त किया।

मामले में जोधपुर जिले क सांई साबरसर (शेरगढ़) निवासी 22 साल के जितेन्द्र सिंह पुत्र उम्मेद सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया। मामले की जांच रोहट एसएचओ को सौंपी गई। आरोपी यह डोडा पोस्त कहा से लाया और कहां ले जा रहा था। इस धंधे में कितने सालों से है इसको लेकर रिमांड के दौरान पूछताछ की जाएगी।

टिकट के दावेदार क्षेत्र और बूथ को करें मजबूत: जोशी

कहा- क्षेत्र में उनकी साख बनेगी तो टिकट अपने आप मिल जाएगा

डूंगरपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी डूंगरपुर पहुंचे। शहर के एक होटल में पहले कार्यकर्ताओं के साथ गुप्त मीटिंग की। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक लेते हुए आगामी चुनावों में भाजपा की जीत को लेकर मंत्र दिए।

सबसे पहले सागवाड़ा रोड पर एक होटल में खाना खाया और इसके साथ ही चुनिंदा कार्यकर्ताओं के साथ चुनावों को लेकर फीडबैक मीटिंग ली। इसके बाद वे रात करीब 10 बजे बाद भाजपा पार्टी कार्यालय पहुंचे। जोशी का भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभु पंड्या समेत कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सीपी जोशी ने राज्य सरकार के विफलताएं बताते हुए कहा की प्रदेश में अपराधों का ग्राफ बढ़ा है। महिला अत्याचार में प्रदेश नंबर वन बन गया है। भीलवाड़ा में जिस तरह से एक बच्ची के साथ गैंगरेप कर उसके भट्टी में जला दिया। ऐसी निर्मम घटनाओं के बाद भी राज्य सरकार घटनाए रोकने में नाकाम साबित हो रही है।

पेपर लीक से कई बेरोजगार युवाओं के साथ कुठाराघात हो रहा है। गहलोत साढ़े 4 साल तक अपनी सरकार बचाने में जुटे रहे, लेकिन आम जनता की सुध नहीं ली। प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकार के मंत्री कर विधायक ही इसमें पकड़े जा रहे हैं। सरकार ने बिजली मुफ्त का धोखा दिया है, लेकिन अब प्रदेश की जनता कांग्रेस के बहकावे में आने वाली नहीं है।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने टिकट की दौड़ के लिए आकांक्षी कार्यकर्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा की जो कार्यकर्ता टिकट की डिमांड कर रहे हैं वे जयपुर की दौड़ नहीं लगाएं, बल्कि अपने क्षेत्र और बूथ को मजबूत करने में जुटें, जिससे की क्षेत्र में उनकी साख बनेगी तो टिकट अपने आप मिल जाएगा। उन्होंने कहा अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़े और उन्हें मोदी सरकार की योजनाओं के साथ राज्य सरकार की विफलाए बताएं। कार्यक्रम में भाजपा नेता चुन्नीलाल गरासिया, सुशील कटारा, संभाग सहप्रभारी सावलाराम देवासी, जिला प्रभारी कमलेश पुरोहित समेत कई भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मिस राजस्थान की विनर बनीं वैष्णवी शर्मा, फर्स्ट रनरअप आकांक्षा

रॉयल अन्दाज में हुई ब्यूटी पैजेंट की क्राउनिंग, डिजाइनर ड्रेसेज को ग्लेमरस अंदाज में किया शोकेस

जयपुर, 7 अगस्त (एजेंसियां)। चारों तरफ रोशनी, खूबसूरत परिधान, एक से बढ़कर एक परफॉर्मेंस, जजेज के सवाल और उनके अनूठे अंदाज में मॉडल्स के जवाब। कुछ ऐसा ही नजारा प्रदेश के प्रसिद्ध ब्यूटी पैजेंट मिस राजस्थान के फिनाले में देखने को मिला। बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित फिनाले में टॉप 28 मॉडल्स में से वैष्णवी शर्मा विनर बनकर निकली और ताज अपने नाम किया। फर्स्ट रनरअप का खिताब आकांक्षा चौधरी ने जीता। इसमें सेकंड रनरअप ओर्जला, थर्ड रनरअप दीक्षा यादव, फोर्थ रनरअप पल्लवी जोशी, फिफ्थ रनरअप आस्था चौधरी और सिक्स्थ रनरअप का खिताब सेजल शर्मा ने अपने नाम किया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने विनर मॉडल्स को क्राउन पहनाया और टाइटल प्रदान किए। मिस राजस्थान के मंच पर 5400 गर्ल्स को चुनौती देकर टॉप 28 गर्ल्स ने अपने सपनो को पंख देते हुए उड़ान भरी। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जगदीश चन्द्र, सीनियर कांग्रेस लीडर पं सुरेश मिश्रा, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर राज बंसल, पवन गोयल, जे डी माहेश्वरी, अजय सिंह मीणा, पूजा अग्रवाल, निर्मला सेवानी, अतुल शर्मा, सुरेंद्र कालरा, संजय शर्मा, विष्णु टांक, अंशुल जैन, वासु जैन, देवांशु जैन, गौरव जेटली मौजूद रहे। पैजेंट की जूरी में अंजलि राऊत, मुकेश मिश्रा, राज बंसल, पप्पू मालू , सिमरन शर्मा, डॉ अरविंद अग्रवाल, आंचल बोहरा, अरशद हुसैन जैसे नाम शामिल रहे।

मिस राजस्थान के आयोजक योगेश मिश्रा व निमिशा मिश्रा ने बताया की मिस राजस्थान के ग्रैंड फिनाले में जहां टॉप 28 मॉडल्स ने रैम्प पर पहले राउंड मे निवारा कॉलेज ऑफ डिजाइनिंग के आउटफिट्स पहनकर ओपनिंग एक्ट किया।

सीएस ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई और कार्यान्वित की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में विभिन्न विभागों के सचिव शामिल हुए। तेलंगाना के लिए हरितहारम, स्वतंत्रता भारत वज्रोत्सवम के अवसर पर करोड़ पौधों का रोपण, भेड़, बीसी का वितरण, अल्पसंख्यकों को एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता, गृहलक्ष्मी, दलित बंधु, भूमिपट्टों का वितरण, करुण्य नियुक्तियां, वीआरओ का नियमितीकरण, कलेक्टरों के साथ नोटरी नियमितीकरण आदि की समीक्षा की की गई। तेलंगाना को हरितहारा के तहत निर्धारित लक्ष्य को इस डेढ़ महीने के भीतर पूरा करने का आदेश दिया गया है। रोपे गए प्रत्येक पौधे की जियो-टैगिंग के साथ-साथ यह सुनिश्चित करने के उपाय किए जाएं कि लगभग 85 प्रतिशत पौधे जीवित रहें। वे डिकेड वेल्थ फॉरेस्ट के तहत निर्दिष्ट उद्देश्यों को पूरी तरह से पूरा करना चाहते हैं और इन जंगलों के लिए बाड़ लगाना और बोर्ड स्थापित करना भी चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सम्पदा वनाला के लिए सुरक्षात्मक दीवारों के निर्माण के लिए आवश्यकता पड़ने पर ग्रीन फंड से धनराशि स्वीकृत की जाएगी। सीएस ने कहा कि चूंकि राज्य के मुख्यमंत्री ने भारत के डायमंड फेस्टिवल के समापन के अवसर पर एक ही दिन में करोड़ों पौधे लगाने का निर्णय लिया है, इसलिए इन पौधों को लगाने के लिए आवश्यक स्थानों का चयन, खाइयों की खुदाई का काम पूरा किया जाना चाहिए और इन करोड़ पौधों को रोपने की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। सीएस शांति कुमारी ने राज्य के विभिन्न जिलों में 1266 लोगों की अनुकंपा नियुक्ति दो सप्ताह के अंदर पूरी करने का आदेश दिया। इन नियुक्तियों के संबंध में यह स्पष्ट किया गया है कि नियुक्तियां तुरंत पूरी की जानी चाहिए क्योंकि सरकार ने हाल ही में जीओ नंबर 79 जारी किया है, जिसमें मौजूदा कार्यालय अधीनस्थों को कनिष्ठ सहायकों में अपग्रेड किया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेशानुसार नोटरी पदों के नियमितीकरण हेतु जिसकी लोग लम्बे समय से मांग कर रहे थे। सीएस ने बताया कि जीओ 84 को रिलीज कर दिया गया है। इसके अंतर्गत 125 वर्ग फुट क्षेत्रफल की भूमि को निःशुल्क तथा इससे अधिक क्षेत्रफल के भूखण्डों को स्टाम्प ड्यूटी के अतिरिक्त मात्र 5 रूपये प्रति वर्ग फुट देकर नियमित कराया जा सकता है। उन्होंने इस योजना का बड़े पैमाने पर उपयोग करने के लिए लोगों को जागरूक करने को कहा। इसके लिए कलेक्टरों को तत्काल आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिये गये। जीओ 59 के तहत जिन लोगों को अभी भी नोटिस मिला है, उनसे नियमितीकरण के लिए निर्धारित राशि जमा कराने की कार्रवाई की गयी है। वीडियो कॉन्फ्रेंस में विशेष मुख्य सचिव पशुपालन आधार सिन्हा, पीसीएफ डोबरियाल, प्रमुख सचिव राजस्व विभाग नवीन मित्तल, प्रमुख सचिव बीसी कल्याण विभाग बी वेंकटेशम, पंचायत राज, प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास संदीप कुमार सुल्तानिया, जीएडी सचिव शेषाद्रि, परिवहन, सड़क, भवन विभाग के सचिव श्रीनिवासराजू, एससी विकास सचिव राहुल बोज्जा, आदिवासी कल्याण विभाग के सचिव क्रिस्टीना जेड चोंगटू, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव उमर जलील, नगर निगम विभाग के निदेशक पामेला सत्पथी, वित्त विभाग के वरिष्ठ सलाहकार शिवशंकर और अन्य उपस्थित थे।

ब्रह्मर्षि समाज द्वारा अष्टयाम और अखंड रामायण 14 से

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद कार्यकारिणी की बैठक जगतग़ीरगुट्टा स्थित परशुराम मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति दिया कि इस बैठक में मुख्य चर्चा का विषय आगामी अष्टयाम, अखंड रामायण और स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन था। विचार विमर्श के उपरांत तय किया गया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अष्टयाम का भव्य आयोजन 14 और 15 अगस्त को किया जाएगा ।

पूजा और आवाहन 14 अगस्त को प्रातः 9 बजे शुरू होगा और 11 बजे से कीर्तन और अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ होगा। यह आयोजन राम के छठे अवतार, ब्रह्मर्षि के अपने वंशपुरुष भगवान परशुराम मंदिर, जगतग़ीर गुट्टा में संपन्न होगा। अगले दिन 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 10 बजे मंदिर प्रांगण में ही झंडोत्तोलन किया जाएगा जिसमें समाज के बंधु बांधवी भाग लेंगे और माँ भारती के प्रति प्रेम और राष्ट्र के प्रति भक्ति भाव समर्पित करेंगे।

नवीकरण पाठ्यक्रम से पूर्ण प्रशिक्षित होते हैं शिक्षक : प्रो. कुलकर्णी

महाराष्ट्र भंडारा जिले के हिंदी अध्यापकों के लिए नवीकरण पाठ्यक्रम शुरू

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र पर महाराष्ट्र राज्य, भंडारा जिले के हिंदी अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए आयोजित 462वें नवीकरण पाठ्यक्रम का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने आभासीय पटल से की। मुख्य अतिथि के रूप में चिरैक इंटरनेशनल स्कूल, हैदराबाद की वरिष्ठ शिक्षक प्रशिक्षक डॉ. मंजु शर्मा उपस्थित थीं। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. गंगाधर वानोडे इस नवीकरण पाठ्यक्रम के संयोजक हैं। डॉ. गंगाधर वानोडे ने अतिथियों का स्वागत किया एवं अतिथियों का परिचय दिया। साथ ही केंद्रीय हिंदी संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। महाराष्ट्र राज्य, भंडारा जिले के हिंदी अध्यापक अक्करसिंग पटले व अध्यापिका सुश्री अर्चना कुंदनलाल बावणे ने अपनी अपेक्षाओं को मंच के सम्मुख रखते हुए कहा कि भंडारा जिले में दूसरे प्रांतों एवं महाराष्ट्र राज्य के दूसरे जिलों की अपेक्षा बहुत अच्छी हिंदी बोल लेते हैं। किंतु जब हम विधिवत रूप से पढ़ते एवं पढ़ाते हैं तो हिंदी भाषा में आनेवाली समस्याओं से अवगत होते हैं। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र से आशा है कि हमारी इन समस्याओं का समाधान करेगा। अध्यक्षीय वक्तव्य में निदेशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने कहा कि अध्यापन कार्य करते समय जो कठिनाइयाँ आती हैं, उनको दूर करना इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है। हिंदी ऐसा माध्यम है जिससे हम अपने आपको अध्यतन कर सकते हैं। व्यक्ति का सर्वांगीण विकास आवश्यक है। इसके लिए इस प्रकार के नवीकरण पाठ्यक्रम मुख्य भूमिका अदा करते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. साईनाथ चपले, प्रवक्ता द्वारा किया गया। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र की सदस्या डॉ. एस. राधा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

अणुव्रत की मशाल हर-जन के पथ को रोशन करे : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञा

अणुव्रत समिति का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ भवन डीवी कालोनी, सिकंदराबाद में साध्वी श्री डॉ. मंगल प्रज्ञा जी आदि ठाणा-6 के पावन सान्निध्य में अणुव्रत समिति हैदराबाद की वर्ष 23-25 के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों का दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम अशोक मेड़तवाल व विजय आंचलिया ने अणुव्रत गीत का संगान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर साध्वीश्री डॉ. मंगल प्रज्ञाजी ने कहा कि अणुव्रत आंदोलन अणुव्रत अनुशास्ता गुरुदेव श्री तुलसी द्वारा प्रवर्तित समयातित आंदोलन हैं। पुज्य प्रवर द्वारा संपूर्ण मानव जाति के लिए यह वरदान स्वरूप है। इस वैश्विक आंदोलन में हर व्यक्ति योजित हो सकता हैं, ऐसा प्रयत्न होना चाहिए। हमें गौरव है एक मानवता के मसीहा ने तेरापंथ के मंच से इसका प्रारंभ किया। यह आंदोलन जातिवाद व संप्रदायवाद से हटकर हैं। साध्वीश्री जी ने आगे कहा कि जीवन की धारा बदलने, युग की धारा बदलने और नैतिकता, संयम का शंखनाद करने के लिए अणुव्रत आंदोलन महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। अणुव्रत के नियम ऐसे हैं जिससे व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के लोग और शिक्षा जगत में लोग भी स्वीकार कर सकते हैं। अणुव्रत की मशाल से जन -जन पथ रौशन हो। इस बार पुनः अणुव्रत समिति हैदराबाद ने प्रकाश एच भंडारी को अध्यक्ष पद पर प्रतिष्ठित किया। ये एक अनुभवी श्रावक के साथ साधु-साध्वियों के इंगित को समझने वाले श्रावक हैं।

निवर्तमान अध्यक्ष विजय सुराणा ने नव मनोनीत अध्यक्ष प्रकाश एच. भंडारी को शुभकामनाएं देते हुए आगामी द्वितीय कार्यकाल के लिए अध्यक्षीय पद की शपथ ग्रहण करवाई।

इस अवसर पर नोरतन सेठिया, अमृत कुमार जैन, दिलीप डागा व श्रीमती सरोज भंडारी को अणुव्रत समिति हैदराबाद के परामर्शदाता के रूप में मनोनीत किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष प्रकाश एच भंडारी ने आगामी वर्ष 23-25 के लिए अपने सहयोगी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों के नाम घोषित कर उन्हें शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। उपाध्यक्ष अनिल कातरेला, विजय आंचलिया, मंत्री रीटा सुराणा, कोषाध्यक्ष प्रकाश कोठारी, सह मंत्री राकेश सुराणा, प्रचार मंत्री श्रवण कोठारी के साथ कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में संपत मल गोलछा, अनिता गिड़िया, मीनाक्षी आंचलिया, संतोष आंचलिया, पारस मल गेलड़ा, हुकमीचंद कोटेचा, कमल बरमेचा, माणक रांका, हर्ष लता दुधोडिया, शकुंतला बुच्चा, पुष्पा आछा, संतोष पींचा, राजेन्द्र बोथरा, अशोक मेड़तवाल, सुभाग बांठिया, ममता छाजेड़, चंदन कोठारी, मंजुला पटवारी, राजेन्द्र सुराणा, सरोज नाहटा, बबिता संचेती, सिप्रा नाहटा, श्वेता सेठिया, सुमन आदि को पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन अशोक मेड़तवाल ने किया।

100वें बार रक्तदान करने पर सुशील भायल सम्मानित

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज के सुशील भायल द्वारा 100 बार रक्तदान किये जाने पर उनके सम्मान में विशेष कर्यक्रम आयोजित किया गया। सचिव नारायणलाल वरपा ने बताया कि मरुधरा के छोटे से गाँव धनला (पाली) किसान परिवार पुखाराम-वरजूबाई भायल के लाड़ले सुशील भायल ने जिंदगी का हर एक लम्हा मानवता के नाम 28 जुलाई 2023 शुक्रवार ब्लड कैंसर पीड़ित सृजनाजी के लिए किम्स हॉस्पिटल सिकंदराबाद में रक्त दान कर सौ बार रक्तदान करने का प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया। इस पर सीरवी समाज के अध्यक्ष मांगीलाल काग व पदाधिकारियों ने विशेष सम्मान किया। सचिव नारायणलाल बर्फा, सलाहकार सोहनलाल परिहार, पत्रकार परबत सोलंकी ने शुभकामनाएँ देते हुए बताया कि रक्तदान एक बहुत ही नेक काम है। समाज बन्धुओं द्वारा किये गये सम्मान के लिए सुशील भायल ने सभी का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि जब भी समाज व प्रवासी बन्धुओं को इलाज के दौरान रक्त की जरुरत पड़ने पर वे हमेशा सहयोग करेंगे। 100 नॉट आउट ब्लड डोनर का सौभाग्य प्राप्त करने पर बताया कि इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड मे दर्ज रक्तदान के प्रेरक सेनानी डॉ. सुरेश सैनी की तरह वे भी अपना नाम रिकॉर्ड बुक मे दर्ज कराने की हर सम्भव कोशिश करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मांगीलाल काग, नारायणलाल वरपा, अर्जुनलाल बर्फा, केराराम सिन्दड़ा, भंवरलाल काग, सोहनलाल परिहार, संतोष चोयल, उदाराम, भूंडाराम, भूराराम, मांगीलाल सोलंकी, सुजाराम, सोहनलाल, राजाराम सीरवी उपस्थित रहे। मंच का संचालन नारायणलाल वरपा ने किया।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा ने सावन की सैर मनाई

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा ने सावन की सैर मनाई। सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा वह सामूहिक प्रार्थना में भाग लिया। अध्यक्ष पंकज कुमार संघी ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा 25वीं शाखा की वर्षगांठ पर शाखा द्वारा किए जाने वाले कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। इसके अंतर्गत विद्याश्रम सेवा, ऑर्फनेज सेवा, गौ सेवा, मेडिकल कैंप, डांडिया, अंकुट प्रसाद आदि कार्यक्रम प्रस्तुत करने का संकल्प लिया। श्रीमती रेखा अग्रवाल ने महिला समिति को सशक्त करने के लिए अधिक से अधिक महिलाओं को महिला समिति में शामिल होने का आह्वान किया। मानद मंत्री प्रदीप बंसल ने महामंत्री चुने जाने पर सभा को धन्यवाद दिया। श्याम सुंदर अग्रवाल के बड़े ही सुंदर और सुचारू ढंग से कार्यक्रम का संचालन किया। शाखा द्वारा आयोजित सैर में 200 सदस्यो ने आयोजन का लाभ लिया। अवसर पर अध्यक्ष पंकज संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल,सचिव प्रदीप बंसल, उपसचिव शैलेश अग्रवाल,कोषाध्यक्ष सतनारायण मोदी,परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, चंद्रमोहन अग्रवाल,श्याम सुंदर अग्रवाल, ओमप्रकाश पचारिया, दीपक अग्रवाल, नितिन अग्रवाल और युवा मोर्चा से निश्चिंत अग्रवाल, नितेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

सरकारी स्कूलों की सभी समस्याओं के समाधान के लिए उठाये जा रहे कदम : मंत्री

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी स्कूलों में व्याप्त सभी समस्याओं को हल करने के लिए कदम उठा रही है और छात्रों के लिए एक सुखद माहौल प्रदान करने की कोशिश कर रही है। मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के साथ सोमवार को शहर के सनतनगर विधानसभा क्षेत्र के अशोक नगर इलाके में कुछ सरकारी स्कूलों का दौरा किया और छात्रों से बातचीत कर समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 1,000 से अधिक गुरुकुल स्कूल स्थापित किए हैं और 7 लाख से अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य को छोड़कर, इस तरह की सुविधा भारत में कहीं और नहीं है। राज्य सरकार प्रत्येक छात्र के लिए प्रति वर्ष 1.20 लाख रुपये खर्च कर रही है। इसके अलावा, सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम भी शुरू किया गया है। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और स्वादिष्ट भोजन परोसा जा रहा है। हालांकि, छात्रों से बातचीत के दौरान उन्होंने कई समस्याएं मंत्री के संज्ञान में लायीं. छात्रों ने बताया कि शौचालय ठीक से नहीं हैं, पानी की कमी है, फर्नीचर नहीं है, स्टाफ की कमी है और सफाईकर्मियों की कमी के कारण स्कूल की साफ-सफाई ठीक नहीं है।

समस्याओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि 10 दिनों के भीतर सभी समस्याओं का समाधान कर दिया जाएगा और अधिकारियों को उस स्कूल से आवश्यक स्टाफ तैनात करने का निर्देश दिया जहां स्टाफ सरप्लस है।

नई सदस्यता और प्रिविलेज कार्ड अभियान सम्पन्न

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शालिबंडा शाखा द्वारा प्रिविलेज कार्ड और नए सदस्य बनाने का कार्य संपन्न हुआ। अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल के निवास स्थान पर सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात आए हुए सभी अग्र बंधुओं का स्वागत सचिव पंकज गोयनका के द्वारा किया गया। सभी सदस्यों को प्रिविलेज कार्ड के लाभ और समाज से जुड़ने के फायदे बताऐ गए।

कई नये सदस्यों को जोडा गया और प्रिविलेज कार्ड फॉर्म जमा किये गए। इसके अलावा दान संग्रह पात्र का प्रचार किया गया। आऐ हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल ने किया। सभा में उपस्थित अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, उपाध्यक्ष आनंद संघी, सचिव पंकज गोयनका, संयुक्त सचिव राजू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेम अग्रवाल, केएस मेंम्बर उमेश अग्रवाल, सलाहकार संजय अग्रवाल, सदस्य सत्यनारायण गुलखंडिया, हरीकिशन अग्रवाल, फतेहचंद अग्रवाल,रोशन अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, तरूण अग्रवाल, ऊमेश अग्रवाल, अजित अग्रवाल, अंबिका अग्रवाल, दिक्षा अग्रवाल, पुनम अग्रवाल, किरन गोयनका आदी सभी सदस्योने सहयोग किया।

मदनूर में मुख्यमंत्री सहता निधि चेक का वितरण करते हुए सरपंच सरपंच सूर्यकांत। उपस्थित हैं बंसी पटेल, हनमंडलु और वार्ड सदस्य सायलु।

गाय व बकरियों को टीकाकरण किया गया

मदनूर, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार मदनूर मंडल के चिन्ना एकलार गांव में पशुपालन विभाग के तत्वावधान में रिलायंस फाउंडेशन द्वारा गैलिकुंटु बीमारी के खिलाफ टीकाकरण किया गया, किसानों की 40 गायों, 90 भैंसों, 170 बकरियों को टीका लगाया गया। कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच भीमराव जेवीवीओ विजया, नागनाथ परमेश, हनुमंतु, बब्बर के साथ अन्य लोगो ने भाग लिया।

हृदय रोग से संबंधित नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ द्वारा नेताजी नगर एक्स रोड़, यूनियन बैंक, कापरा में निःशुल्क जांच शिविर हृदय रोगों से संबंधित, आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों लोग उपस्थित हुए और कार्यक्रम को सफल बनाया। जन सेवा संघ के प्रेरणा स्रोत वीके सिंह साहब मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हर संस्था का कर्तव्य है। सामाजिक जागरूकता फैलाना और इसी के तहत जन सेवा संघ ने दो महीने में चार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जो कि बहुत ही सराहनीय है। इस अवसर पर नेरेडमेट क्षेत्रीय अध्यक्ष राधेश्याम राय यादव ने सभी लोगों का आभार जताया। इस आयोजन को सफल बनाने में छैल सिंह, ओम प्रकाश, कूपाराम सीरवी, राजेंदर सिंह सेंगर, नवीन गौदे, एम बी सिंह, राजीव रंजन चौबे, श्रीनिवास यादव, गोविंद तिवारी आदि ने भरपूर सहयोग दिया।

केयर फाउंडेशन ग्रुप से जुड़ कर जन सेवा संघ यह शिविर का आयोजन किया है। जन सेवा संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी, उपाध्यक्ष एसपी सिंह और महासचिव सुधीर जायसवाल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जन सेवा संघ के सभी पदाधिकारी और सदस्यों का सहयोग सराहनीय है।

अग्रणी महिला मंच द्वारा निम्बोली अड्डा शिव मंदिर में सावन महीने पर शिव अभिषेक संपन्न किया। भाग लेती हुईं की अध्यक्षा सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, सुनयना नरसरिया, प्रीति गोयल, रूपा गुप्ता व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट ने ...

2012 में संशोधन के तहत आईपीसी में धारा 166ए जोड़ी गई। इसके तहत जो पुलिसवाले अपनी ड्यूटी नहीं करेंगे, उन्हें सजा दी जाएगी। हम इस धारा को लागू करने के लिए कह रहे हैं। देश में लिंचिंग के मामले सामने आने पर भी मुद्दा उठा था। तब कोर्ट ने प्रिवेंटिव मेजर्स (निवारक उपाय) की बात कही थी।

सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े : दो जगह गतिरोध है- एनएच-2 और जिरिबाम। यदि इन गतिरोधों को हटा लिया जाए तो काफी तनाव खत्म हो जाएगा।

मणिपुर में फौजियों का आई कार्ड चेक कर रहीं मैतेई महिलाएं :

उधर, राजधानी इंफाल में आने वाले सभी रास्तों को मैतेई महिलाओं के संगठन मेइरा पाइबी ने रोक दिया है। इन्होंने हर रास्ते की एंट्री पर चेक पॉइंट बनाए हैं। ये महिलाएं सेना और केंद्रीय सुरक्षा बलों की गाड़ियों को रोककर फौजियों के आई-कार्ड चेक कर रही हैं।

इंफाल में लगभग 500 महिलाओं की भीड़ ने कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस (सीएमपी) के काफिले को रोक दिया। उनका आरोप था कि काफिले में कुकी समुदाय के फौजी हैं। महिलाओं ने जवानों के नाम और राज्य पूछकर उनसे आधार कार्ड की मांग की। सैन्य अफसरों ने आपत्ति भी जताई, लेकिन काफिले को लौटना पड़ा।

पटियाला पीयू की परनीत ने गोल्ड पर साधा निशाना

जर्मनी में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में रचा इतिहास; पीएम मोदी ने दी बधाई

पटियाला, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जर्मनी के बर्लिन में चल रही विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय लड़कियों की कंपाउंड टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। इस टीम में पंजाबी यूनिवर्सिटी से छात्रा परनीत कौर मेंबर हैं। परनीत की इस उपलब्धि से यूनिवर्सिटी कैंपस में खुशी का माहौल है।

बता दें कि भारतीय कंपाउंड टीम ने फाइनल में मेक्सिको को हराकर यह जीत हासिल की। परनीत कौर पीयू के आर्चरी कोच सुरिंदर रंधावा से तीरंदाजी की ट्रेनिंग लेती हैं। कोच ने कहा कि उन्हें अपनी स्टूडेंट की इस उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस हो रहा है।

पीएम मोदी ने कहा- भारत के लिए गर्व का क्षण

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, बर्लिन में आयोजित विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में हमारी उत्कृष्ट कंपाउंड महिला टीम के रूप में भारत के लिए गर्व का क्षण। हमारे चैंपियनों को बधाई। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण से इस महान परिणाम को लाने में सक्षम है।

चैंपियन कंपाउंड टीम का हिस्सा हैं

परनीत ने मानसा जिले का नाम रोशन किया : मीत हेयर

पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने लिखा कि, "बर्लिन में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के फाइनल में भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने मेक्सिको को 235-229 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस स्वर्णिम उपलब्धि के लिए भारतीय टीम को बधाई।" इस गौरवान्वित टीम में हमारे पंजाब के मानसा जिले के मंढाली गांव की परनीत कौर भी शामिल थीं। प्रतिभाशाली तीरंदाज को भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

बेटियों आप पर गर्व है : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट किया कि जिस आत्मविश्वास और कौशल के साथ आपने भारत को जीत दिलाई वह वास्तव में असाधारण है। टूर्नामेंट में चुनौतीपूर्ण मौसम और मजबूत मैदान पर काबू पाना अद्वितीय और प्रेरणादायक। बेटियों, तुम पर बहुत गर्व है। आपने भारत को गौरवान्वित किया है। आप देश और दुनिया के लिए इतिहास को फिर से लिखना जारी रखें।

भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया : रक्षा मंत्री

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, ज्योति सुरेखा, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी की कंपाउंड महिला टीम ने बर्लिन में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। उनकी अनुकरणीय सफलता अन्य उभरते तीरंदाजों को प्रेरित करेगी। इस उपलब्धि पर देश की कई अन्य दिग्गज हस्तियों ने बधाई दी।

वीसी ने कोच और खेल विभाग को दी बधाई

वाइस चांसलर प्रो. अरविंद ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए परनीत कौर, उनके कोच सुरिंदर रंधावा और खेल विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमें लड़कियों द्वारा हासिल की गई इतनी बड़ी उपलब्धियों पर अधिक गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं अक्सर कहता हूं कि लड़कियों को उच्च शिक्षा प्रदान करने और उनके सपनों को पूरा करने में पंजाबी यूनिवर्सिटी की विशेष भूमिका है।

भारत में वर्ल्ड कप खेलने आएगी पाकिस्तान टीम

सरकार ने जांच के बाद परमिशन दी; कहा- स्पोर्ट्स को राजनीति से अलग रखना चाहिए

इस्लामाबाद, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत जाने की परमिशन दे दी है। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया, 'स्पोर्ट्स को पॉलिटिक्स से हमेशा दूर रखना चाहिए। पाकिस्तान इसीलिए अपनी टीम को 2023 के ICC वर्ल्ड कप के लिए भारत भेजने के लिए तैयार है।' भारत में वनडे वर्ल्ड कप 2 महीने बाद 5 अक्टूबर से खेला जाएगा। पाकिस्तान का पहला मैच 6 अक्टूबर को नीदरलैंड्स से होगा। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'दोनों देशों के राजनीतिक विवादों को इंटरनेशनल क्रिकेट के बीच नहीं लाना चाहिए। भारतीय टीम भले ही एशिया कप खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं आ सकती, लेकिन पाकिस्तान अपनी टीम के साथ ऐसा नहीं करेगा।

पाकिस्तान को अब भी अपनी क्रिकेट टीम की सुरक्षा की चिंता है। हमने आईसीसी और बीसीसीआई को इस बारे में बताया है। हमें उम्मीद है कि भारत में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की सिक्योरिटी और सेफ्टी का ध्यान रखा जाएगा।'

वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मुकाबले

खिलाफ	कब	कहां
नीदरलैंड	6 अक्टूबर	हैदराबाद
श्रीलंका	12 अक्टूबर	हैदराबाद
भारत	15 अक्टूबर	अहमदाबाद
ऑस्ट्रेलिया	20 अक्टूबर	बेंगलुरु
अफगानिस्तान	23 अक्टूबर	चेन्नई
साउथ अफ्रीका	27 अक्टूबर	चेन्नई
बांग्लादेश	31 अक्टूबर	कोलकाता
न्यूजीलैंड	4 नवंबर	बेंगलुरु
इंग्लैंड	12 नवंबर	कोलकाता

पाकिस्तान सरकार ने आईसीसी से लिखित आश्वासन मांगा है

पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड ने पिछले दिनों इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से लिखित में सिक्योरिटी का आश्वासन मांगा था। पीसीबी ने आईसीसी से कहा था, 'हम टीम को भारत भेज देंगे, लेकिन सुरक्षा को देखते हुए हमें आईसीसी से लिखित में आश्वासन चाहिए।'

इस बार का वनडे वर्ल्ड कप भारत में 5 अक्टूबर से खेला जाएगा। ओपनिंग मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होगा। पाकिस्तान अपना पहला मैच 6 अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा। टीम का दूसरा मैच श्रीलंका से होगा। दोनों ही मैच हैदराबाद में खेले जाएंगे।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के 3 वर्ल्ड कप मैच सुरक्षा कारणों से री-शेड्यूल हो सकते हैं। भारत के साथ उसका मुकाबला 15 अक्टूबर को होना था, लेकिन अब यह 14 अक्टूबर को होगा। इस कारण श्रीलंका के खिलाफ टीम का मुकाबला 12 की बजाय 10 अक्टूबर को शिफ्ट होगा।

'हम 12 साल बाद इतिहास दोहरा सकते हैं'

हाथ में विश्व कप ट्रॉफी लेकर रोहित शर्मा ने भरी हुंकार

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में होने वाले विश्वकप 2023 की तैयारियां तेज हैं। 5 अक्टूबर से होने वाले विश्वकप से पहले वर्ल्ड कप की ट्रॉफी वर्ल्ड टूर पर है। 7 अगस्त को यह ट्रॉफी वेस्टइंडीज के बारबाडोस पहुंची है, जहां फैंस ने इसका दीदार किया। बारबाडोस में सबसे पहले इस ट्रॉफी को छूने का मौका टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को मिला। उन्होंने आईसीसी के इवेंट में विश्वकप ट्रॉफी के साथ फोटो शूट कराया और विश्वकप जीतने का दावा किया। रोहित शर्मा ने कहा- हम 12 साल बाद इतिहास दोहरा सकते हैं।

विश्वकप ट्रॉफी सुंदर लग रही है

हाथ में ट्रॉफी लेने पर रोहित शर्मा ने आईसीसी से बात करते हुए कहा 'इससे पहले उन्होंने इतने पास से ट्रॉफी कभी नहीं देखी थी। यहां तक कि जब हम 2011 में जीते थे तब भी नहीं। मैं उस समय टीम का हिस्सा नहीं था। लेकिन यह सुंदर लग रही है। ट्रॉफी के पीछे कई सारी यादें हैं। यह सुंदर हैं और उम्मीद है कि हम इसे उठा सकते हैं। आपको बता दें कि भारत ने साल 2011 में श्रीलंका को हराकर दूसरा विश्वकप अपने नाम किया था।

रोहित शर्मा ने आगे कहा कि '2011 विश्व कप हम सभी के लिए यादगार था, मुझे याद है कि मैंने इसे घर से हर एक मैच देखा था, हर एक गेंद जो खेली गई थी। मेरी अलग-अलग भावनाएं थीं। टीम बहुत अच्छा खेल रही थी – उम्मीद है कि हम इसे 12 साल बाद 2023 में दोहरा सकते हैं।

हम घर में खेलने के लिए उत्सुक हैं

रोहित ने फैंस से समर्थन की उम्मीद की। उन्होंने कहा 'मैं इस बात को भली-भांती जानता हूं कि वर्ल्ड कप के दौरान हम जिस जगह और जिस मैदान पर जाएंगे, वहां फैंस से भारी समर्थन की उम्मीद है। ये वर्ल्ड कप है और इसका हर कोई इंतजार कर रहा है और वर्ल्ड कप 12 साल बाद वापिस आ रहा है। हम 12 साल बाद घर में विश्वकप खेलने के लिए उत्सुक हैं।'

वनडे वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

लाबुशेन का नाम नहीं, अनकैप्ड खिलाड़ी तनवीर संघा और एरोन हार्डी को जगह

कैनबरा, 7 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2 महीने बाद शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए 18 संभावित खिलाड़ियों को चुन लिया है। संभावितों में सबसे चौंकाने वाला नाम अनकैप्ड लेग स्पिनर तनवीर संघा और अनुभवहीन ऑलराउंडर एरोन हार्डी का है। वहीं टेस्ट टीम के स्टार मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम की कप्तानी पैट कमिंस के पास ही रहेगी। हालांकि, कमिंस अभी चोटिल हैं, उम्मीद है कि वह वर्ल्ड कप तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। यही टीम वर्ल्ड कप से पहले साउथ अफ्रीका और भारत के दौरे पर भी रहेगी।

वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से भारत में होना है। सभी टीम के स्क्वॉड में 15 प्लेयर्स रह सकेंगे, इनके टीमें 3 स्टैंड-बाय खिलाड़ियों के नाम भी दे सकती हैं। वर्ल्ड कप में भाग लेने वाले सभी देशों को 28 सितंबर तक फाइनल लिस्ट इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को देना है।

तनवीर संघा के पिता पंजाब के रहने वाले

18 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम में भारतीय मूल के अनकैप्ड लेग स्पिनर तनवीर संघा को जगह दी गई है। 21 साल के संघा का जन्म ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। तनवीर के पिता जोगा संघा जालंधर के पास एक गांव रहीमपुर के रहने वाले हैं। वह 1997 में पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलिया चले गए, फिर सिडनी के पास सैटल हो गए। तनवीर के पिता सिडनी में टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम करते हैं, जबकि उनकी मां उपनीत सिडनी में अकाउंटेंट के रूप में काम करती हैं।

संघा का चुना जाना आश्चर्यचकित करने वाला

तनवीर संघा को वर्ल्ड कप के संभावितों में शामिल किया जाना हैरान करने वाला है, क्योंकि 21 साल के संघा पिछले सितंबर से क्रिकेट से दूर हैं। उन्हें कॉफ्स हार्बर में घरेलू मैच के दौरान में पीठ में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद उन्होंने कोई घरेलू मैच नहीं खेला।

हार्डी को मार्श, ग्रीन, स्टोइनिस और एबॉट से टक्कर मिलेगी

एरोन हार्डी ने लिस्ट ए मैचों में 24 की औसत से 194 रन बनाए हैं और 15 विकेट लिए हैं। हार्डी बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। वे मीडियम फास्ट बॉलर हैं। उन्हें टीम में बॉलिंग ऑलराउंडर मिचेल मार्श, कैमरून ग्रीन, मार्कस स्टोइनिस और सीन एबॉट के साथ संभावितों में शामिल किया गया है।

पैट कमिंस एशेज सीरीज के दौरान हो गए थे चोटिल

इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान तेज गेंदबाज पैट कमिंस की कलाई फ्रैक्चर हो गई थी। उन्हें डॉक्टरों ने 6 हफ्ते के आराम की सलाह दी। उम्मीद है कि वह वर्ल्ड कप से पहले फिट हो जाएंगे।

इंडिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल थे लाबुशेन

लाबुशेन इस साल मार्च में भारतीय दौरे पर वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल थे। लाबुशेन का वनडे में प्रदर्शन ज्यादा अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 30 वनडे मैचों में 31.37 की औसत से 847 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023: भारत ने मलेशिया को 5-0 से हराया, पांच खिलाड़ियों ने दागे पांच गोल

चेन्नई, नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मेंस हॉकी टीम ने चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के अपने तीसरे मैच में मलेशिया को 5-0 से हरा दिया।

इस जीत से भारत ने तीन मैचों में सात पॉइंट्स के साथ एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की टेबल स्टैंडिंग में टॉप पर आ गया है।

गुरुवार को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में चीन को 7-2 से हराने के बाद भारत ने शुक्रवार को जापान के साथ 1-1 से ड्रा खेला था।

मैच में भारत के पांच खिलाडियों ने पांच गोल दागे। कार्थी सेल्वम (15') ने फील्ड गोल के साथ भारत के लिए स्कोरिंग की शुरुआत की, इससे पहले हार्दिक सिंह (32') और हरमनप्रीत सिंह (42'), गुरजंत सिंह (53') और जुगराज सिंह (54') ने भारत की ओर से एक-एक गोल किया।

भारत का अगला मैच कल यानी 7 अगस्त को कोरिया के खिलाफ है।

हर क्वार्टर में दागा गोल

भारत ने पहले ही क्वार्टर में बढ़त हासिल कर ली थी। पहले क्वार्टर में मलेशिया ने अटैकिंग गेम खेला लेकिन भारत ने अपना डिफेंस मजबूत रखा और गोल नहीं होने दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने अपना डिफेन्स मजबूत रखा और मलेशिया को गोल करने का चांस नहीं दिया। वहीं, दूसरी ओर अटैक जारी रखते हुए एक और गोल दाग दिया।

तीसरे क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने गोल दागा। वहीं, आखिरी क्वार्टर में भारतीय टीम ने पहले 7वें मिनट में गोल दागा। वहीं, आखिर में जुगराज सिंह ने शानदार खेल दिखाते हुए पांचवां गोल दाग दिया। इस तरह टीम को 5-0 की बढ़त मिल गई।

एशिया की छह शीर्ष टीमें हिस्सा ले रही है

इस टूर्नामेंट में एशिया की छह टॉप टीमें (भारत, दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, चीन और पाकिस्तान) हिस्सा ले रहे है। सिंगल-लेग राउंड-रॉबिन लीग स्टेज के आखिरी में टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 12 अगस्त को खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज से टीम इंडिया की एक और हार के बाद विराट कोहली की आई याद

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। गयाना में भी टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 मैच गंवा दिया. सीरीज में भारतीय टीम 0-2 से पिछड़ गई है. हालांकि टीम की हार के बाद विराट कोहली का नाम ट्रेंड होने लगा है जानिए क्यों?

वेस्टइंडीज से टीम इंडिया की एक और हार के बाद विराट कोहली की आई याद, जानिए वजह

टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया युवा खिलाड़ियों को जरूर मौका दे रही है लेकिन वेस्टइंडीज से लगातार दूसरे टी20 में हार के बाद अब उनपर सवाल उठ रहे हैं. गयाना में वेस्टइंडीज ने टीम इंडिया को 2 विकेट से हरा दिया. अब टीम इंडिया पर सीरीज हारने का खतरा है. वैसे भारतीय टीम की हार के बीच अब फैंस विराट कोहली को याद कर रहे हैं. विराट कोहली का नाम टी20 फॉर्मेट की टीम में नजर नहीं आता. उन्हें पिछली कुछ टी20 सीरीज में आराम ही दिया गया है लेकिन उनकी गैरमौजूदगी का असर टीम इंडिया पर साफतौर पर दिखाई दे रहा है.

दरअसल वेस्टइंडीज सीरीज में टीम इंडिया का टॉप ऑर्डर पूरी तरह नाकाम रहा है. ना इशान किशन ने रन बनाए, ना शुभमन गिल ने और ना ही सूर्यकुमार यादव ने कुछ किया. यही हाल मिडिल ऑर्डर का भी रहा. ये सब देखने के बाद फैंस को विराट कोहली की याद आ रही है जो कि टी20 फॉर्मेट में भी अंत तक विकेट पर टिकते थे और यही वजह है कि उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में भी कई रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराए हुए हैं.

पिछली 15 टी20 पारियों में क्या हुआ?

आइए अब आपको बताते हैं कि टी20 फॉर्मेट में पिछली 15 पारियों में नंबर 3 पर विराट कोहली की कमी किस कदर खल रही है. पिछली 15 पारियों में नंबर 3 पर खेलने वाले बल्लेबाजों का औसत सिर्फ 24.28 रहा है और उनके बल्ले से सिर्फ 340 रन निकले हैं. दूसरी ओर विराट कोहली ने इस पोजिशन पर अपनी लास्ट 15 पारियों में 57.80 की औसत से 578 रन बनाए हैं. मतलब विराट ने किसी भी बल्लेबाज से दोगुने से भी ज्यादा रन ठोके हैं. साफ है विराट कोहली का इस नंबर पर जो इंपैक्ट है वो दूसरा कोई और बल्लेबाज नहीं कर पा रहा है.

7 अगस्त है विराट के लिए खास

वैसे आपको बता दें विराट कोहली का नाम इसलिए भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रहा है क्योंकि उन्होंने आज ही के दिन अपने टी20 करियर का पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता था. विराट ने 7 अगस्त, 2012 को श्रीलंका के खिलाफ पल्लेकेले टी20 में 68 रनों की पारी खेली थी. ये एक ही मैच की सीरीज थी और इसमें उन्हें बेस्ट प्लेयर भी चुना गया. बता दें ये विराट कोहली के टी20 करियर का पहला अर्धशतक भी था.

अब विराट कोहली हैं नंबर 1

11 साल पहले अपना पहला टी20 अर्धशतक लगाने वाले विराट कोहली आज इस फॉर्मेट के बेस्ट प्लेयर हैं. उनके टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 4008 रन हैं. उनका औसत भी 52.73 है जो कि सबसे ज्यादा है. उनके बल्ले से कुल 38 पचास से ज्यादा स्कोर निकले हैं जो कि एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है. साफ है ऐसा खिलाड़ी जब टी20 टीम में नहीं रहेगा तो उसका असर तो टीम इंडिया पर दिखेगा ही.

कप्तान हार्दिक पांड्या को राहुल द्रविड़ नहीं आशीष नेहरा जैसे कोच की जरूरत

पूर्व विकेटकीपर ने क्यों कही यह बात

पार्थिव पटेल

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया पहला दो मैच हारकर 2-0 से पीछे है। दूसरे टी20 में हार के बाद हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर सवाल उठे हैं। 18वें ओवर में युजवेंद्र चहल से गेंदबाजी न कराने के कारण उनकी आलोचना हो रही है। इस बीच टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कोच राहुल द्रविड़ की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कप्तान के तौर पर हार्दिक पांड्या को आशीष नेहरा जैसे कोच की जरूरत है।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी की बात करें तो इंडियन प्रीमियर लीग में उनकी अगुआई में गुजरात टाइटंस (GT) ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम पहले ही सीजन में खिताब जीती। फ्रेंचाइजी की सफलता में कोच आशीष नेहरा की भूमिका काफी अहम रही। वह फुटबॉल स्टाइल में कोचिंग करते नजर आते हैं। बाउंड्री के पास खड़े रहते हैं और खिलाड़ियों को बताते रहते हैं कि आगे क्या करना है। इससे पांड्या को फैसला लेने में आसानी होती है। दूसरी राहुल द्रविड़ ऐसा नहीं करते। ऐसे में पार्थिव पटेल ने कहा है कि टीम इंडिया को प्रोएक्टिव कोच की जरूरत है और द्रविड़ ऐसे नहीं हैं।

पार्थिव पटेल ने क्रिकबज पर कहा, "हार्दिक पंड्या ने गुजरात टाइटंस के लिए शानदार कप्तानी की है, लेकिन वहां उन्हें आशीष नेहरा का भी साथ मिलता है।

एक फोन कॉल और पाकिस्तान को भारत में मिली मदद

'भगवान का दूत' बनकर आया ये शख्स, अब बनाएगा एशिया का चैंपियन

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की हॉकी टीम इस समय भारत में है और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा ले रही है लेकिन इस टूर्नामेंट में आने से पहले ही ये टीम परेशानी में पड़ गई जिससे बाहर निकाला एक भारतीय शख्स ने. पाकिस्तान की सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को आखिरकार वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत आने की इजाजत दे ती है. काफी दिनों से इस पर संशय बना हुआ था जो खत्म हो गया. लेकिन पाकिस्तान की एक टीम पहले से ही भारत में मौजूद है. पाकिस्तान की हॉकी टीम इस समय चेन्नई में खेली जा रही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में खेल रही है और उसकी पूरी कोशिश है कि वह ये टूर्नामेंट जीते. लेकिन टूर्नामेंट में आने से पहले ही ये टीम मुसीबत में फंस गई थी और उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या किया जाए. फिर एक भारतीय की मदद से पाकिस्तान की हॉकी टीम ने इस मुसीबत से पार पाई और अब वह अपने खेल पर ध्यान दे रही है. इस शख्स को पाकिस्तान की टीम भागवन का भेजा हुआ दूत बता रही है.

दरअसल पाकिस्तान की टीम जब भारत आ रही थी तब वीजा को लेकर उसे कुछ परेशानियां हुईं और उसके फिजियो को वीजा नहीं मिल सका. टीम के पास अस्सिटेंट फिजियो थे लेकिन पारिवारिक कारणों के चलते वह टीम के साथ नहीं आ सके. ऐसे में पाकिस्तान टीम ने तमिलनाडु हॉकी के संयुक्त सचिव को एक फोन किया जिन्होंने उनकी इस समस्या का समाधान निकाला और चेन्नई के ही एक फिजियो राजकमल को पाकिस्तान टीम के साथ जुड़ने को कहा.

एक दिन पहले टीम से जुड़े

पाकिस्तान का पहला मैच मलेशिया से था और इससे एक दिन पहले ही राजकमल टीम के साथ जुड़े थे. राजकमल को ज्यादा समय नहीं मिला लेकिन उनकी कोशिश थी कि टीम का हर खिलाड़ी बिना चोट के रहे. मैच खत्म होने के बाद राजकमल ने टीम के खिलाड़ियों के साथ देर रात तक काम किया. राजकमल ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि पाकिस्तान टीम ने उनका अच्छा स्वागत किया लेकिन उनके और टीम के बीच भाषा की एक समस्या जरूर है. दरअसल, राजकमल को हिंदी नहीं आती और पाकिस्तान टीम में इंग्लिश जानने वाले कम ही खिलाड़ी हैं.

हथकरघा बुनकरों को बीमा प्रदान करने की जिम्मेदारी उठाएगी सरकार : केटीआर

2024 में केंद्र में सरकार के गठन में बीआरएस की महत्वपूर्ण भूमिका होने की बात कही

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने भविष्यवाणी की कि 2024 के आम चुनावों के बाद केंद्र में गठबंधन सरकार होगी और बीआरएस पार्टी सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सोमवार को रंगारेड्डी जिले के मन्नेगुडा में 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि बीआरएस सरकार उन हथकरघा बुनकरों को बीमा प्रदान करने की जिम्मेदारी लेगी जो 75 साल की उम्र पार कर चुके हैं। इस अवसर पर उन्होंने तेलंगाना में बुनकरों के कल्याण के लिए नई और संशोधित योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना चेनेथा मग्गम योजना के तहत, सभी पिट करघों को फ्रेम करघों से बदल दिया जाएगा और बुनकरों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जाएंगे।

इसी तरह, संशोधित चेनेता मित्रा के तहत, बुनकरों के खातों में सीधे 3000 रुपये जमा किए जाएंगे और बुनकरों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि 12,500 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पोचमपल्ली हैंडलूम पार्क को राज्य सरकार द्वारा पुनर्जीवित किया जाएगा। बाद में, मंत्रियों ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी पुरस्कार प्रदान किए और समारोहपूर्वक लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से संबंधित चेक सौंपे।

इससे पहले, मंत्री केटी रामा राव ने एक अन्य उत्पाद शुल्क मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ के साथ शहर के उप्पल भगयथ में हथकरघा कन्वेंशन सेंटर और हथकरघा और हस्तशिल्प संग्रहालय की आधारशिला रखी। संग्रहालय का उद्देश्य हथकरघा के समृद्ध इतिहास को संरक्षित करना, प्राचीन काल से इस शिल्प में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों को प्रदर्शित करना और यह सुनिश्चित करना है कि यह विरासत आने वाली पीढ़ियों तक चली जाए। हथकरघा कन्वेंशन सेंटर को हथकरघा खरीदारों और विक्रेताओं के लिए सभाओं के साथ-साथ अनुसंधान एवं विकास और अन्य सम्मेलनों की मेजबानी करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

माओवादी पार्टी ने गदर के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादी पार्टी ने क्रांतिकारी गीतकार गदर की मौत पर शोक व्यक्त किया। पार्टी के प्रवक्ता जगन ने कहा कि गदर की मौत ने राज्य के सभी लोगों को दुखी कर दिया है। उनकी मौत ने हमें बहुत दुखी किया है। हम गदर के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि संघर्षों से प्रेरित होकर उन्होंने तेलंगाना में जमींदारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनके गीतों, नाटकों, लोक कथाओं ने उत्पीड़ित लोगों को अत्याचारों के बारे में जागरूक किया। चार दशकों तक वह उत्पीड़ित लोगों के समर्थन में खड़े रहे। वह 1972 से 2012 तक माओवादी पार्टी के सदस्य थे। उन्होंने अलग तेलंगाना आंदोलन के दूसरे चरण में तेलंगाना पीपुल्स फ्रंट के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने फर्जी मुठभेड़ों में मारे गए क्रांतिकारियों के शवों को उनके परिवारों को सौंपने के लिए विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

सीएम केसीआर ने गदर को दी पुष्पांजलि, परिजनों को दी सांत्वना

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने सोमवार को यहां क्रांतिकारी गीतकार और प्रसिद्ध लोक गायक गदर को पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने शहर के अलवाल स्थित गदर के आवास का दौरा किया और गदर के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने गदर के परिजनों को सांत्वना दी और उनके साथ कुछ समय बिताया। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री हरीश राव, तलसानी श्रीनिवास यादव और वेमुला प्रशांत रेड्डी, योजना आयोग के उपाध्यक्ष विनोद कुमार, विधायक बाल्का सुमन, रसमयी बालकिशन, चंती क्रांति किरण और मैनमपल्ली हनमंथा राव, एमएलसी गोरेती वेंकन्ना, पूर्व मंत्री मोथकुपल्ली नरसिम्हुलु और अन्य शामिल थे। बीआरएस नेताओं ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सोनिया गांधी ने गदर के निधन पर जताया शोक

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आज बल्लादीर गदर के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने गदर की पत्नी विमला को शोक संदेश भेजा। अपने पत्र में उन्होंने विमला से कहा कि उन्हें राज्य के लोकप्रिय लोक गायक के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ है। उन्होंने कहा कि गदर ने समाज में हाशिये पर पड़े और उत्पीड़ित लोगों के संघर्षों की ओर ध्यान दिलाने के लिए कला और संस्कृति को अभिव्यक्ति के साधन के रूप में इस्तेमाल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि संगीत के माध्यम से सार्वजनिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रति उनका समर्पण और अपने विश्वासों और आदर्शों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता उनके जीवन की यात्रा में स्पष्ट थी।

एमएलसी कविता ने पीवी नरसिम्हा राव की प्रतिमा का किया अनावरण

कांग्रेस पर लगाया पीवी नरसिम्हाराव की देश सेवा को भूलने का आरोप

निज़ामाबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने सोमवार को निज़ामाबाद के बोरगाम (पी) सर्कल में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की प्रतिमा का अनावरण किया।

एमएलसी कविता के साथ पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के परिवार के सदस्य भी थे, जिनमें उनके बेटे पीवी प्रभाकर राव, बेटी और एमएलसी सुरभि वाणी और निज़ामबाद ग्रामीण विधायक बाजीरेड्डी गोवर्धन शामिल थे। इस अवसर पर बोलते हुए, कविता ने कांग्रेस पार्टी को कृतघ्न पार्टी करार दिया और आरोप लगाया कि वह न केवल पीवी नरसिम्हा राव की देश के प्रति सेवाओं को भूल गई है, बल्कि भूलने की कोशिश भी कर रही है। उन्होंने कहा कि जब पीवी नरसिम्हा राव ने प्रधानमंत्री का पद संभाला था, तब देश की अर्थव्यवस्था सबसे कठिन स्थिति में थी और उन्होंने अपनी क्षमता से आधुनिक भारत की नींव रखी और देश में आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने का रोडमैप तैयार किया। कविता ने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों के कारण आज लाखों बच्चों के पास नौकरियां हैं और करोड़ों परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए हैं, जिसे भारत में कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना की धरती के बेटे की सेवाओं को पहचानने में विफल रही, लेकिन तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पीवी नरसिम्हा राव के शताब्दी समारोह को भव्य तरीके से आयोजित करने का फैसला किया था।

इंदिरा पार्क और वीएसटी के बीच स्टील फ़्लाईओवर का उद्घाटन जल्द

जीएचएमसी आयुक्त ने विधायक के साथ किया स्टील फ़्लाईओवर ब्रिज का निरीक्षण

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने सोमवार को कहा कि लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इंदिरा पार्क और वीएसटी के बीच स्टील फ़्लाईओवर को आने वाले दिनों में आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

जीएचएमसी आयुक्त, जिन्होंने मुशीराबाद के विधायक मुता गोपाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को स्टील फ़्लाईओवर ब्रिज का निरीक्षण किया, ने विश्वास व्यक्त किया कि लगभग 13,000 टन स्टील से निर्मित विशाल फ़्लाईओवर अगले कुछ हफ्तों में तैयार हो जाएगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए, रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि एक बार इंदिरा पार्क-वीएसटी फ़्लाईओवर का उद्घाटन हो जाने के बाद, यह रणनीतिक सड़क विकास योजना (एसआरडीपी) के हिस्से के रूप में हैदराबाद में बनने वाला 20वां फ़्लाईओवर होगा। एसआरडीपी के तहत, जीएचएमसी 48 प्रमुख कार्य कर रहा है, जिनमें से 35 कार्य पहले ही पूरे हो चुके हैं। आयुक्त ने कहा कि तैयार होने के बाद, इंदिरा पार्क-वीएसटी फ़्लाईओवर एसआरडीपी के तहत 36वां प्रोजेक्ट होगा और हैदराबाद में जोड़ा जाने वाला 20वां फ़्लाईओवर होगा। शेष 13 कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं और हम दैनिक आधार पर उनके विकास की निगरानी कर रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुशीराबाद के विधायक, मुता गोपाल ने कहा कि एक बार वीएसटी फ़्लाईओवर का उद्घाटन हो जाने के बाद, अशोक नगर, आरटीसी क्रॉस रोड, उस्मानिया विश्वविद्यालय, तारनाका, अंबरपेट, उप्पल और उससे आगे के बीच दिन भर का भारी यातायात कम हो जाएगा। इंदिरा पार्क-वीएसटी फ़्लाईओवर चार प्रमुख जंक्शनों पर बनाया गया है जो इस खंड पर यातायात को आसान बनाने में काफी मदद करेगा। नगरपालिका प्रशासन मंत्री, केटी रामा राव फ़्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे। फ़्लाईओवर 2.62 किमी लंबा है और चार लेन से सुसज्जित है और यह तेलंगाना सरकार की महत्वाकांक्षी एसआरडीपी पहल के तहत बनाया जा रहा एक द्वि-दिशात्मक ऊंचा गलियारा है।

रिम्स के छात्र का शव मिला

आदिलाबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जयनाथ मंडल के कांता गांव में रविवार को एक नाले में डूबे मेडिकल छात्र का शव सोमवार को ढूंढ लिया गया। जयनाथ के उप-निरीक्षक पुरसोत्तम ने कहा कि राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स)-आदिलाबाद में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के छात्र भुक्या प्रवीण (27) का शव विशेषज्ञ गोताखोरों द्वारा धारा से निकाला गया। प्रवीण राजन्ना-सिरसिला जिले के मूल निवासी थे। जब उसने अपना मोबाइल फोन निकालने की कोशिश की तो वह नदी में डूब गया, जो जलाशय में गिर गया। घटना के समय वह अपने सहपाठियों के साथ एक स्थान पर पिकनिक मना रहा था।

प्रवीण के सहपाठी कार्तिक और राजू भी धारा में गिर गए, लेकिन तैरकर किनारे आ गए। हालांकि, प्रवीण को यह नहीं पता था कि वह तैरकर बह गया है। रविवार रात तक उसके शव का पता नहीं चल सका था। यह दुर्घटनास्थल से लगभग 500 मीटर दूर नदी के किनारे पाया गया। इसे पोस्टमॉर्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया।

इंटर बोर्ड के आदेशों का होगा पालन : डीआईईओ

कुमरम भीम आसिफाबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिला माध्यमिक शिक्षा पदाधिकारी डॉ. श्रीधर सुमन ने कहा कि इंटरमीडिएट जूनियर कॉलेजों में इंटर बोर्ड के आदेश का पालन होना चाहिए। सोमवार को आसिफाबाद के स्थानीय कॉलेजों में निरीक्षण किया गया और प्रवेश प्रक्रिया की जांच की गई। इंटर बोर्ड के आदेश के मुताबिक एडमिशन के लिए टीसी की जरूरत नहीं है और नियमों का पालन नहीं करने वाले कॉलेजों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी. प्रथम वर्ष में प्रवेश पाने वालों को अंग्रेजी व्यावहारिक अध्ययन कक्षाएं आयोजित करने की सलाह दी जाती है। कॉलेजों में दैनिक उपस्थिति, आंतरिक परीक्षा, मानक में वृद्धि आदि पर चर्चा की गयी. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास किये जाने चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

असुरक्षित महसूस कर रहे हैं सीएम केसीआर : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और टीपीसीसी प्रचार समिति के सह-अध्यक्ष पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आज कहा कि सीएम केसीआर रविवार को राज्य विधानसभा में अपना भाषण देते समय असुरक्षित दिखे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अब टीएसआरटीसी के विलय और कृषि ऋण माफी के बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव में हार का डर है।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने इस बात पर व्यंग्य किया कि केसीआर को राज्य में नौ साल तक शासन करने के बाद उनके द्वारा किए गए वादों की याद आई है। रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में केसीआर को सबक सिखाने के लिए तैयार है।

ट्रैफिक पुलिस ने तेज आवाज वाले साइलेंसर नष्ट किए

संशोधन के खिलाफ चेतावनी दी

हनमकोंडा, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रैफिक पुलिस ने सोमवार को यहां केयू क्रॉस पर रोड रोलर से दुपहिया वाहनों के तेज आवाज वाले साइलेंसर को नष्ट कर दिया। इन साइलेंसरों के कारण होने वाले ध्वनि प्रदूषण के खतरे को रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई। ट्रैफिक एसीपी भोजराजू ने कहा कि जो मोटर चालक अपने दोपहिया वाहनों के साइलेंसर बदलते हैं, उन्हें आपराधिक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। पुलिस उन मोटर चालकों और मैकेनिकों दोनों के खिलाफ कार्रवाई करेगी जो साइलेंसर को संशोधित करने में उनकी मदद करते हैं। एसीपी ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस संशोधित साइलेंसर वाले दोपहिया वाहनों की पहचान करने के लिए विशेष निरीक्षण कर रही है। पिछले कुछ दिनों में पुलिस ने ट्राई सिटी इलाके में 200 से ज्यादा दोपहिया वाहनों से साइलेंसर उतरवाए हैं।

एसीपी ने वाहन चालकों से कंपनी के साथ आने वाले साइलेंसर का उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मॉडिफाइड साइलेंसर न सिर्फ ध्वनि प्रदूषण फैलाते हैं, बल्कि ये खतरनाक भी हो सकते हैं। इस अवसर पर हनमकोंडा, वारंगल और काजीपेट ट्रैफिक इंस्पेक्टर सीता रेड्डी, वेंकट, सुजाता, ट्रैफिक एसआई वेणु, युगांधर, पूर्णचंद्र रेड्डी और श्रावणी की उपस्थिति में तेज आवाज वाले साइलेंसर को नष्ट किया गया।

जनसमस्याओं को जल्द सुलझाएं पुलिस अधिकारी : एसपी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जिला पुलिस कार्यालय में एक सार्वजनिक संबोधन के दौरान जिले के एसपी को जिले के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न मुद्दों पर पीड़ितों के आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसपी ने जनदर्शन में पीड़ितों से मिल रही शिकायतों पर संबंधित थाने के पदाधिकारियों से बात की और पुलिस अधिकारियों को पुलिस के दायरे में हर मामले को सुलझाने में त्वरित कार्रवाई करने और पीड़ितों को न्याय देने का आदेश दिया।

उन्होंने आश्वासन दिया कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा। साथ ही एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गैर कानूनी ढंग से काम करने वालों, कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों से सख्ती से निपटें. आज प्राप्त आवेदनों में विशेष रूप से पामुलावाड़ा, सिरपुर (यू) मंडल के अत्रम चंदन (विकलांग) ने इलेक्ट्रिक वाहन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, एसपी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिला पुलिस विभाग द्वारा शीघ्र ही इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराया जाएगा।

सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रमों के माध्यम से होगा लोगों की समस्याओं का समाधान : डीआरओ राजेश्वर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 7 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डीआरओ राजेश्वर आसिफाबाद आरडीओ सुरेश ने सोमवार को जिला केंद्र में एकीकृत कलक्ट्रेट भवन में आवेदकों से आवेदन प्राप्त किए। रेबेना मंडल के किश्तपुर गांव के सुनारकर श्रीनिवास और सिरपुर मंडल के कोम्मुगुडेम गांव के अतराम पग्गू लड़के ने घर बनाने के लिए गृहलक्ष्मी योजना के तहत वित्तीय सहायता की मांग करते हुए अपना अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत किया है।

सिरपुर मंडल के पावर गुड़ा के ग्रामीणों ने एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें दावा किया गया है कि वे अनुसूचित जनजाति के हैं, जिस भूमि पर वे खेती कर रहे हैं उसका राजस्व स्वामित्व है और खेती योग्य भूमि के बगल में शेष भूमि का स्वामित्व उनके नाम पर किया जाना चाहिए।

आसिफाबाद मंडल के मोतीगुड़ा गांव की दुर्गम राजिथा ने आवेदन देकर कहा है कि उसने 12वीं कक्षा तक पढ़ाई की है, वह किराए के मकान में रहती है और आंगनवाड़ी शिक्षिका के रूप में काम करती है। सिरपुर यू मंडल के पामुलावाड़ा गांव के अत्राम चंदन शाउ ने पेंशन के लिए आवेदन किया है क्योंकि उनके पास विकलांग प्रमाण पत्र है। लिंगपुर मंडल के पिकला थांडा गांव के जाधव ज़ैला ने एक आवेदन प्रस्तुत किया जिसमें दावा किया गया कि दुर्घटना से उसका पैर टूट गया है और वह केवल हाथ की छड़ी की मदद से चल सकता है, और सदाराम शिविर से प्रमाण पत्र मांगा।

इस मौके पर डीआरओ ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का संबंधित अधिकारियों के समन्वय से समाधान किया जायेगा।इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय, विजयनगरम
एमआईजी-2, विवेकानंद कॉलोनी, जिला अस्पताल जंक्शन
केण्टोंमेंट, विजयनगरम 535003

लीज पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को निम्नलिखित स्थान के पास अच्छी तरह निर्मित एक व्यावसायिक परिसर की आवश्यकता है। इसकी परिसीमा/क्षेत्र लगभग 4000sq ft (10% अधिक या कम) कार्पेट एरिया होनी चाहिए।

आवश्यक स्थान	जिला एवं राज्य	आवश्यक कार्पेट एरिया
विजयनगरम शहर	विजयनगरम, आंध्र प्रदेश	4000 ± 10% Sq.ft

टेंडर कागजाद एवं अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारे बैंक के वैबसाइट www.unionbankofindia.com एवं https://eprocure.gov.in को देखें। विधिवत प्रारूप में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय दिनांक 05-09-2023 के शाम 4 बजे तक है। बैंक बिना कारण बताएं किसी या सभी आवेदनों को अस्वीकार करने का हक सुरक्षित रखती है।
क्षेत्र प्रमुख

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.